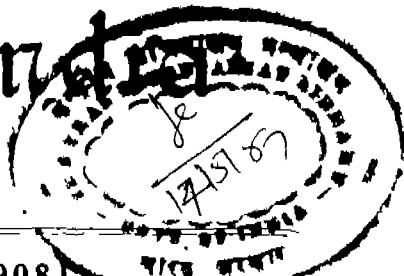




भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 12] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 21, 1987 (फाल्गुन 30, 1908)

No. 12] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 21, 1987 (PHALGUNA 30, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च स्थायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और
भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 16 दिसम्बर 1986

सं. ए० 12025/(11)/1/85-प्रशा०-3—राष्ट्रपति,
संघ लोक सेवा आयोग के स्थायी महायक श्री अमृत लाल
(रेंक-6) का, कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के का०
शा० सं. 5/8/86-सी० एस० (1) दिनांक 28 अक्टूबर,
1986 के अन्तर्गत सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगी
परीक्षा, 1985 के आधार पर अनुभाग अधिकारी के रूप
में संघ लोक सेवा आयोग में नामांकन किय जाने के फल-
स्वरूप, उन्हे 28 नवम्बर, 1986 से आगामी आदेशों तक
संघ लोक सेवा आयोग के०स०से० संवर्ग में अनुभाग
अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने हेतु
नियुक्त करते हैं।

2. यह नियुक्ति केन्द्रीय प्रशासनिक स्थायाधिकरण,
नई दिल्ली के समक्ष विचाराधीन स्थायिक मामला महेश
कुमार बनाम भारत सरकार दी० सं. 420/85 पर दिए
गए फैरिय क अध्यधीि होगी।

एम० पी० जैन,
अवर सचिव (क० प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिवेशालय, के० रि० पु० बल,

नई दिल्ली दिनांक 26 फरवरी 1987

सं. ओ० दो० 1483/80-स्थापना-1—श्री दलीप सिंह
ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप पु० उपा-
धीक्षक, 27 बटा० के० रि०पु० बल के पद का कार्य-भार
दिनांक 31-12-86/(प्रपराह) को त्याग दिया।

सं. ओ० दो०-1501/81-स्थापना-1—श्री खजूर सिंह
ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप पु० उपा-
धीक्षक, 85 बटा० के० रि० पु० बल के पद का कार्य-
भार दिनांक 31/1/87 (प्रपराह) को त्याग दिया।

सं. ओ० दो०-1635/81-स्थापना-1—श्री छैल बिहारी
ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप पु० उपा-
धीक्षक, 85 बटा० के० रि० पु० बल के पद का कार्य-
भार दिनांक 31/1/87 (प्रपराह) को त्याग दिया।

सं. ओ० दो०-1455/79 स्थापना-1—श्री नानक सिंह
ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप पु० उपा-
धीक्षक, 1 बटालियन के० के०रि०पु०बल के पद का कार्य-
भार दिनांक 31-12-86 (प्रपराह) को त्याग दिया।

सं० ओ० दो०-1653-81/स्थापना-I—श्री भानी राम
ने संकारी सेवा में निवृत्त होने के फलस्वरूप पु० उंपा-
धीक्षक, 3 बटा० के०रि०पु० बल के पद का कार्य-भार दिनांक

31/12/86 (अपराह्न) को त्याग दिया।

किशन लाल,
उप निदेशक (स्था०)

नई विलो, विनाक 18 दिसम्बर 1986

सं० पी० सात-5/84-स्थापना-1 (आल० 3)—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित निरीक्षकों को पदोन्नति पर केन्द्रीय फ़िज़ार्ड पुलिस बल
में पु० उप अधीक्षक/अप्पनी कमांडर/चार्टर मास्टर के पदों पर तदर्थ/नियमित रूप से सहृदय नियुक्त करते हैं।

2. उक्त अधिकारियों ने अपने नामों के आगे दर्शायी गयी बटालियनों, तिथियों से पद का कार्य-भार संभाल लिया है।

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	बटा०	तदर्थ भाइचार		स्थाई रूप	
			वार्ज लेने की तिथि	बटा० वार्ज लेने की तिथि	बटा०	वार्ज लेने की तिथि
1	2	3	4	5	6	
1.	श्री एन० बी० भोंसले	112	सहा० बटा०	7-11-84	48	बटा० 9-5-85
2.	श्री बी० के० अम्बीयार	114	"	7-11-84	19	" 4-5-85 अपराह्न
3.	श्री मुख राम यादव	106	"	6-11-84	29	" 16-9-85
4.	श्री सोदी राम	—		—	51	" 16-5-85
5.	श्री नरायन सिंह	—		—	69	" 17-6-85
6.	श्री धन सिंह	111	"	6-11-84	28	" 26-7-85
7.	श्री केशर सिंह	112	"	9-11-84	18	" 22-8-85
8.	श्री हरि नारायन राय	108	"	6-11-84	29	" 21-9-85 अपराह्न
9.	श्री एम० देवराजन	108	"	6-11-84	42	" 1-4-86
10.	श्री के०सी० यादव	115	"	7-11-84	66	" 10-6-85
11.	श्री एम०एस० शर्मा	113	"	6-11-84	39	" 7-6-85
12.	श्री चन्द्र भान बसवेया	108	"	6-11-84	4	" 28-3-86
13.	श्री सूरत सिंह	103	"	6-11-84	52	" 28-1-86
14.	श्री नेत राम	101	"	7-11-84	46	" 12-10-85
15.	श्री बी० सुभाय चन्द्र	115	"	7-11-84	70	" 26-7-85
16.	श्री एस० बी० नाथर	113	"	6-11-84	11	" 19-6-85
17.	श्री प्रदीप कुमार	104	"	6-11-84	58	" 6-5-85
18)	श्री पी० एस० मौ० याकूब	104	"	6-11-84	अपरा०	निरीक्षक पद पर रिवर्ट दि०
						25-3-86 (अपराह्न)
19.	श्री सुमेर चन्द सैनी	103	"	6-11-84	3	बटा० 15-5-85
20.	श्री परमीन्दर सिंह	—		—	37	" 11-8-85
21.	श्री रामनाथ सिंह	106	"	10-11-84	47	" 15-5-85 (अपरा०)

1	2	3	4	5	6
22.	श्री सतवीर सिंह	111 सहा० बटा०	6-11-84	4 बटा०	26-7-85 (अपराह्न)
23.	श्री खिलोचन सिंह	111 "	6-11-84	86 "	18-7-85 (अपराह्न)
24.	श्री एस० के० घई	105 "	6-11-84	73 "	29-5-85 (अपराह्न)
25.	श्री एस० पी० सिंह	103 "	15-11-84	2 "	15-5-85
26.	श्री सूरज भान	101 "	13-11-84	6 "	17-1-86
27.	श्री ए० के० सिंह	102 "	7-12-84	60 "	13-9-85
28.	श्री प्रीतम सिंह	105 "	24-11-84	1 सिगन०	15-6-85
29.	श्री सुलतान सिंह	100 "	7-11-84	2 बटा०	6-7-85 अप०
30.	श्री डी०डी० जोसी	109 "	4-12-84	निरीक्षक पद पर रिवर्ट दिनांक 15-4-86 (अपराह्न) से	

दिनांक 20 फरवरी 1987

सं० एफ 2/26/86-स्था (के० रि० पु० ब१) राष्ट्रपति, कमाण्डर्स श्री ए० गहा राय जो कि गृह मंत्रालय में प्रति नियुक्ति पर है, अतिथिक पुलिस उप-महा निरीक्षक के० रि०पु० बल के पद पर दिनांक 23-10-86 में प्रपो पदोन्नति की स्वीकृति रूप 1800 से 2000 (पुराना) के बेतनमान पर भर्त्य प्रदान करते हैं।

दिनांक 24 फरवरी 1987

सं० ओ० दो० 1538/81-स्थापना—श्री दयानन्द, पुलिस उप अधीक्षक, 40 बटा० के०रि०पु० बल, का दिनांक 1/1/87 (अपराह्न) ओ देहान्त होने के फलस्वरूप उन्हें दिनांक 2/1/87 (पूर्वाह्न) से इस बल की गणना से निकाला जाता है।

दिनांक 26 फरवरी 1987

सं० पी० सात-1/85-स्थापना-I—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित निरीक्षकों को जो कि एस० एस० बी० में प्रतिनियुक्ति पर हैं उन्हें प्रपत्र पदोन्नति पुलिस उप अधीक्षक पद पर के०रि०पु० बल में उनके नामों के आगे दर्शाई गयी तिथियों से सहर्ष करते हैं:—

1. श्री सदानन्द सिंह 15-4-1986

2. श्री लल्लन सिंह 30-4-1986

ग्रन्थोक राज महीपति,
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली दिनांक, फरवरी 1987

सं० ई-16014(6)/1/85-कार्मिक I/343—आसूचना ध्यूरो को प्रत्यावर्तित होने के फलस्वरूप श्री राजेश्वर सिंह ने 31-1-87 के अपराह्न से के०ओ०सु०ब० यूनिट, बी० आई०ए०, मिलाई के सहायक कमांडेट का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 19 फरवरी 1987

सं० ई-38017/10/84-कार्मिक-II/241—निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर, सरकारी सेवा में निवृत्त होने के फलस्वरूप, श्री नथनी राम ने दिनांक 31 जनवरी, 1987 के अपराह्न से सहायक कमांडेट, के ओ सु ब यूनिट, राउकेला स्टील प्लांट राउकेला के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 23 फरवरी 1987

सं० ई-16013(2)/5/87-कार्मिक-I/20—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर, श्री के०एस० जंगपंगी, भा०पु०स० (केरल : 78) ने 11 फरवरी, 1987 के अपराह्न से कमांडेट, के०ओ०सु०ब० यूनिट, एच०टी०पी०पी० हरदुआ-गंज, के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दुर्गमाधव मिश्र,
महानिदेशक/के०ओ०सु० ब०

भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1987

सं० 10/6/86-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, केन्द्रीय मन्त्रालय सेवा के अधिकारी श्री महेन्द्र नाथ को भारत के महा-

रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 24 फरवरी, 1987 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, भारत के समक्त महाराजिस्ट्रार के पद (वेतनमान रु० 2000-2250) पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री महेन्द्र नाथ का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

* दिनांक, 26 फरवरी 1987

स० फी/एन(20)/प्रशा०-१—अधिवार्पिता की आयु पर पहुंचने के परिणामस्वरूप श्री प्रेम नरसिंहाणी (केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-1 के अधिकारी), जोकि इस संगठन के अधीन जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई में प्रतिनियुक्त पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य का पद धारण किए हुए हैं, संकारी सेवा से तारीख 31 जनवरी, 1987 के अपराह्न में सेवा निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक: 27 फरवरी 1987

स० 10/30/81-प्रशा० .I.—विभागीय प्रौद्योगिकी समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशालय, हिमाचल प्रदेश, शिमला में वरिष्ठ भूगोलवेश्य श्री के० एस० ठाकुर को जनगणना निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई में तारीख 5-2-1987 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक प्रोत्तरता द्वारा, नियमित आधार पर अस्थाई क्षमता में अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री ठाकुर का मुख्यालय बम्बई में होगा।

वे दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

वी० एम० वर्मा
महा रजिस्ट्रार

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग
कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व-I

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1987

स० प्रशासन का०आ० संख्या 296—निदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-I, ने मूल नियमावली-30(1) के द्वितीय परन्तुक के अन्तर्गत इस कार्यालय के एक स्थायी अनुभाग अधिकारी (अब सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी) श्री आर० डी० गांतम को 2375-75-3200-ई०बी०-100-3500 के वेतन के समयमान में लेखापरीक्षा अधिकारी के ग्रेड में 20-2-87(पूर्वाह्न) से अगले आदेश मिलने तक पदोन्नति की है।

मोहन खुराना,
उपनिदेशक लेखापरीक्षा (प्रशा०)

निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय

कलकत्ता, दिनांक 20 फरवरी 1987

स० प्रशा० I भी०/470/3097-98—निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय कलकत्ता ने इस कार्यालय के श्री ननी गोपाल कर सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (प्रुप ख) को लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर रुपया 2375-75-3200 ई० बी०-100-3500 के वेतनमान पर दिनांक 8-1-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी किए जाने तक निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय कलकत्ता के कार्यालय में नियुक्त किए गए हैं।

सुनील
उप० नि० ले० प० अधिकारी

कार्यालय महानिखाकार (लेखा परीक्षा)-1, बिहार
पटना, दिनांक 13 फरवरी 1987

स० प्रशासन-I (ले० प०)-1-20-5/1482—महा-लेखाकार (लेखा परीक्षा)-1, बिहार, पटना श्री महेन्द्र प्रसाद गुप्ता, महायक लेखा परीक्षा अधिकारी को पदभार प्रहण करने की तिथि 3-12-86 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक लेखा परीक्षा अधिकारी, श्रुप-'ख' राजित पद पर रुपए 2375-75-3200 ई० बी०-100-3500 के वेतनमान में स्थानान्तरण रूप से सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

एम० नागलसामी
उप महानिखाकार (प्रशासन), बिहार, पटना।

उद्योग मंत्रालय

किकास आयुक्त (ल० उ०) का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1987

स० 12 (446)/64-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान-हुबली, के अन्तर्गत, याखा लघु उद्योग सेवा संस्थान-गुलबर्गा, के उपनिदेशक-श्री एच० के० श्रीकान्तैया को, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) अधिनियम 1972, के, नियम 48(क) के अन्तर्गत, दिनांक 28-11-86 (ग्रपराह्न) से, स्वैच्छिक अवकाश प्रहण करने की अनुमति देते हैं

सी० सी० राय
उप निदेशक (प्रशा०)

इस्पात और खान मंत्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 23 फरवरी 1987

स० ई-१-१२(61)/83(.)—लोहा और इस्पात नियंत्रक के कार्यालय के श्री झी० के० क्षा, हिन्दी अधिकारी (सदर्य) को, उनके द्वारा कार्यभार त्याग किए जाने पर, एतद-द्वारा दिनांक 4-2-1987 के अपराह्न से कार्यमुक्त किया जाता है।

सनत कुमार सिंहा
उप लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 23 फरवरी 1987

सं० 1815-सी/ए-19011(1-एस० एस०)/86-19ए—
राष्ट्रपति जी श्री सव्यसाची शोम को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापन्थ क्षमता में आगामी आदेश होने तक 20-1-87 के पूर्वाल्कि से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 442डी/ए-32013(1-व० प्र० अधिक०)/82-19ए—
राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित प्रशासनिक अधिकारियों को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1600-रु० के वेतन पर, स्थानापन्थ क्षमता में आगामी आदेश होने तक 30-12-86 के अपराह्न में नियुक्त कर रहे हैं।

1. श्री ए० के० चट्टोराज

2. श्री जे० जे० चक्रवर्ती

सं० 1145बी/ए-32013/1-भूषि० (वरि०)/82-19ए—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्री बी० के० आनन्द को भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) के पद पर उसी विभाग में 1100-50-1600 रु० के वेतनमान के वेतन पर, 'अगले निचले नियम' के अन्तर्गत 17-10-1981 से प्रोफार्मा पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 24 जनवरी 1987

सं० 476डी/ए-19012(3-जी० एच०)/83-19बी—

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के रासायनज्ञ (कनिष्ठ) श्री गोविन्द हल्द्वारा ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में रसायनज्ञ (कनिष्ठ) के पद का कार्यभार 21-6-85 के अपराह्न से छोड़ दिया है ताकि वे भारतीय आयुद्ध निर्माणी सेवा, रक्षा मंत्रालय, किरकी में सहायक प्रबन्धक (रसायन, प्रोप०) के रूप में पद ग्रहण कर सकें। यहां पहले जारी की गयी दिनांक 20-12-85 की अधिसूचना सं० 1219बी/ए-19012(3-जी० एच०)/83-19बी का अधिकरण करता है।

सं० 1159बी/ए-19011(1-आर० एस० जी०)/86-19ए—राष्ट्रपति जी श्री राजेन्द्र सिंह गारखल को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वेतनमान पर स्थानापन्थ क्षमता में आगामी आदेश होने तक 16-12-86 के पूर्वाल्कि से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1181बी/ए-19012(4-एस० सी० एन०/86 19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (डिलिक) श्री एम० भी शर्मा को डिलर के पद पर नियमा-

नुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40 1000-द० रो०-40-1200 रु० (पुराने वेतनमान) के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्थ क्षमता में आगामी आदेश होने तक 2-9-1986 के पूर्वाल्कि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1193बी/ए-19011(1-आर० सी०)/86-19ए—राष्ट्रपति जी श्री रमन चावला को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वेतनमान पर, स्थानापन्थ क्षमता में आगामी आदेश होने तक 24-11-1986 के पूर्वाल्कि से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1213बी/ए-19011(1-ए० एन० एस०)/86-19ए—राष्ट्रपति जी श्री ए० नाग शशिधर को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वेतनमान पर स्थानापन्थ क्षमता में आगामी आदेश होने तक 5-12-86 के अपराह्न में नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 25 फरवरी 1987

सं० 1245 बी/ए-19011(4-ए० एच०)/19 बी—श्री ए० हसैन ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में डूलिंग अभियंता (कनिष्ठ) के पद का कार्यभार, श्रीमन सलतनत की सरकार में प्रतिनियुक्ति से परावर्तन पर उसी क्षमता में, 2-6-86 से ग्रहण किया।

सं० 1887 सी/ए-19011(1-डी० डी०)/86-19ए—राष्ट्रपति जी श्री डी० धनराजू को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापन्थ क्षमता में आगामी आदेश होने तक 15-12-1986 के पूर्वाल्कि से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1902सी/ए-19011(1-सी० टी०)/86-19ए—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री सी० थानवेलु को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापन्थ क्षमता में आगामी आदेश होने तक 14-11-1986 के पूर्वाल्कि से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1273बी/ए-19011(1-आर० जे० के०)/19 ए—श्री आर० जय कुमार ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद का कार्यभार 31-12-85 (अपराह्न) से छोड़ दिया है ताकि वे अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निवेशक, तमिलनाडू खनिज लिमिटेड, 31-कामराजार सलाही, "द्वाढ हाउस", चेपाक, मद्रास के कार्यालय में उप प्रबन्धक वरिष्ठ परियोजना अधिकारी का पद, प्रतिनियुक्ति की समाप्ति शर्त पर प्रारंभिक रूप में एक वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर सकें।

सं. 1259 बी/ए-19011(4-ए० एच०)/76/19 बीच-राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के डिसिग्रमियंता (कनिष्ठ) श्री प० हसेन को डिसिग्रमियंता (कर्त्त्व) के रूप में उसी विभाग में नियमनुसार 1100-50-1600 रु० के बेतनमान के बेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2 जून, 1986 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुमारी,
निदेशक (कार्मिक)

कलकत्ता 700016 दिनांक 25 फरवरी 1987

सं. 1232बी/ए-32013 (5-डी० यांत्रिक)/80-19-शी-राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के यांत्रिक श्रमियंता श्री सी० एस० बिन्सेंट को निदेशक (यांत्रिक श्रमियांत्रिकी) के पद पर उसी विभाग में नियमनुसार 1500-2000 रु० के बेतनमान के बेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 1-1-87 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

एन० के० मुकर्जी,
वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रधालन)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, 24 फरवरी 1987

सं. ए-38018/11/83-स्था० I—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित सहायक मौसम विज्ञानी अपने नामों के माने दी गई दिनांक को वार्षिक आयु प्राप्त कर सरकारी सेवा से निवृत्त—

क्र० स० नाम निवृत्त दिनांक

1. श्री पी० पी० नारायणन्	30-11-1986
2. श्री एन० मुकर्जी	31-12-1986

अर्जन देव,

मौसम विज्ञानी (राजपत्रित स्था०)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली-3 दिनांक 23 फरवरी 1987

सं. ए-32013 (निदेश०)/6/84-स्था०—I—राष्ट्रपति निम्नलिखित मौसम विज्ञानी श्रेणी-I को भारत मौसम विज्ञान विभाग में, उनके नामों के माने दी गई तारीखों से आगामी

आदेशों तक स्थानापन्न निदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्र०स० नाम	जिस तारीख से निदेशक के रूप में स्थानापन्न है
1. श्री एम० वैद्यनाथन	14-8-1986
2. श्री भुकन लाल	8-9-1986
3. श्री के० स० हल्सदर	8-9-1986
4. श्री एम० सी० पन्त	29-9-1986
5. श्री ब० आर० यादव	12-1-1987

एस० डी० एस० अम्बी,
मौसम विज्ञान के उप-
महानिदेशक, (प्रशासन एवं भण्डार)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 17 फरवरी 1987

सं. 1/2/86-एम-2—निदेशालय की अधिसूचना संख्या 2/5/68-एस-2 खण्ड-II दिनांक 25-2-86 के अधिक्रमण में तथा सूचना एवं प्रसारण भवालय के आदेश संख्या ए-40017/1/85-सतर्कता (1) दिनांक 1-12-86 और 30-12-86 के अनुसार में महानिदेशक आकाशवाणी, नई दिल्ली निदेशालय के आदेश संख्या 1/7/86-एम-2 दिनांक 2-1-1987 के द्वारा श्री पी० डी० आचारी, प्रशासन अधिकारी को 2-1-87 से सरकारी सेवा में पुनर्युक्त करते हैं और आकाशवाणी मदूरई में तैनात करते हैं।

2.—श्री पी० डी० आचारी ने 22. 1. 1987 से आकाशवाणी मदूरई में प्रशासन अधिकारी का कर्यभार प्रहेण कर लिया है।
3—मूल नियम के नियम 56 की धारा (जे) (1) के अंतर्गत राष्ट्रपति ने निर्णय लिया है कि श्री पी० डी० श्री जारी को सेवा निवृत्ति और पुनर्नियुक्ति के बीच की अवधि बेतन एवं भलो महित सभी मामलों के लिए इयूटी मानी जाएगी।

दिनांक 23 फरवरी 1987

सं. 15/4/72-सतर्कता-एम-11—श्री चरणजीत सिंह प्रसार अधिकारी, आकाशवाणी जालधर को मूल नियम, 56 की धारा (जे) (1) के अन्तर्गत आकाशवाणी महानिदेशालय की अधिसूचना संख्या 15/4/72-सतर्कता, एस-11 दिनांक 21-2-86 के द्वारा सरकारी सेवा से समर्पूर्ण सेवानिवृत्ति कर दिया गया था।

2. श्री सिंह ने समय से पूर्व सेवानिवृत्ति के विरुद्ध अभ्यावेदन प्रस्तुत किया।

3. संबंधित रिकार्ड की जांच और उनके अभ्यावेदन श्रीर सभी तथ्यों तथा वास्तविकताओं की जांच करने के बाद राष्ट्रपति इग निर्णय पर पहुंचे हैं कि श्री सिंह को सरकारी सेवा में पुनर्नियुक्त किया जाए।

4. उपर्युक्त निर्णय के अनुसरण में महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री चरणजीत सिंह को प्रसार अधिकारी के रूप में पुनः बहाल करते हैं तथा आदेश संख्या 15/4/72-सतर्कता एस- दिनांक 17-12-1986 के द्वारा उन्हें आकाशवाणी, जालंधर में तैनात करते हैं। श्री चरणजीत सिंह ने दिनांक 24-12-1986 (पूर्वाह्न) को आकाशवाणी, जालंधर में प्रसार अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया है। श्री सिंह की सेवानिवृत्ति तथा पुस्तकियक्ति की बीच की अवधि सभी मामलों के लिए छूटी की अवधि मानी जाएगी।

आशुतोष शुरी,
प्रशासन उपनिदेशक कृते
महानिदेशक,

भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय
सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली दिनांक 7 जनवरी 1987

सं० ए-19011/2/84-प्रशासन—इस कार्यालय की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक 31 मार्च, 1986 के क्रम में रक्षा लेखा महानियन्त्रक के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री एम० कौ० गोस्वामी जो इस समय भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय, नई दिल्ली में परिचालन अधिकारी के रूप में वार्यरत है की प्रतिनियुक्ति की अवधि विद्यमान शर्तों के अन्तर्गत 31 मई, 1987 तक एतद्वारा और आगे बढ़ाई जाती है।

दिनांक 20 फरवरी 1987

सं० ए-19011/4/85-प्रशासन—I इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या ए-19011/4/85 दिनांक 27-6-85 के क्रम में श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली के वेतन और लेखा अधिकारी श्री बी०एल० भट्टनागर की, भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय, नई दिल्ली में परिचालन अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति की अवधि, वर्तमान शर्तों के अन्तर्गत 12-6-86 से 11-6-87 तक एक वर्ष के लिए बढ़ाई जाती है।

कृष्ण सागर,
भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 25 फरवरी 1987

सं० ए-12025/1/84-प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने डा० सुरेश कुमार कश्यप को 15 जनवरी, 1987 से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में स्टाफ सर्जन (डेन्टल) के पद पर आगामी आदेशों तक अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

पी० के थै०
उपनिदेशक प्रशासन रोकड़ एवं बजट)

भरती अनुभाग

भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

बम्बई, 400085 दिनांक 6 अप्रैल 1987

कार्मिक प्रभाग

सं० पी ए/26(1)/87 आर III 312—नियंत्रक भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, महानियन्त्रक रक्षा लेखा (सी डी ए, ओ आर एम, भद्रास) के स्थायी अनुभाग अधिकारी एस घो०(ए)/1944 तथा इस अनुसंधान केन्द्र में प्रतिनियुक्त श्री पी जयप्रसाद को दिनांक 1 जनवरी 1987 से स्थायी रूप से समाविष्ट कर लिए जाने के फलस्वरूप सहायक लेखा अधिकारी के अधिसंबद्ध पद पर 2000-60-2300 ड० रो०-75-3200 रुपये (पुनरीक्षित) वेतन क्रम पर भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 1 जनवरी 1987 से मौलिक रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 फरवरी 1987

सं० पी ए/73(2)/87-आर-4 एच-134—नियंत्रक, भारा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा०(श्रीमति) ज्योति गोपन मेनोन को निवासी चिकित्सा अधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र के आर्थर्विज्ञान प्रभाग में फरवरी 2, 1987 (पूर्वाह्न) से मार्च, 3 1987 (अप्रैल) तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० जी० सूक्ष्मारन
उप स्थापना अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1987

सं० ए-38013/1/86-ई० ए०—श्री एम० कौ० जी० राव, विमान क्षेत्र अधिकारी जो राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर थे और निदेशक विमानक्षेत्र भद्रास में तैनात थे। संवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-10-86 को सरकारी सेवा से निवृत्ति हो गए है।

पी० एस० राधाकृष्णन,
उपनिदेशक प्रशासन,

संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय,

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली दिनांक 24 फरवरी 1987

फा० सं० 532/3/79-प्र०स०नि०—श्री रोशन लाल शर्मा, सहायक निरीक्षण महा-निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क जो कि इस निदेशालय में तकनीकी सहायक पद पर कार्यरत थे, उन्होंने संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं

निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क में अपर सहायक निदेशक के पद का कार्यभार दिनांक 11-2-87 (अप्र०राह्व) से संभाल लिया है।

ब० च० रस्तोगी
निदेशक, स० एवं प्र० भ० नि०

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1987

स० 5/3/83-ई० सी०-१—1984 में हुई संयुक्त इंजीनियरी सेवाएं परीक्षा के परिणामों के आधार राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवाएं और केन्द्रीय विद्यत और मैकेनिकल इंजीनियरी सेवाएं समूह "क" में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक कार्यालय इंजीनियरी (सिविल/विद्युत) के अस्थायी पदों पर परिवीक्षा पर नियुक्त करते हैं।

क्र०स० नाम(मर्बश्री)	नियुक्ति की तारीख
(सिविल)	3-7-86 (दोपहर से
1. जतन स्वरूप शर्मा	पहले)
2. शशीकान्त	10-6-86 —वही—
3. अजय कुमार अग्रवाल	17-7-86 —वही—
4. भारत बी० मुकदर	26-6-86 —वही—
5. अनन्त कुमार	5-6-86 —वही—
6. देवेन्द्र कुमार गर्ग	26-6-86 —वही—
7. रविन्द्र एस० रावल (अ०ज०)	10-6-86—वही—
8. खेम चन्द्र सिंह(अ० जा०)	11-8-86—वही— विद्युत
1. सत्य पाल शक्रवात(अ०जा०)	27-6-86 (दोपहर बाद)

उषा निगम,
प्रशासन उपनिदेशक,

नई दिल्ली दिनांक, 27 फरवरी 1987

स० 1/237/69-ई० सी०-९—इस विभाग के तकनीकी अधिकारी श्री जगदीश मेहरा वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 28-2-87(अप०) को सरकारी सेवा निवृत्त हो गए हैं।

पृथ्वीपाल सिंह,
उप-निदेशक प्रशासन,

उच्चोग गंतव्यालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1966 और दूरन्देश प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली दिनांक 17 फरवरी 1987

स० 14826/1902—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दूरन्देश प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिविरुद्ध कर दी जायेगी।

मूरज कपूर,
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज देहली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और स्वामी सरणम एस्टेजस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 16 जनवरी 1987

स० 2051/लिक/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिविरुद्ध कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और अजेय स्टील प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 16 जनवरी, 1987

स० 2669/लिक/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान अजेय स्टील प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिविरुद्ध कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोचीन पोलीक्लीनिक एण्ड हास्पीटल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 16 जनवरी, 1987

स० 3162/लिक/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कोचीन पोलीक्लीनिक एण्ड हास्पीटल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिविरुद्ध कर दी जायेगी।

दि० ए० विजयन मेनन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार केरल
आनंदला कूमारो

* प्रलेप आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 फरवरी 1987

निदेश सं० जी० आर० सं० एम-413 एक्यू०-अर्तः मुझे,
श्रीमति सरोजनी लाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो उदयपुर खास तहसील पर०
व जिला-बरेली में स्थित है (श्रीग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और जो पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने कार्य य
बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पढ़ह प्रतिशत में अधिक है और (अतरका) और अन्तरिति
(अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—506GI/86

(1) 1 श्री श्राविन्द्र शर्मा व अन्य, श्री मनोज शर्मा,
3. श्री इन्द्र शर्मा, 4 नीह शर्मा, 5. प्रदीप
शर्मा (एड्वोकेट), खुद मुख्यार आम, 6 श्रीमती
मन्जू कौशिक, 7 श्रीमती कल्पना शर्मा।

(अन्तरक)

(2) श्री राधा कृष्ण महकारी आवास ममिति नि०, बरेली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

, मुली भूमि पैमादशी 9434 24 वर्ग मीटर या 11 279
वर्ग गज मिन्न उदयपुर खास तहसील पर० व जिला-बरेली।
और सम्पत्ति का मम्पूर्ण विवरण जो कि फार्म 37-जी संख्या
9249 तथा सेलडीड में वर्णित है जिसका पजीकरण रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी बरेली कार्यालय में किया जा चुका है।

श्रीमति सरोजनी लाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तुलसी 5-2-1987
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स नटराज कारपोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1' के अधीन सचना

(2) श्री साध्राप जे० छत्रीया।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फ़ूवरी 1987

निवेश सं० आई०-२ ३७ ईई० ३४७३३ ८५-८६—अत
मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स० पैस० न० 51, थितीज बिल्डिंग, बांद्रा,
बम्बई-५० में स्थित है (ओर इसने उपाधि अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कराराना आयकर
अधिनियम, 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई पे रजिस्ट्री है नारी 19 जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य ११
प्रतिफल के लिए अन्तर्नियम की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि द्वारा उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए से दृश्यमान प्रतिफल का
पढ़ह प्रतिक्षित है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाश्चय गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व से
किसी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
को, जिहै भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या भारत कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकल्प नहीं दिया गया था या
दिया जाता जाता था इसके में सविधा के
लिए;

०८ अठ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
के रूप, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की जगह (1)
के अधीन, निम्नलिखित रूप से, अर्जन :—

को यह सचना आगे वरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाइंद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चा में दिया जा लकेगा।

रपटरेकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
उही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ५१, जो पांचवी मजिल, थितीज बिल्डिंग
हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-४०००५० में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-२/३७ ईई०
३४७३३/८५-८६ ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा
दिनांक 19 जून, 1986 के रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

नामिक्ष 10-2-1996

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी. पर. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निवेश स० आई० ए० मी०/गक्य० पानीपत 114-1986

87—अन् मुझे, श्री मानिक चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहलादू 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय आयकर अधिनियम 1961 के अंतर्गत
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० टी-5/ए० जी० इन्डस्ट्रीयल एंड्रिया पानीपत
में स्थित है। (और इसमें उपाधान अनुमति में और पूर्ण
स्व० से बण्ठित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ३ कार्यालय
पानीपत भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अंतर्गत
दिनांक 15-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के छथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छथमान प्रतिफल से, ऐसे छथमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अतीरिक्त
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है —

(३) अवधें तं हृष्टि किसी आय की वस्तु, अवधें
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में की वस्तु वह वस्तु वहने में इनिया को सिरू
कौटुम्बी

(४) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आविष्टयों
परकर बिधीनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ बंतार्टी इवारा यकृत नहीं किया
गया, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) मा उक्त अधिनियम या
एवा आ या किया जावा चाहिए जा लियाने से
दृष्टिकोण से लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की सम्भारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वस्तुतः -

(१) मैं पीनार मरविन्नम एण्ड जनरल इन्डो
पानीपत बजरिये श्री माराठवंश पुत्र श्री बमन्त लाल
श्रीमनी आज्ञा बवजा पन्नी श्री लाजपत राय
बवेजा श्रीमनी धरम देवी गत्नी श्री नागराय, दाम
पानीपत ।

(अन्तरक)

(२) मैं हन्मा एजेंसी (प्रा०) लि० बजरिये
सूभ दर्शन कुमार सूरी डाइरेक्टर नि० 15-ए
बस्ती नौ जानत्थर गहर (पजाब) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्व के लिए
वार्यवाहीहाया करता है।

उक्ता सम्पत्ति के अंतर्गत के सबै मा काई भी आक्षण —

(क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख में
45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अवधि
वार्यवाही बाद मा ममास हाती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों, या से ज्ञान अर्जित दरवाजा,

(ख) इस मूलना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
तारीख या अवधि तारीख से 30 दिन के अवधि
वार्यवाही की वन्य व्यक्तियों द्वारा, अभेष्टसाक्षरी
वाले व्यक्तियों द्वारा सक्ति

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क वर्ते परिभासित हैं,
हैं, वही अर्थ हुएगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति टी-5/ए जो इन्डस्ट्रीयल एंड्रिया पानीपत में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
पानीपत में रजिस्ट्री मख्या 2459 दिनांक 15-7-1986
पर दिया है।

मानिक चन्द

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-रोहतक

दिनांक 2-2-1987

मोहर :-

प्रस्तुत गाई. टी. एन. एस.-----

(1) मैं एम० जे० एस० मिलिन्डसं प्रा० लि०
जी-39 कनाट सरकार, नई दिल्ली।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयस्ट (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३७ई०/२५/४२४/
१९८६-८७—अतः मुझे, मानिक चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ७मी (३ एकड़ि) बाउन्डी
वीडार महिला जो मालवी इन्डस्ट्रीज कम्पनी गुडगांव में
स्थित है (इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्थावर संपत्ति
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय रोहतक
भारतीय आयकर अधिनियम- 1961 के अधीन दिनांक
11-11-1986

को प्रवेक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवेक्षित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित
में घासाविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्षित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पंदरी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्षित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निम्नित में किए जा सकें।

ल्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रापित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० ७-सी भूमि ३-एकड़ि बाउन्डी दिवार महिला
जो मालवी इन्डस्ट्रीज कम्पनी गुडगांव में स्थित है जिसका
अधिक विवरण एग्रीमेंट में दिनांक 24-9-1986 पर दिया
है।

मानिक चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- रोहतक

(ख) ऐसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 3-2-1987

माहौर :

प्रस्तुत वार्ष. दृष्टि एवं एवं—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 फरवरी, 1987

निदेश मा० चण्डीगढ़/9/86-87—अतः मुझे, एम०

एन० ए० चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय
269-व के अधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 250 सेक्टर "ए" है तथा जो
प्लाट सख्ता-पी, स्ट्रीट 'के' पर बना है तथा जो चण्डीगढ़
में स्थित है (अौं इसमें उपावड़ अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में
रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 36) के अधीन
तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
वैद्युत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्त रूप से है कि उक्त वाद की वावत, उक्त
अधिनियम के वरीय कर देने के अन्तरक वै
द्वयमान में कठी कठवे वा उक्त वर्ष में सूचिता
के लिए; बार/बा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सूचिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपराज (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) श्रीमनी प्रीतम बुमारी विधवा स्व० श्री भगत राम
बत्ता, निवासी—मकान नं० 250 सेक्टर 11 ए,
चण्डीगढ़ ।

(ग्रन्तार्थ)

(2) श्री हरचंग मिह एच० मृ० एफ० ढागा श्री हर-
चंग मिह पुत्र श्री मन सिह कर्ता, निवासी—
1071 सेक्टर 43बी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्वेदन के लिए
कार्यवाहियां करूँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्वेदन के वर्वेदन में काइ भी आधेप ;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दे
45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधांहस्ताकरी के
पास लिपित में किए जा सकेंगे।

प्रबोधकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
पड़ा है।

अनुमूल्यी

मकान नं० 250 सेक्टर 11ए, चण्डीगढ़ जो कि प्लाट
सं० पी, स्ट्रीट 'के' पर बना है। (अर्थात् वह जायदाद जो
कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विवर सं० 448
माह जून, 1986 के तहत दर्ज है।

एम० एन० ए० चौधरी
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 9-2-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 फरवरी, 1987

निवेश सं० चण्डीगढ़/20/86-87— अतः मुझे, एम०
एन० ए० चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1532 है तथाओं प्लाट संख्या
80, स्ट्रीट 'ई' सैकटर 18 डी पर बना है तथा जो चण्डीगढ़
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पुर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, चिम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० सरूप चन्द्र विज पुत्र श्री बन्सी राम
निवासी मकान नं० 1532 सैकटर 18 डी
चंडीगढ़।

(श्रत्तरक)

(2) श्री हरदेव मिह रमाना पुत्र म्ह० श्री गुरनाम मिह
रमाना, निवासी गांव तथा डाकखाना शेखपुर
जिला भिंडा।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान नं० 1532 जो कि प्लाट नं० 80, स्ट्रीट
ई० सैकटर 18 डी चंडीगढ़ में स्थित है
(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,
चंडीगढ़ के विनेक संख्या 694 माह अगस्त, 1986 के
तहत दर्ज है)।

एम० एन० ए० चौधरी
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 6-2-1987

मोहर :

प्रधान वाइ.टी.एम.पर.

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आवृत्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लूधियाना

लूधियाना, हिन्दूक 5 फरवरी, 1987

निदेश सं. 2डी/12/1986-87—अन्तः मुझे
एम० एन० ए० चौधरी
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वा के अधीन गश्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित्त बाजार मूल्य
1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 197 है तथा जो ज्ञाट
मंड्या 62, स्ट्रीट 'वी' मैक्टर 11ए पर बना है तथा
जो चंडीगढ़ में स्थित है (और उसमें उपावद्व अनुसूची
में और पृष्ठ स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधिनि, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित्त बाजार मूल्य से कम के रूपमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित्त बाजार
मूल्य, उसके रूपमात्र प्रतिफल से, ऐसे रूपमात्र प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
क्षल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पा. 316, 1986
में र कार्यित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आय को दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यित्व में कभी करवे या उससे अपने में सूचित
के लिए; और/या

(ए) एसी अधीनी आय था किसी भन. ८; कर्त्ता आस्तीर्ण
का उपित्त आरोपित आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम से
बदलकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोधनार्थ अन्तरिती इवारा अक्त महा किया
मर्हा था या किया जाना आहिए था, लिपाने में
सहायता के लिए,

ना उक्त उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अन्तरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की जपधारा (1)
के अधीन, निर्मानिकृत व्यापक्षां, अथात् :-

- (1) श्री कबल जीत सिंह पुत्र श्री राजा सिहनिवासी
एम० सी० ओ० न० १, सेवट, ७सी चंडीगढ़।
(अन्तःक)
(2) श्री जोगिन्द्र मिह मायान पुत्र श्री गंडा मिह
द्वारा एवं मार्शल गिवदेव मिह निवासी
मकान न० 1806 सैवट ३४ चंडीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ॥

(इ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जी
अवधि बाद में स्थापित होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी कीमित दबारा;

(ट) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमानहस्ताभारी के पाल
प्रिवेत में किए जा सकें।

प्रधानोकरण ॥—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, ए अध्याय 20-क में वरिभासित हैं,
उद्दीपन आगा, जो उस अध्याय में विश्वा गया
है।

अनुसूची

मकान न० 197 जो कि ज्ञाट न० 62, स्ट्रीट
'वी' मैक्टर 11 ए. चंडीगढ़ पर बना है (प्रथान् वह
जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चंडीगढ़ के विनेख
में 491 माह जून, 1986 के नहन दर्ज है।

एम० एन० ए० चौधरी
मध्यम प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयकर अधिकारी
अर्जन रेज, लूधियाना

दिनांक : 5-2-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी, 1987

निदेश सं० एम० डी० 10/86-87—श्रेणी: भुज्जे, जी० सी०
श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 9, देव नगर है तथा जो भेरठ में स्थित है
(और इसमें उपानद अन्नमूची में और पर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भेरठ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
23-6-1986

को पर्वाँकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापर्वाँकर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पढ़ह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) श्रीमति पुष्पा लूधंग पत्नि श्री बृंज लाल लृथा,
निवासी—मिशन कम्पाउण्ड, भेरठ।

(अन्तर्क)

(2) श्री कृष्ण लाल गुप्ता व बलवन्त गय भप्ता, पुत्रगण
श्री राजाराम गुप्ता व श्री इन्द्रभेन गुप्ता पुत्र श्री
बलवन्त गय, निवासी—22-वी, देव नगर, भेरठ।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के निए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प. वर्षी व्यक्तियों द्वा
रा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में पर्याप्त भाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से होई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करमें या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए,

अन्तस्त्री

प्राप्ती नं० 9 मिशन कम्पाउण्ड, भेरठ।

जी० सी० श्रीव स्वन

गधम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-2-1987

सोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, कानपुर
 कानपुर, दिनांक 4 फरवरी, 1987

निदेश सं० एड० डी० 18/86-87—अतः मृश्मि, जी० सी०
 श्रीवास्तव,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर मप्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० वार्ड नं० 2 है तथा जो म्यूनिसप्ल बोर्ड उत्तर बाही
 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्री नॉट अधिकारी के कार्यालय, उत्तरकाशी में रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
 2-7-1986

को पूर्वोक्त मप्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्मि यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मप्पति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का
 पछले प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के द्वायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
 और/या

(ल) प्रेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा
 के लिए;

- (1) हन्दूभाई नाल अमीन (एच०ग०एफ०) रेम कोर्मे,
 मॉर्किल, बड़ोदा-390007
 (अन्तरक)
 (2) कमला देवी, चेरिटी ट्रॉट, 24 आर० एम० मुखर्जीगौ
 रोड, कलंगा-700001
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यान्वयन करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मप्पति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

डब्ल टोरी हाउस, वार्ड नं 2, म्यूनिसप्ल बोर्ड,
 उत्तर बाही।

जी०सी० श्रीवास्तव
 मध्यम प्राधि कार्मी
 सहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 ग्रन्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-2-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—506GI/86

प्रस्तुप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रानपुर

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी, 1987

निदेश सं० प्रम० डी० 20/86-87—अतः मुझे, जी० सी०
श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 153 डी राजपुर रोड, है तथा जो 153 डी०
राजपुर रोड है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपावढ
अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, ममूरी में रजिस्ट्रीलग्न अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 3-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के लक्ष के अन्याय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने की आशंका है कि व्यापक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके व्यवहार, उत्तराधार, उत्तराधार गतिफल के
मानव प्रतिकृति से अधिक है और बनारक (बनारको) जौर अंतरिती
(अंतरितिबो) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पावा गदा प्रतिकृति
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्षमता के कामित नहीं किया गया है —

‘अन्तरण के उद्देश्य का जो वास्तविक
क्षमता होती है, वह उक्त अन्तरण
में अनुसूची करने का उत्तराधार में सूचिभा के लिए;
जैसे/दा

(क) देशी किसी वाय पा किसी धन वा अन्य वास्तविकों
का, विद्युत आरोप वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) के उक्त अधिनियम, अ
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
व्यावरणीय अन्तरिती द्वाय प्रकृत नहीं किया जा
वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) दूरवर्तपुर किंचित्यन हास्पीटा, एसोसिएशन ए-
सोसाइटी रजिस्टर्ड-25 ए, बुद्धावाम रोड, मद्रास ।
(अन्तरिती)
- (2) विद्या मन्दिर सोसाइटी, 153, राजपुर रोड, देहरादून ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के 3 जैन के मंबंध में का—इंजीनियरेप :—

- (अ) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वे किसी व्यक्ति द्वाय
- (ब) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें द्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
कौचिनियम, के अध्यात् 20-क में परिभासित
हैं, वही वर्त होता जां नस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्राप्ती नं० 153 डी, राजपुर रोड, देहरादून ।

जी० सी० श्रीवास्तव
मक्षम प्राधिकारी
महायक ग्राम पाल आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-2-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई टी.एन एस -----

दाता अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
१०६-घ (1) के अधीन सूचना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण),

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी, 1987

निवे स० एम०-1115/86-87—प्रत मुझे, जी० सी०
श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिमकी सं० बी०-191 फेस-II है तथा जो नगला चरन दास
नोएडा में स्थित है (प्रायः इसमें उपायद्वय अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ता अधिकारी के तारीख, गाजियाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 4-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य भ कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अन्तरण
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बेचने में सहायता के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) यू ओखा ना एण्डमिनियल डिवलपमेंट अर्थात् गाजिया-
बाद, उत्तर काशी।

(अन्तरक)

(2) आवस वीविंग एण्ड इन्डस्ट्री लिं, 608/609,
राहोना वर्मस की प्रेस रोड, नरीमान प्लाट, वर्मवाइ-400021
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत सम्बन्ध दो ज्ञाते भी बाहर —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उक्त सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में गमाप्त होती है। अन्तर पर्वंद
व्यक्तियों में से किसी विकास दबाव

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अथ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-191, फेस-II, नगला चरन दास नोएडा
यू० पी० ।

जी० मी० श्रीवास्तव
सहायक आयकर अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 4-2-1986
मोहर :

उच्च बाहु, टी. पर. पुल. ----

(1) के० टी० चेट्टुकुट्टी और अन्य।

(अन्तरक)

(3) एम० मोहमद कासिम और एम० हसान अलि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राष्ट्रपक्ष आयकर बाजार (विरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फरवरी, 1987

निवेदन मा० 1/जून/86—अनं भूमि, आर० जानकीरमन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थायीर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये में अधिक है

और जिसकी गा० 6, आनंदसन स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्रास है तथा
जो मद्रास में स्थित है (आंग इसमें उपावद्ध अनुसूची में प्रांग पूर्ण-
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्टी अधिकारी के कार्यालय, सौ. लाटपेट
(दस मा० 220/86) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तभ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में
वस्तरांक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हूर्छ किसी आय को बान्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

स्थायीकरण:—इसमें प्रथक्त शब्दों डार पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि और मकान—डोर सा० 6, आनंदसन स्ट्रीट, जार्ज टाउन
मद्रास-1 (दस मा० 220/86)।

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य बास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उच्च अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

आर० जानकीरमन

मकान प्राधिकारी

महायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज -1, मद्रास-17

अतः अब, उच्च अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उच्च अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धतः —

तारीख : 4-2-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अंदरून सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1987

निदेश सं० 1 जून 1986—प्रतः मुझे, प्रार० जानकी—
रमन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अंदरून समझ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

ओर जिसकी सं० प्लाट नं० 33, ए आईपी सी औं टी,
इण्डस्ट्रीयल कम्प्लैक्स, रानीपेट पृष्ठा ३० ग० डिस्ट्रिक्ट है तथा
जो स्थित है (ओर इसमें उपावढ़ अनुमूचों में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
बालाजी नगर, दस्तावेज सं० 2099/86) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1986
को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
पूर्वांकित के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिरक्त में अधिक है जार अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती
(जंतरीर्ती) के बीच १०% से अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रास्ताविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(1) मैं नमिल नाडु इण्डस्ट्रीयल
इनवेस्टमेंट कारपोरेशन लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण सुकरप लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीकृत करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
राचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिरिक्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुष्याची

भूमि ओर मकान—प्लाट सं० 33, एसपी आई० सी०
ओ० टी० सं० 33, इण्डस्ट्रीयल कम्प्लैक्स रानी पेट, नार्थ
आर्कट डिस्ट्रिक्ट।

दस्तावेज सं० 2099/86)।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के
प्रयोजनावेत अन्तर्राती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जत. अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रार० जानकीरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख . 4-2-1987

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 4 फरवरी 1987
निदश सं 8 जून, 1986—यत मुझे, आरोजानकी—
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1.00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० डॉर स० 224, लिंगी चैट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास
उत्तर (दस्तावेज म० 2101/86) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1986
का।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विवरान
मूल्य का बारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आया-
मूल्य, या दूसरे इयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल से पद्धति
प्रतिष्ठान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीली
(अंतर्रातिय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिंगित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करना या उससे बचने में सुविधा
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा इकट्ठ नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए, और/या

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० ई० ऊमेन अब्दुल कादर और
दो अन्य।

(अन्तरक)

(2) माइनर ज० सिती मेहबूबा
ज० हिजाना बिन्दू जूना।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्रवक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध मा काइ भी आक्षय --

(क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अर्कांध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:—इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
रखा है।

अनुसूची

भारम और मकान—डॉर स० 224, लिंगी चैट्टी
स्ट्रीट, मद्रास-1।
(दस्तावेज म० 2101/86)।

ग्राम जानकीरामन
ममता प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 4-2-1987
मांहूर .

इष्ट भाइ, डी.एम.एफ. -----

(1) डा० के० य० गुहराज राव।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री देका नरसिंहस रेडी और
श्री के० आर० शकुन्तलम्मा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, संस्थाधर आयकर वायव्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 फ़रवरी 1987

निदेश सं० 9 जून, 1986—अतः मुझे, आर०
जानकीरामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 22, ब्रीतापेट, रोड वेपरी, मद्रास
में स्थित है (आर० इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, पेरिवेंट
(दस्तावेज सं० 630/86) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इष्टवान
प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
करने का दारण है कि यथापूर्वांकित भूपर्यास का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमात्र प्रतिफल से, ऐसे अध्यमात्र प्रतिफल का
गम्भीर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाता यथा प्रति-
क्रम सिम्लिक्षित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
एवं ये अधिक सही किया जा है ॥

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यबाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के उचित ये संबंध में कोई भी वाक्य ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा उत्तम्यमध्ये व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों द्वे से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र वे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम द्वे अध्याय 20-के में वर्णितात्मक
हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।(क) अंतरण वे तर्ह किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीय कर वेने के अस्तरक वा
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा
को लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और मकान—डोर सं० 22, ब्रीतापेट रोड,
वेपेटी मद्रास।
(दस्तावेज सं० 630/86)।(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आव-कर अधिनियम, 1925
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आविहए था, छिपाने में भविधा के लिए;

आर० जानकीरामन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 4-2-1987

मोहर :

प्रस्तुत बाईं. टी. एन. एल. ---

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा
269-व (1) के वधीन सूचना**

भारत सरकार

आर्थिक सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 13 फरवरी 1987

निदेश सं० ए० सी० 76 आर०-२ कलकत्ता ८६-९७—

आई० के० गायेन

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्से इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कारण है एक स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० ज तथा जो मौजा गंगारामपुर,
थाना बेहला पर स्थित है और इसमें उपावद्ध ग्रन्तुमूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5 जून,
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाणी गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के वधीन कर देने की अन्तरक के
दारित्व में कभी करने वा उससे बचाने में सुरक्षा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या उन या उन्हें जारी करने के
लिए उन्हें उन्हें जारी किया,
(19-2-11) या उक्त आर्थिनियम
— नियम 1957 '1957' 11

प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
ना या किया जाना चाहिए था, इषाने में सुरक्षा
के लिए।

बत: इस उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) की उपधारा (1) के
वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

(1) मैं ओ आफिसियन लिविंग्सेंडिंग हाई कोर्ट
कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) कल-मोटर डीलर्स को० अपरेटिव हाउसिंग
सोसाइटीज लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उचित सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन वे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधाहसाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनूसूची

जमीन—मौजा गंगारामपुर, थाना बेहला पर 11 बि०
7क० 1 हर० 16 वर्ग फीट में स्थित है ।

आई० के० गायेन
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख 13-2-1987

मोहर

प्रस्तुत वाहौ. ही. एन. एस. -----

(1) श्रीमती सुनिला लाल एवं
श्रीमती दिव्या लाल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

(2) मै. इन्टरनेशनल एक्सपोर्ट्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 13 फरवरी 1987

निदेश सं० सी० ए० 4/86-87 एस० एल० 1267
आई० ए० सी० एक्वी० आर० 1/कलकत्ता— यतः मुझे,
आई० के० गायेनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी सं० 7 है तथा जो कोमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 6 जून, 1986का पूर्वोक्ता सम्बन्धित के उचित बाजार मूल्य से कम को इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरता की गई है और
मुझे यह विष्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्बन्धित का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान
प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल के वन्नह प्रतिशत स अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और असरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
ज्ञापनेर्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीचित
नहीं किया गया है:—(1) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन वर द्वेष के अन्तरक के
नायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(2) एसी किसी आय एवं किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रणालीमार्ग अन्तर्तीत व्यापार प्रक्रिया नहीं किया गया
था या किया गया था आदि था, छिपाने एवं विधा
के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्धित के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबधी व्यक्तियों पर
सूचना व्यक्ति तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि भाव भे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इह
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास 'लाइसेंस में किए जा भक्तंग'।प्रष्ठोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

7 केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित मकान का 3.
तल्ला में घराक नं० 3, 138, 5235 वर्ग मीटर्स आयतन
जो सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पास सिरियल मं० सी० ए० 4
के अनुसार 6-6-86 में रजिस्ट्री हुआ है।आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1,54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16
तारीख : 13-2-1987
मोहर :* अतः अप्प, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण
में है उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—
4-506GI/86

प्रूष आई. टी. एन. एस.-----

(1) मैं बी० हीरा एड को०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) श्री राज जाधिरा एंडस्ट्रीयल लिमिटेड।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

मार्गिनियर, महाप्रब आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अञ्जन रेंज -1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1987

निदेश में भी आई० 18/86-87/एस० एल० 1268/

आई० ए सी० एक्वी आर०-1 कलकत्ता—प्रतः मुझे,
आई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसद्वये 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु में अधिक है

और जिसकी में 71 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीहार्टी अधिकारी के कार्यालय, सक्षम
प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन नारीख 25 जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रदूषण में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वे
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना आरी वरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजेन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बजेन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की लापीत से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के उद्धाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस उद्धाय में दिया
गया है।

बनूसूची

71 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित मकान में 6
तल्ला में स्पेस नं० 6 सी० अञ्जन रेंज -1 कलकत्ता
जिसका आयतन 1851 वर्ग फीट जो सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अञ्जन रेंज, कलकत्ता
के पास सिरियल नं० सी० ए 18 के अनुसार 25-6-
1986 में रजिस्ट्री हुआ है।

आई० के गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अञ्जन रेंज-1, कलकत्ता

१०: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

तारीख : 13-2-1987
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी० आर०-१ कलकत्ता-अतः
मुझे आई० के० गायेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में 72 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्टरीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० एक्वी०
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

1908 का 16) के अधीन तारीख 20 जून, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दल्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति व्या उचित बाजार मूल्य,
इसके दल्यमान प्रतिफल से, ऐसे दल्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्स्क (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित विवरण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण सं. दुइ० किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्तने के अन्तरक के लिखित
में कभी कहने या उससे भवने भूमि के लिए
प्रतिफल

(ए) एसी लिखी आव या किसी भूमि का बन्द जास्तिवार्ता
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
नी लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० अमित फाइनेन्शियल कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) मै० टैक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग को०
लिमिटेड।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के द्वारा
कार्यदाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापर नहीं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाहर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान रसम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखानकारी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

72 पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित प्लाट नं० 3
एफ जो सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पास रिहियल
सं० सी० ए० 28 के अनुसार 20-6-86 में रजिस्ट्री हुआ।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 13-2-1987

मोहर :

प्रकृष्ट बाई० टी० एम० हौ०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री अमिताभ बोमानी

(अन्तरक)

(2) श्री कपूर चंद्र गंगदाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1987

निदेश सं मी० ए-2/86-87/ए० पल० 1270/ आ० एसी०/एक्य०
रेंज-1/कलकत्ता मुझे, आई के गायेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य
1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं 71 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्स अधिकारी के कार्यालय
संक्षेप समितिकारी आई पं सी, एक्य० रेंज-1, कलकत्ता
में रजिस्ट्रीरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 6-6-86

को पूर्वोत्तम संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के उच्चमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मूल्य वह विवाद करने
का कारण है कि मध्य पूर्वोत्तम सम्पत्ति का उचित
बाबार मूल्य, उसके उच्चमात्र प्रतिफल से, ऐसे उच्चमात्र
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरक)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
वाला प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं करा जाता है :—

(क) अन्तरण सं हृद किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकृत नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा वा लिया।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में काई भी आलोचना —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 14
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की उम्मीद से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तम
एक्य० १ से १५ तक अन्तराल में लिखित

(ख) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
फिली वाले व्यक्ति द्वारा, अधारिताभारी जो वाले
लिखित में किए जा सकेंगे।

लाइनोफरेश — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, कई अर्थ होंगा जो उम्मीद से विव
रण हैं।

मनुसंची

71, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का
पांच तल्ला में प्लाट नं० 5 एफ, 1976 वर्ग फीट आयतन
एवं दो कार पार्किंग स्पेस जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक
आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास
सिरियल नं० सी० ए० 2 के अनुसार दिनांक 6-6-86 में रजिस्ट्री
हुआ।

आई के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 13-2-87

मौहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1987

निर्देश सं० सी० ए० 13/86-87/सीरीयल 2171/प्राएसी
/एक्यू० रेज-I/कलकत्ता—अतः मुझे आई० के० आयेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मूल्य 71 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है और इसे उपाबद्ध अनुसूची में श्री युर्जन रेज-1
से वर्णित है) रजिस्ट्री वर्ता प्राधिकारी के नियन्त्रण सक्षम
प्राधिकारी आईएसीएक्यू०रेज-I द्वारा, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-6-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच के एंसे अन्तरण के लिए तम
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैं बी बी० एम० एस्टेट्स प्राइवेट लि०
(अन्तरक)
(2) 1. एम० पी० मानसिंह का (एच० य० एफ०)
मानसिंहका सोना एवं 2. राजेन्द्र मानसिंहका
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिकृद्वागा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्वद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

71, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित मकान का 8
तल्ला में आफिस स्पेस ने 8 डी जिसका आयतन
1,803 वर्ग फीट जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर
आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-1 कलकत्ता में सिरियन
नं० सी० ए० 13 के अनुसार 20-6-86 में रजिस्ट्री हुआ

आई० के० आयेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख : 13-2-87

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-वे (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलानाम, दिनांक 13 फरवरी, 1987

निदेश सं० सी०ग० 16/86-87/सोरीयत 1272/आएसी/
एक्य० रेंज-1/कलकत्ता प्रातः भूमि आई० के० आयेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वे के अधीन सक्षम प्राधिकारी वो यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अंग जिसकी सं० 119 है नथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता
में स्थित है (अंग इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय सक्षम
प्राधिकारी आई०ए०सी०रेंज-1 कल० में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-6-86
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापवौक्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से ऐसे दूर्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीदृष्ट नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

धरत: अग्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वे (1) की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित:—

(1) मै० काटिया स्टील रोलिंग वर्क्स

(अन्तरक)

(2) मोदी रबर लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

119, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित मकान का
8 तला में आफिस ब्नाक एवं दो कार पार्किंग घेस
जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज -I, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी ००
26 के अनुसार 23-6-86 में रजिस्ट्री हुआ।

आई० के० आयेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 13-2-87.

मोहर:

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमति साईशुन नेसा हक .

(अन्वयिक)

(2) आफताब कल्मद्वकागान प्रा० निमिटेड

(अन्वयिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी, 1987

निदे सं० ए मी०/र० - 1/कलकत्ता/1987—ग्रातः

मुझे आई० के आयेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है तथा जो राउडन स्टीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपावड्ह प्रनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर०
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 16-6-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद भौं समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुसूची

8, राउडन स्ट्रीट कलकत्ता में अब स्थित मकान
तथा 23 काठा 9, छठांक 20 बर्गफीट जमीन जो रजिस्ट्रार
अब एसेस नालकत्ता के पास जेड गं०-१-८४३२
के अनुसार 19-6-86 में रजिस्ट्री हुआ।

आई० के० आयेन
मकान प्राधिकारी
(महाप्रब्रह्म आयकर आयक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 13-2-87

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती जेबुन नेमा हक

(अन्तरक)

(2) मैं० आफताव कन्भट्टकशन प्रा० लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1987

निर्देश स० टी० आर० 13/86-87/सीरीयल 1274

आई०ए०सी० ए यु रेज-1/कल० अत. मझे आई० के० गायेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० ४० है तथा जो राउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें, उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी आई०ए०सी०एक्य० रेज-1 कल०में रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम 1908 (1908 का 16के अधीन तारीख 19-८-८६ को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के विधियों में कमी करने या उससे बचने में सूचिता के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सूचिता के लिए,

8 ए, राउडन स्ट्रीट, कलकत्ता 4 के--4 सीएच जमीन के साथ मकान, 40 प्रतिशत शेयर।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 13-2-87

मोहर:

प्राप्ति आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती मेहरुन ने मा वृक्ष।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 वं (1) के अधीन सूचना

(2) मैं आकताव कन्स्ट्रक्शन, प्रा० लि०।

(अन्तरिक्ष)

भारत सरकार

भारतीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 13 फरवरी 1987

निर्दोश सं० 240/86-87/sI-1275 आई/एक्यू आर०-
कलकत्ता अतः— मुझे, आई० के० गायेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वं (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8ए है तथा जो राउण्ड स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इसपे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम
प्राधिकारी आई०ए०सी०एक्यू आर०-1 में रजिस्ट्रीकरण कलकत्ता
अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन तारीख 19 जून, 1986
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

(क) अंतरण से हुए किसी बाय की वापसी, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में किसी करने वा उक्त से बचने वाले सुविधा
के लिए; और/वा

अनुसूची

(घ) ऐसी किसी बाय या किसी इन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया,
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
विविध के लिए;

8-ए, राउण्ड स्ट्रीट, कलकत्ता ।

4 के० 4 कठा जमीन के माथ मकान ।

60 प्रतिशत शेयर ।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—506GI/86

तारीख 13-2-1987

मोहर :

प्रकृष्ट शार्ह.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर गायक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1987

निर्देश सं० टी०आर०-242/86-87/S276 आई०ए०सी०
एव्यू रेंज-1/कलकत्ता—अतः, मुझे आई० के० गायेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 47 ए है तथा जो जाकारिया स्ट्रीट एवं
4 ए सर्हिद सालर्ई स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें
उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
18 जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल के
दन्तह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के किए तथा
याका गया था। अन्तरक, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त बन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुए किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नीता देवी तिक्कावाला

(अन्तरक)

(2) मैं० मह्याग प्रोजेक्टम प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्गत में काई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या संस्थानव्यक्तियों द्वारा
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
लिखित में किसी व्यक्तिका बारार;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यक्तारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में 'दिया
पाए हैं'।

अनुसूची

47 ए जाकारिया स्ट्रीट एवं 4 ए सर्हिद सालर्ई स्ट्रीट
कलकत्ता का अंश में अवस्थित मकान तथा 11 कट्ठा
12 छिंटाक जमीन जो रजिस्ट्रार अब एन्सोरेन्स कलकत्ता
के पास डीड नं० 1-8401 के अनुमार 18-8-86 में
रजिस्ट्री हुआ।

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख : 13-2-87
मोहर :

प्रस्तुत आइ०. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भायकर भायकत निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 फरवरी 1987

निदेश सं० 24.0/एक्यू भार-III/क्ल० 86-87-

अतः मुझ, आइ० के० गायेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

— और जिसकी सं० 4, 5, 7, 8, 9, 12, 12/1 है तथा
जो 12/2, 12/3, 16, 16ए, 16/11 से 16/16, 17,
17 ए और 18 जमीन भेन और 1/ए 16 एंड 17 कार्नफिल्ड
रोड कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सं० आ० आ० निरीक्षण अर्जन रेंज-3 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
16-6-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का फारण है कि उपावद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विभा-
के लिए; और/या

(क), ५सी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तवा-
कों, जिन्हे भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किसी जागा जारी हुए था उपराने में स्विभा के लिए;

* असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अन्तरण
में, में, सक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शेख कबीर हुसैन अहमद और अन्य
(अन्तरक)

(2) प्रकृति प्रोजेक्ट (प्रा०) लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकारी हो करता है।

उ०: सम्पत्ति के अर्जन के रूपमें कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित हो कर आ सकेंगे।

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निलिखित हो कर आ सकेंगे।

व्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उभय-
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुल जमीन— 13 बीघा, 41 कट्ठा, छ: 25
वग फीट।

आइ० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 13-2-87

मोहरः

प्रस्तुप आई.टी.एस.-----

(1) मैसर्स पूर्ण वाईनस, 5.7, प्रैट बिल्डिंग, ग्राउंड
बंदेश रोड, कोलाबा, बम्बई।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना(2) 1. श्री वी.पी.० सलूजा 2. मास्टर राहुल 3. श्रीमति ।
राधिकमेहता निवासी—सलूजा निवास—सिविल साईन्स,
मुरादाबाद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/३७८६/८६-८७/

३१५२—अतः, मुझे एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो जी-6, ९८, हेमकुण्ड टावर,
नेहरु पलेस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूती
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन तारीख जून 86को पर्याक्रिय सम्पत्ति के डिविल बाबार मूल्य से कम के अस्तमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अस्तमान प्रतिफल से ऐसे अस्तमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरीती (अन्तरीती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
दाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
के लिए; और/वा

अनुभूती

(ख) एसी किसी आय वा किसी धन वा वस्त्र अस्तित्वों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस अधिनियम, वा भव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीती इकारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, लिखान में संविधा
के लिए।जी-6, ९८, हेमकुण्ड टावर, नेहरु पलेस, नई दिल्ली
तादादी 1025 वर्ग फीट।एस० सी० गुप्ता
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्लीअतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 10-2-87

मोहृषि:

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

(1) डा० मिसेर्स कोशल्या नाइक, 16, मुनिरका
विहार, नई दिल्ली-110067आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्य०/1/37ईई/6-86/
3153—अतः मुझे एस० सी० गुप्ताआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहाविवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० है तथा जो फलट न० 1408, 14 वा
खंड 43, नेहरू पलेस में स्थित है (और इसमें उपांचाल
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन तारीख जून 86को पूर्वोत्तर समीक्षा के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पांचवां अंतरित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे दबने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्कट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(2) मैं जे० मित्र फाउण्डेशन 1411, चिरजीव दावर,
43, नेहरू पलेस, नई दिल्ली-1
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फलट नं० 1408, 14 वां खंड, 43 नेहरू पलेस,
नई दिल्ली-110019 लगभग एक्सिया 677 वर्ग फीट।एस० सी० गुप्ता
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 27-1-1987

मोहर :

प्रस्तुति बाईं. डी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी, 1987

निदेश सं० आई ए० सी० एक्य० 1/37ई०/6-06/

3161—अतः मुझे एस० सी० गुप्ता

भारत कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 58 के हैं तथा जो देविका
टावर, 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपार्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त अनिरीक्षा अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम (1961 के अधीन

तारीख, जून 86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और इसके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
पञ्चवांश प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(१) अंतरण से हरौ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
काफी कठत या उससे बचने में सूचिभा के लिए;
और/था

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगदार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया था जिसके में सूचिभा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० जगमोहन सिंह, ई-516, ग्रेटर
कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैटरो टायरस प्रा० नि०, 27-बी, फोर्कल स्ट्रीट, लुधियाना (पंजाब)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
उहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

325 वर्ष फीट फलैट 518, देविका टावर, 9 नेहरू प्लेस, नई
दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 27-1-87

मोहर:

प्ररूप आई.डी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी, 1987

निर्देश सं० अई० ए० सी०/एक्य०/१/३७ई० ८६-८७/

३१६२—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
०), ०००/ रु भे जानकर है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० ५१९, देविका
टावरस नं० ६, नेहरू प्लेस और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्व रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-
१ नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन तारीख जून ८६

को अन्तर्देश सम्बन्धित रूप से दूरवास बाजार तथा में कल्प के दृष्टिभाव
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही है और यह यह विश्वास
करने का कारण है कि यथावर्तीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इष्टमान प्रतिफल स, एवं इष्टमान प्रतिफल का
उद्द्देश प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा यां
या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त वस्तुरण विवित
में वास्तविक रूप से कथित वही किया जा है —

(क) अन्तर्देश रूप से दूरवास बाजार की वावट उक्त अधिनियम के अधीन कर देवे के अन्तरक के दृष्टिभाव में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
बीच/या

(ख) एस० सी० आय का १५८ वावट या अन्य आस्ताया
का, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम 19/२
(1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या उक्त
अधिनियम, 1957 (1957 का २७) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) एस० गुलविन्दर सिंह,
ई-५१८, ग्रेटर कैलाश-२,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) मै० मैट्ट्रो टायर्स प्राइवेट लिमिटेड,
२७-बी, फोकल प्लाइंट,
लुधियाना (पंजाब) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके उच्चोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्यय २०-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्यय में हित-
बद्ध गया है।

अनुसूची

तादादी ३२५ वर्ग फीट ।

देविका टावर्स, फ्लैट नं० ५१९, नं० ६, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली ।

एस० सी० गुप्ता
सक्षमप्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, नई दिल्ली

तारीख : 27-1-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. १९८७-८८
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

बम्बई, दिनांक 27 जनवरी 1986

निदेश मं. आई० ए० सी०/पक्ष० १/३७५५०/८६-८७
३१६३—अतः मुझे, एम० सी० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. फ्लैट नं. 516, देविका टावर्स 6 नेहरू
प्लेस में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, नई
दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख
जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती
(अंतीरतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए उच्च वादा या प्रति-
क्षम निम्नलिखित उद्देश्य व सुवर्तन विकल्प व सालगिरह
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक क
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित बाजार प्रकट नहीं किया
था या किया जाना चाहिए था, उच्चान्तर
दृष्टिभाव के लिए;

त्रसः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मिस अमरजीत कौर,
ई-५१६/ ग्रेटर कैलाश-२,
नई दिल्ली-१।

(अन्तरक)

(2) मैट्रो टायर्स प्रा० लि०,
२७-बी, फोकल प्लॉइंट,
लुधियामा (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को पूरा सूचना बारी करके पूर्वोक्त व्यक्ति के बच्चे के लिए
कार्यवाहियां हटा करता है।

उक्त व्यक्ति के बच्चे के हमारे में कोई भी आङ्गणः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकें।

स्थावरणः—इसमें प्रयुक्त व्यक्तों और पदों का, वो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में विवरित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तावारी ५६ वर्ग फीट देविका टावर्स, फ्लैट नं. ५१७
६, नेहरू प्लैन नई दिल्ली।

एस० सी० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
रेंज रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 27-1-1987

मोहर

प्ररूप शाई.टो.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज -1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० आई० ए० री० ए० ३० /३७६८८/६-८६/३१६६—अत
मुझे, एस० सी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘विवर इहमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ का या गया है’), की भाग
269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विवाह करने
का कारण है कि उपायकर मन्त्री, भारत का उचित आजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है।

और जिसकी स० है तथा जो स्पेश न 19, नौवां खण्ड,
नेहरू प्लेस में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज 1, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख
जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के रूपमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तर्नियम की गई है और उसके यह विवाह
करने या तारण है कि यह एस० ए० परामिति; अधिक आजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्राप्तिफल में एस० दृष्टमान प्रतिफल के
दस्तक प्रतिपादा से ज्यादा है और उन्नतरक (आपराको) जैसे नौवां नी
(निरीक्षणों) के बीच एस० दृष्टमान उन्नतरक से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
नहीं है तो उसी किए गये हैं।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृष्टिकोण
में कैसी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(म) एस० किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निरीक्षित व्यक्तियों, अर्थात् —
6-506GI/86

(1) मैं नेहरू प्लेस होटल निगिटेड,
इंडोग सिनेमा विलिंग,
जगपुरा ए. कमटेण्ट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सरदारी लाल अग्रवाल,
श्रीमती मुष्मा लाल आर
श्री अजगनाल, ए-93,
न्यू फेड्रेस लालबेगी,
नई दिल्ली।

(ग्र. रिटो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्नियम के सम्बन्ध नहीं कोई भी व्यापे —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उस अन्तर्नियम में द्वितीय
गदध किसी अन्य व्यक्ति सुनारा अधोहस्ताक्षरी का
पार लिखित में दिया जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्यान्य अंशों में विभिन्न
हैं, वहीर अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्पेश न० 19 नवा खण्ड ब्लॉक ई, होटल कम्फिशनल
कम्पलेम, द्वारा न १, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

एस्ट्रिया 640 वर्ग फीट।

एस० सी० गुप्ता
सशम प्रधिकारी
महायक आयकर आयुक्ती (निरीक्षण)
अर्जन रेज -1, नई दिल्ली

तारीख : 10-2-1987
मोहरः

प्रलूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन मृत्यु

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, -6 नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई प० मी०/एय० 6/37 हॉ०/6-86/
653—अतः मुझे, टी० के० माह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्तम प्राधिकारी को वह विवाद भरने का
कारण है कि स्कारेव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में 46 है नंदा जो ब्लाक-एफ बाली नगर,
एरिया गांव बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावड़ अग्रसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जून, 1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने इह विद्वास
भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गंभीरता का उन्नित बाजार
मूल्य, उसके अवधारण प्रतिफल से, एवं अवधारण गतिकल जा-
पन्नह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की वापस उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वा
व्यायाम में किसी भरने वा उससे बचाव में हुविधा
के लिए: होट/भा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) लेपिटेंट कर्नल सरदुल सिंह,
पुत्र श्री नानक मिह,
एफ-46, बाली नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज कौशलया पल्ली
स्वर्गीय श्री बिज लाल मेठी,
5/6, वेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं. एफ-46, 300 वर्ग गज, बाली नगर,
एरिया गांव बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

टी० के० माह

मक्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

तारीख : 12-2-1987

मोहर :

का. ५३, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुदरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

प्र० आइ० टी० एन० एस० -----

(1) वर्धमान प्राप्ती
के-16ए, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र जैन
7/36, अंमारी रोड,
दरयागंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश में आई ए मी/एक्यू VI 5/267 ईडी/6-86/
734—अतः मुझे, टी० के शाहआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी में जी-9 है तथा प्लाट नं 3 लोकल
शार्पिंग सेंटर, शालीमार बाग (पूर्वी) दिल्ली (ब्लाक
बी एच०) में स्थित है (आँग इमें उपावड़ ग्रन्तमूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन तारीख जून, 1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्साक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित
हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यनिट नं जी-9 फ्लॉर ग्राउन्ड, 160 वर्ग फीट,
वर्धमान सेंटर, प्लाट नं 3, लोकल शार्पिंग सेंटर, शालीमार
बाग (पूर्वी), बी एच ब्लाक, दिल्ली।टी० के० शाह
मश्रम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-5, नई दिल्लीअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित आवितयों, अर्थात् :—तारीख : 12-2-1987
मोहर :

प्रस्तुत आदेश दी.एस.एस.
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) मैं वर्धमान प्रोपरटीज
के-16-ए, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरेश चन्द्र जैन, 7/63,
असारी रोड,
दरियागज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निर्देश में आई ए सी०/एक्य० - 6/37 ईई०/6-86/

73-1-अत मुझे, टी० के० माह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘विवेत इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी मूल्य यूनिट नं 7 है तथा जो फ्लाट नं 3,
लोकल शार्पिंग सेन्टर शालीमार बाग (पूर्वी), ब्लाक बी
एच दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली में आयुक्त अधिनियम, 1961
के अधीन तारीख जून, 1986

को प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यामान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यामान प्रतिफल से, एवं इस इस्यामान प्रतिफल के
प्रत्येक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच इसे अन्तरण के निए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य भे उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीचित तरीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से इसे किसी बाय भी दादा, उक्त
अधिनियम के अधीन फर दाने के अन्तरक, ए
वायित्व में किसी करने पर उपर्युक्त अन्तरण से अधिक
की जिस गाँव/एवं

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी इन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए,

यूनिट नं 7, ग्राउन्ड फ्लोर, 160 वर्ग फुट, वर्धमान
सेन्टर फ्लाट नं 3, लोकल शार्पिंग सेन्टर, शालीमार बाग,
(पूर्वी), बी एच ब्लाक, दिल्ली।

टी० के० माह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज नई दिल्ली

बस बध, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तराज
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-2-1987

मोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध टी एन.एस

(१) में वर्धमान प्रापटीज़,
वे १६-ए, कैताश फालोनी,
नई दिल्ली-४८ ।

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत शासकांग

कार्यालय, सड़ायक आयवर नियुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-6, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिना 12 फरवरी 1987

निवेश स आई ए सी /एम्बू० VI 5/37 ईई०/6-86/
—अत नहीं, टी के गाह।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ख के अधीन सक्रम प्रार्थकारी को यह विश्वास करने का
कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

आर जिसकी संयूनिट 4-5 हेठा जा प्लाट नं 3
लाइन शापिंग सैटनर शारीर र वाग (पूर्वी), ब्ला बी०
एच दिल्ली मेरेथत है (आर इम्यु उपावद्ध अनसची मे आर
पूर्ण रूप से वर्णित है), पार्थ आकर आपक्त (निरीकण)
ग्रंजन - 2, नई दिल्ली ८ भालू य आवास र प्रधनियम 1961
के प्रधीन तारीख जन. 1986

को पूर्वोंत सम्पादन के उच्चता बाजार में यह कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है भार मुझे यह निष्कासन करने के कारण है कि यथा मूर्खोंके सम्पादन का रूपान बाट न मत्य, मैक ढूयमान प्रतिफल में, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह और तीव्रता से ३। नक्क हैं और बतरक (बतरकों) और बतरिती (बतरितया) की ओष्ठ एस अन्तरण के लिए हृषि पद्मा रामा गफल निम्नलिखित उद्दीपय स उद्देश्यान्वयन लिखित में गस्तावक ०० को भव नहीं किया गया ।

(क) अन्तरण हैं और यहाँ गा., बाबत, उत्तर
अधिनियम के क्रौंच व उत्तर के दो दोष
द्वायत्व में कमी रखने वाले विद्युत एवं अधिक
के लिए बाह्य/या

(८) एसी किसी १३ के बाद भारतीय संघर्ष १९२२ (1922) के अन्त अंतिम धनकर अधिकारी, १७ (१९५७) के प्रथम विधायक, १८ वा धा या किंवा लोग जाति ५ विधायक वा नियम के लिए,

३५ अर्थात् अनियम वा शब्द २६४-व के अनुसार है तथा वह जो भाषा १०-वीं कालारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यवित्त्या, अर्थात् —

(2) बेबी स्वातंत्री जैन
७/१९ए, असारी रोड,
दरियागज दिल्ली ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

अग्रह सूचना जारी करके पृथ्वीकर्त गम्भीरत के अर्जम के लिए खायदा देया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समयी व्यक्तियों पर सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों मा से किमी व्यक्ति दबारा;

(ध) इस चूंचना के अजपा मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त द्वावर सम्पत्ति में हित-बदूर किसी व्यक्तित्व द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के लिखित मा किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण - इसमें प्रयत्नत रद्दः और पदों का जो उक्त
उर्ध्वास्थिति, के अ । १०-व मन्त्रभाषित
है, तो वह हास्य उच्चारण में दिया
गया है।

अनंत

यूनिट नं 4-5, ग्राउन्ड फ्लोर, 160 वर्ग फीट,
वर्षमान सेटर लाइन 3, नोएल शापिंग सेटर शालीमार
बाग (पुर्वी) बो एच ब्लाक, दिल्ली।

टी० के० माह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयगर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-६, नई दिल्ली

नारीख्व 12- 2--1987
मोहर .

प्ररूप आई.टी.एन एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं अई ए० मी० /एक्यू VI/37 ईर्झ/6-87/
73-के—अत, मुझे, टी० के० माह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं यूनिट नं G-4 है तथा जो प्लाट नं 3
लोकल शापिंग सेन्टर, शालीमार बाग (पूर्वी), ब्लाक बी०
एच०, दिल्ली में स्थित है (आँग इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली में स्थित है सहायक आयकर अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम

1961 के अधीन तारीख जून, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/ या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, यौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) म० वर्धमान प्राप्टी,
के-16-ए, कलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48।

(अन्तरक)

(2) बेबी चिन्तु जैन एण्ड
मास्टर मचिन जन
7/9-ए, अंसारी रोड,
दरियांग दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कर्ज ए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के व्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं,
वही अर्थ होंगा जो उस व्याय में विद्या गया है।

अन्तस्त्री

यूनिट नं० G-4, ग्राउन्ड फ्लोर, 160 बाग फीट,
वर्धमान सेन्टर, प्लाट नं० 3, लोकल शापिंग सेन्टर शालीमार
बाग (पूर्वी), बी० एच० ब्लाक, दिल्ली।

टी० के० माह
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-6, नई दिल्ली।

तारीख : 12-2-1987

मोहर :

प्रस्तुप शाहै. दी. एन. एस. -----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, VI, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं आईए० मी०/एक्यू / 37 है/6-86/
73-ए०—अतः मुझे, टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं यूनिट नं 105 है तथा जो पहली
मंजिल वर्धमान मेंटर, प्लाट नं 3, लोकल शापिंग मेंटर
शालीमार बाग, (पूर्वी) एच बी ब्लाक दिल्ली में स्थित है
(इससे उपांबद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, II नई दिल्ली
में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जून 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे अन्य में सुविधा के लिए;
अर्थ/था

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) वर्धमान प्राप्टी
के-16, ए, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 ।

(2) श्रीमति सुदर्शन जैन 7/9-ए,
अंसारी रोड,
दरयागाज, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं 105, पहली मंजिल, 295 वर्ग फीट,
वर्धमान मेंटर, प्लाट नं 3, लोकल शापिंग मेंटर, शालीमार
बाग (पूर्वी), बी एच ब्लाक, दिल्ली ।

टी० के० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-VI, नई दिल्ली

तारीख : 12-2-1987

मोहर :

प्रस्तुप शाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फायोलट, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1987

निदेश सं० आई ए सी०/एक्य०/३७ ईड०/६-८६/
७३-एम—आन. मुझे, टी के शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में यूनिट सं० 106 है तथा जो पहली मिलि
वर्धमान सेन्टर प्लाट नं 3 लोकल, शार्पिंग मेटर,
शालीमार बाग (पूर्वी) वी एच दिल्ली में स्थित है (आंग
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण), अर्जन रेज, नई दिल्ली
में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जून 1986

की पूर्वेतत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्व ५ तिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा बाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित घाँटेष्ट से उक्त अन्तरण लिखित वे
वास्तविक रूप से कठित महीं किया गया है —

(क) अन्तरण से है जिसी बाय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर बने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जामियों
को जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922²
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मैं वर्धमान प्रार्टी प्रा० लि०,
कें०-१६, ए, कला राजोनी,
नई दिल्ली-११००४८।

(अन्तरा)

(2) मैं सुदर्शन जेन, ७/९ ए
श्रमारी रोड, दरगांग बृ, दिल्ली।

(ग्रन्तिर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पादित के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि दा तालिमबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से यिसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इपारा एवं हस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिया जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हाता जा उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 106, पहली मजिल, 295 वर्ग फीट,
वर्धमान मेटर, प्लाट नं 3, लोग न शार्पिंग मेन्टर, शालीमार
बाग (पूर्वी), वी एच दिल्ली, दिल्ली।

टी के शाह
मशन प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-6, दिल्ली

तारीख 12-2-1987

मोहर :

प्रस्तुत आदृ. टी. एन. एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत दृष्टिकोण

वार्षिक सहायक बाबकर बाबूलला (निरीक्षण)

अर्जनरेंज -1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० अई-1-ए/37ईई/11714/86-87— अतः मुझे,
जे मलिक,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, 4थी मंजिल, विंडसर हाउस,
138, एम० के मार्ग, बम्बई-20 में स्थित है (और इससे उपावद
ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्षेत्र के अधीन, बम्बई.
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
2-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्नतरक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
एक ही प्रतिशत से अधिक है और उन्नतरक्त (उन्नतरक्त) और
उन्नतरक्ती (उन्नतरक्तियाँ) के बीच एक उन्नतरक्त के लिए तथा
वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्नतरक्त
निम्नलिखित में वान्तरिक ६५ से दीर्घि नहीं किया गया है :—

(क) उन्नतरक्त से हरह किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के उभी कर हेतु अन्नतरक्त के
उद्दित वें क्षमा दर्शन या उद्दित वर्धन में सुविधा
में लिए; और/वा

(ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध वास्तवों
को बिन्ह भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ उन्नतरक्ती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने से विक्षिक्षा
के लिए;

उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269-व के उन्नतरक्त
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन विवरित ग्राक्षण, वर्धन :

7—506GI/86

(1) श्रीमती प्रमिला के शवराव दाते।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार बनर्जी और श्रीमती उषा अरुण
कुमार बनर्जी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को वह सूचना आरौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के उचित के संबंध में कोह भी बासंत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वर्धी या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की वर्धी, जो भी
वर्धी वाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा वधोहस्ताक्षरी के पास
निर्वाचन में किए जा सकें।

सम्पूर्णकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासा
है, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सूचना

*ट नं० 14, 4 थी मंजिल विंडसर हाउस, 138, एम० के०
मार्ग, बम्बई-20 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1-ए /37ईई/10423/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेंज -1, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० आर्द्ध-1-ए/37ई/11698/86-87—अतः मुझे,
जे० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिमकी सं० प्रिमायसेस जो, फ्लैट नं० 11, 3री, मंजिल
तल माला, विडमर हाउस, को०-आप हाउसिंग सोसाइटी
लि०, 138, एम कर्वेरोड, ओवल प्ले ग्राउण्ड के सामने, बम्बई-20
में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), और जिमका रुरारानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 कब्द के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है। तारीख 2-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कीर्त्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डॉ श्रीमति प्रमिला केशवराव दाते।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति गिरा अशोक भौगिलाल पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रिमायसेस जो, फ्लैट नं० 11, 3री मंजिल, तल माला, विजसर हाउस को०-आप हाउसिंग सोसाइटी लि०, 138, एम० कर्वेरोड, ओवल प्ले ग्राउण्ड के सामने, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आर्द्ध-1/37ई/10421/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

प्राप्ति आई. टी. एन. एस. —
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई-1-ए /37ई/11785/85- 86—अतः
मुझे, जे० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान नं० 77, तल माला, ओका शापिंग-
सेन्टर, एन० टी मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है (ओका इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 काख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
3-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिक्षीय
(अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; अरै/बा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिक्षीय बाबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवधि :—

- (1) पुरी कन्स्ट्रक्शन (बम्बई) प्रा० लि ।
(अन्तरक)
(2) पारेख स्टेट एण्ड प्रापर्टी प्रा० लि०।
(अन्तरिक्षीय)

मेरे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ॥—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतिक पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संरक्षित में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 77, तल माला, ओका शापिंग सेन्टर, एन० टी०

मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1-ए/37ई/10449/86-87
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1986

मोहर :

मरण वाई. डॉ. एम. एच. -----

(1) मेमर्स हनुमान विटामिन फूडस प्रा. लि. ।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के बंधीन सूचना(2) श्रीमति मांगमा हनुमान दास अग्रवाल और अन्य
(अन्तरिती)

भारत भ्रष्टाकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० अई-1-ए/37ई/11768/85-86— अतः
मुझे, जे० मलिक,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
“सके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है”), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० कार्यालय प्रिमायसेस जो कुलाबा डिवीजन,
बकवे रेक्लेमेशन स्कीम, प्लाट नं० 211, सी० एस० नं० 1957,
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 कब्द के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-6-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के बंधीन कर देने के अंतरक के वायिष्ट
में कमी करने या उससे बचने में सूचिता के लिए,
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचिता के लिए।को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति और अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदक्षित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 वा में यथा परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस जो कुलाबा डिवीजन, बकवे रेक्लेमेशन
स्कीम, प्लाट नं० 211, सी० एस० नं० 1957, बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1-ए/37ई/10434/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-8
को रजिस्टर्ड किया गया है।

6

जे० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बईआदेश : अद्य, उक्त अधिनियम की आय 269-ग के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-2-1987

भोहर :

प्रख्युप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री रमेश गोकलदास ठंकर और श्रीमती हेमारमेण
ठंकर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सुरेखा वसन्त केवार।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० अई-१-ए/37ई/11818/85-86— अतः
मुझे, जे० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट नं० 153/बी, 15 बी मंजिल, सी-
लाई इमारत, कफ परेव, बम्बई-5 में स्थित है (और इसमें
उपांबढ़ अनुसूची में श्रांग पूर्णकृप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है। तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार शृंखला से कम है इसमात्र
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवाहास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का
मन्दूर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
वह प्रतिफल विभिन्निकृत उद्देश्य के उक्त अंतरण विभिन्न वे
वास्तविक कष जो कार्यक्रम सहौले किया गया है ॥

(क) अन्तरण से है इसे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीशां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ है ग जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लेट नं 153/बी, 15 बी मंजिल, सी लाई इमारत, कफ
परेव, बम्बई-5 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि क्र० मं० अई-१/37ई/10460/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-86 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
मन्त्रालय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1987
मोहर :

प्रधान मंत्री द्वारा द्वारा ——

वर्तमान अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन दृष्टवा

प्राप्ति विवरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विवरण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निवेश सं० अर्घ-1-ए/37ई/11751/85-86— अतः
मुझे, जे० मनिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दसके पश्चात 'जनत अधिनियम' कहा जाया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
अधिकार है ताकि उक्त अधिनियम, विवरण की आवार भूम्भ
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, 8वीं मंजिल, "मोनीका", फसल
रोड, बोवानी रोड, जनशन, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।
(ग्राही इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
और जिसवा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क्षेत्र के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कायलिय
में रजिस्टर्डी है। तारीख 3-6-1986

को दूबोच्छ अधिनियम के उचित बाजार भूम्भ से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारबू
के यथापूर्वकत का उचित बाजार भूम्भ, उसके दूर्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उक्त अन्तरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप है क्षेत्र
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की आवास, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें वृचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी बाबू या किसी अन्य व्यक्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त आय-नियम, या
उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
प्रधानमंत्री द्वारा प्रकट रही किया
गया था या किया जाना चाहिए था तिनें में
शुल्कों के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० सी मोटवासी और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स श्रीपोली कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना आठी द्वारा दूर्यमान प्रतिफल के अवधि के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
दृष्टवा की तारीख से 30 दिन की अवधि, वो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती है, के भीतर प्राप्तवृ
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इह सूचना द्वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के तारी
खित्त में किए था बताने।

लक्षण:—इसमें प्रयुक्त बब्डों और पदों का, या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिचायित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, 8वीं मंजिल, मोनिका, फाजल रोड, शोबानी
रोड, जनशन, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्घ-1/37ई/10428/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मनिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1987
मोहर।

प्रूरुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री शन पुरुषोत्तम लाल खन्ना।

(अन्तरकं)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
क्री धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) सिम्पलेक्स मेटालूरजिकल प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० आई-1-ए/37ईई/10459/85-86— अतः
मुझे, जे० मलिक,**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इत्यते
इसके उच्चात् 'जल्द अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है**और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 93, 9वीं मंजिल,
बजाज भवन इसका सर्वे नं० 209 से 300, बम्बई में स्थित
है (प्रीर में उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क्षेत्र के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। तारीख 16-6-1985को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो ज्यादा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उच्चात् ज्यादा प्रतिफल है, एवं ज्यादा प्रतिफल का
एन्ड प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरक्त) और बहु-
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाला गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त क्षेत्रण किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपति ने प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अधिक या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अधिक, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राष्ट्रपति ने प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोद्याक्षरी के पात्र
निमित्त ये किये जा रहे हैं।**प्राप्तिकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।**अनुसूची**कार्यालय प्रिमायसेस नं० 93, 9 वीं मंजिल, बजाज
भवन, जिसका सर्वे नं० 269 से 300, बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्री सं० आई-1-ए/37ईई/10459/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
16-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिमित्त व्यक्तियों, अधोकै

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत दृष्टिकोण

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निवेश मं. अई-1-ए/37ई/7902/85- 86— अतः

मुझे, जे० मनिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- में अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट न० 83-ए, जाली मेकर अपार्टमेंट-9,
टापरए, एफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (आरे इससे उपाबद्ध
अनुसूची में अग्र पृष्ठरूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 नव के अधीन,
बम्बई स्थित सकाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित नहीं है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके रख्यमान प्रतिफल से, एसे रख्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाशा गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्दांश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक
रूप से कीपत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(द) एओ जिसी आय या किसी भूमि या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें धारातीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, या अन्यकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
जनरली दबाय प्रफल नहीं किया गया था या किया
जाना आवश्यक था, स्थान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा, (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मार्शल प्रॉडक्ट्स लॉकर्स प्रा० नि० ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सविता आर० अग्रवाल, 'श्रीमति, नीनम
नी० अग्रवाल, श्रीमति संतोष आर० अग्रवाल और
श्रीमति वनिता एन० अग्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(३) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्णस्त
व्यक्तियों से जैसे किसी अधिकारी नाम:

(४) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बत्वध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 83-ए, जाली मेकर, अपार्टमेंट-1, टॉवर-ए
कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि श्र० सं० अई-1/37ई/10470/85-86
आरे जो सकाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मनिक
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रस्तुत वार्ता. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) शोब्रसिस मेनपावर कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मस्दा लिसीग लि।

(अन्तरिनी)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदश सं. अई-1-ए/37ई/11689/86-87— अतः
मुझे, जै.० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर माल्यित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी मं. कार्यालय नं. 410, 4थी मंजिल, प्लाट नं. 221, नरीमान पाइट, बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का कारण के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
2-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वर्तने के अन्तरक के वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) प्रौद्योगिकी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगिनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कार्यालय नं. 410, 4थी मंजिल, प्लाट नं. 221, नरीमान पाइट, बम्बई 21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ० रु० प्रई-1-ए/37ई/10419/ 85-86 में जो इस प्राधिकारी द्वारा दिनांक 2-6-1986 को रजिस्टर किया गया है।

जै.० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-2-1987

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्रीमत श्री.टी.एन.एच. (प्रतिपादक)
आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
आर्थिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० अई-1-ए/37ई/11725/86-87— अतः

मुझे, जे० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदनाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
में उचित नहीं भवित है

और जिसकी सं० प्रिमायेस नं० 13, तल माला, रहेजा सेटर,
प्लाट नं० 214, ब्लाक-3, बक्बे, रिक्लेमेशन, बम्बई-23 में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अन्तसूची में और पूर्णरूप में वर्णित
है), और जिसका करार तामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्टर्ड है। तारीख 3-6-1986

उक्त व्यक्ति नम्बरा ८८ उचित बाजार आय में कम के दृश्यमान
श्रृंखला के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का
एन्ड्रह प्रतिक्षण में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के दीच एस अन्तरण के लिए तथ
एषा गया पर्सिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन अन्तरण
विस्तृत में अन्तरिक द्वा में कीथित नहीं किया गया है ।—

(ए) अन्तरक से उन किसी द्वाय की शब्दन उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
पाठ्यक्रम के अन्तरक से उन किसी द्वाय की
क्रमांक, जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/10452/85-86
में लिखा गया है।

(अ) एसी किसी द्वाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 भा 11 या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहित था, छिपावे में सृजित
के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथवा :—

(1) मेसर्स स्कायवे ।

(अन्तरक)

(2) इण्डो सौदी सर्विसेस (ट्रेन्डेल) प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वर्षीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्षीय, जो भी
वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधारस्ताक्षरी के
पास लिंगित में किए जा सकेंगे ।

अन्तरिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तसूची

प्रिमायेस नं० 13, तल माला, इमारत रहेजा सेटर,
प्लाट नं० 214, ब्लाक नं० 3, बक्बे रिक्लेमेशन, बम्बई-23 में
स्थित है।

अन्तसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/10452/85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 10-2-1987
माहेर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमति भानुमति भगवान दास भाटिया और अन्य।
(‘अन्तरक’)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) नारानवास पुरुषोत्तम आशार।
(‘अन्तरिती’)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निवेश सं० अई-1-ए/37ई/11763/ 86-87— अतः
मुझे, जे० मलिक,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लेट नं० 144, बसन्त, नवरंग बसन्त,
को०-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 101, कफ परेड, बम्बई-5
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से
बर्णित है), और जिमका करारामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कदम के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3-6-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अंदरीतीयों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्रोड भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 144, बसन्त, नवरंग बसन्त को०-प्राप० हाउसिंग
सोसाइटी लि०, 101, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/37ई/10432/ 85-86
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1986 को
रजिस्टर्ड किया गया है।जे० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई(ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख : 10-2-1987
माहूर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रंजीव ओमनाथ तलवार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेमर्स तापीन इन्टरप्राइजेज।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निर्देश सं. अई-1-ए/37ई/11834/ 86-87—अतः
मुझे, जे.० मलिक,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कार्यालय प्रिमायसेस नं. 307, 3री मंजिल,
दामाकल टावर प्रिमायसेस को०-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०,
नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है (और इसमें उपावन्न
अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 काव्य
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्री है तारीख 16-6-1986

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कठीन करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोल्लासरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
र्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं. 307, जो 3री मंजिल, दाला-०
मल टावर प्रिमायसेस को०-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी फि०,
नरीमान पाइण्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं. अई-1-ए/37ई/10466
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
16-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे.० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

एस्टेट बाईंटी, पत्र पत्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

- (1) श्री नाराण जनार्दन जनायर और
श्रीमती रत्नम जनार्दन नायर।
(अन्तरक)
(2) श्री प्रताप राय नन्दलाल कोठारी।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी 1987

निर्देश सं० आई०-१ए/३७ई०-११८/३८६-८७—अतः
मुझे, जे० मानिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पहलाएँ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, हेमप्रभा, 68 नेताजी सुभाष
मार्ग, बम्बई-20 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुचनी
में और पूर्ण स्वप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 269 कानून के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में तारीख 16 जून, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधिकारी सम्पर्क का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकान प्रतिफल से, ऐसे अधिकान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने ला उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के सिए;

अतः इव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के सिव
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के बाबत मे कोई भी वास्तव

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, हेमप्रभा 68, नेताजी सुभाष मार्ग, बम्बई-20
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-१ए/३७ई०/१०४६५
८६-८७ और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
16 जून, 1946 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रश्न बाईं दी. एवं दस्त—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
भारा 269-ष (1) के विषय दृष्टा

- (1) पुरी कन्सट्रक्शन (बम्बई) प्राइवेट लि०।
(अन्तरक)
(2) मै० पारेख इस्टेट एण्ड प्रापर्टीज प्राइवेट लि०।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० आई०-१८/३७ ई० ११७९६/८६-८७—अतः
मुझे, जे० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिंडे इवन्हे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 78, तलमाला, अशोका
शापिंग सेंटर एल० कौ० मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 269 कथे के
अधीन तारीख 3 जून, 1986

को पूर्वोक्त रूपमत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो स्थावर
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
इह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके स्थावर प्रतिफल से, एवं स्थावर
प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्तित्वों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, 1957
(1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
क्या था गो किया आवा आहिए वा लिखाने वाले सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह तृच्छा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजाने के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त उपलिखित के बजाने के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वा
तृच्छा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, एवं भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों वा से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित रूप से किए बा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्थी

दुकान नं० 78, तलमाला, अशोका शापिंग मेन्टर,
एल० टी० मार्ग, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-१-ए/३७/ई०/
10450 का ८६-८७ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा
दिनांक 3 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना

(1) श्री मेथाराम छोटेमल मूलधारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० ट्रेडिंग एण्ट हॉर्स स्टेमेंट्स प्राइवेट लि०।

मै० मिल्झस्ट मर्कनटाइल्म प्राइवेट लि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निर्देश स आई०-१४/३७ ई०/११८६३/८५-८६—

अतः मुझे, जै० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 15, 4थी मंजिल, जसविल को० आपरेटिव प्रिमायसेस सोसाइटी लि०, 9, न्यू मरीन लाइन्स, बम्बई-20 में स्थित है और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 269 का दो के अधीन तारीख 16 जून, 1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और महते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है० किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधियां तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिम द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15, 4थी मंजिल, जसविल को० आपरेटिव प्रिमायसेस सोसाइटी लि०, न्यू मरीन लाइन्स, बम्बई-20 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम मं० आई०-१४/३७ ई०/१०४७४/८६-८७ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जै० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१-ए, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रस्तुप बाईं.टी.एन.एस. -----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई
 बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987
 निवेश सं० आई०-१८/३७/ई०/११८६६/८६-८७—
 अतः मुझे, जे० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1.00.000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं० फ्लैट न० 602, प्रैसीडेंट हाउस, 83/
 85, नाथाला पारेख मार्ग, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (और
 इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी, कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रॉ है के
 अधीन तारीख 16 जून, 1986

को पूर्ण संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल है लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान इतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल या
 पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरक्त) और अंत-
 रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है —

- (1) श्रीमती ज्ञेहरा ए० पंचा और श्रीमती रक्षया
 पो पंचा। (अन्तरक)
- (2) इंडियन होटेल्स कम्पनी निमिटें।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाईयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबुध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

फ्लैट न० 602, प्रैसीडेंट हाउस, 83/85, नाथाला
 पारेख मार्ग, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैमा की क्र० सं० आई०-१३७६१०४७६/
 ८४-८५ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
 16-६-८६ को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1, बम्बई

अनु: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक :— 10-2-87

मोहर :

प्रस्तुत नाम: टॉ. एम. एम. -----

(1) एन० जीवनलाल एंड कम्पनी प्रायवेट लिं।
(अन्तरण)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (विवरण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निवेश सं० अई-1-ए/37ई/11760/86-87— प्रतः
मुझे जे० मलिक

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की भारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह संबंधी कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूचा
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन के साथ इमारत जो, एलफिन्स्टन
इस्टेट, एस० नं० 105/1187, 'कररार्ट डिविजन, फेन
रोड, फायर ब्रिगेड' के सामने, बम्बई में स्थित है और
इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है।
और जिसका करारनामा बायकर अधिनियम की भारा
269 क. ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 3-6-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की जाई है और उसे यह विवाह
कारण का कारण है कि विवाहोंका उचित या उचित बाजार
मूल्य, उक्ते अवावान प्रतिकल से दूरे अवावान प्रतिकल
परम्परा प्रतिकल के अधिक है और बदलता (बदलकर) और बदलीयी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दर्शक और कमी करने वा उक्त अन्तरण वै सुधारा
बाय/या

(ख) दोस्री किसी बाय या किसी भन या अन्य आमतयों
को जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया जाय
या या किसी बाया आमतया, जिसने में आमता
वै जिए।

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित अविकारों, अवधि ३—

9 —506GI/86

(2) मेसर्से सेकिंग कटरसे प्रायवेट लिं।
(अम्तरण)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकारों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बदल में द्वारा होती है, वै प्रत्येक पूर्वोक्त
अविकारों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

प्रत्यक्षीकरण:—इसमें प्रदूषक घट्टों और पदों का, जो उक्त बायकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में पौराणिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया जाय है।

मान्यता

जमीन के साथ इमारत जो, एलफिन्स्टन इस्टेट, एस०
नं० 105-बी 1187, कररार्ट डिविजन, फेन रोड, फायर
ब्रिगेड के सामने, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की अई-1-ए 37ई 10429
8-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-6-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर अप्रूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

दिनांक: 10-2-1987

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० अई-1-ए/37ई/11825/86-87— अतः
मुझे जै० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 274, तल माला, गोविन्द महल
86-बी, मैरेन ड्राईव, बम्बई-2 में स्थित है। (और इसमें
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
क, ख, के श्वेतीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्री है। तारीख 16-6-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक्ति यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे छठने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1952
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा इकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्वामी गोविन्द आनन्दजी।

(अन्तरक)

(2) कृष्ण डी० राजानी और कमूले एस० शाह।
(अन्तरिती)

(3) कृष्ण डी राजानी और मेसर्से गेट स्लिम।
(वह व्यक्ति जिसके मध्यियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 27, तलमाला, गोविन्द महल, 86-बी,
मैरेन ड्राईव, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० नं० अई-1-ए 37ई/10462
85-86 और जो सक्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
16-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जै० मलिक
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1-ए, बम्बई

दिनांक : 10-2-1987

माहर :

* रूप आशै.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निर्देश सं० ई-1-1ए/37ईई/11724/85-86-- अत.
मुझे, जे० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी म० कार्यालय युनिट न० 203, एम्बेसी
सेन्टर, नरीमन पाईट, बम्बई-21 में स्थित है। (और
इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर
है तारीख 16-6-1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिकर्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) भार अंतरिती
(अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
रास्तविक रूप में कार्यस्थ नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायिक्य में कभी करने या उससे करने में सूचिधा
नहीं है; और/या

(क) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आमतः
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स अस्सान इन्टरप्रायसेस।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एल० के० पी० मर्चेंट फिनान्सीग लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया बहु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कांट अंशाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की बचिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की बचिय, जो भी
बचिय बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दख जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

कार्यालय युनिट न० 203, एम्बेसी सेन्टर, नरीमन
पाईट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० [स० ई-1-ए/37ईई/1047 8-ए
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
16-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 10-2-1987
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती प्रिंजलीलाला, कुमारी अयोश लाला,
मास्टर विकास लाला।

(प्रत्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

जबम्बई, दिनांक 10 फूरवरी, 1987

निदेश सं० अई-2-ए/37ई/35186/85-86— अतः
मुझे, सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उत्पाद संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कलैट नं० 12-ए, नूरमहल, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख
27-6-86

को प्रयोक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्पादन प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रयोक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्पादन प्रतिफल से, ऐसे उत्पादन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कसी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री जम्ना भोजराज भाटीया।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना बारी करके प्रयोक्ति सम्पत्ति के बर्चन की विषय कारबाहियाँ करता हूँ।

इष्ट सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की विधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख ते 30 दिन की विधि, जो भी विधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयोक्ति व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इष्ट सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैट नं० 12-ए, जो सातवी मंजिल, नूरमहल बिल्डिंग, टर्नर रोड, बांद्रा (प), बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-2/37ई/351862 + 85-86 और जो लक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

क्र० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 10-2-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई.डी.एन.एस. -----

(1) श्री तोला राम एस बब्लानी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती पदमका एम सालवी और श्री मधुकर
एम सालवी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभगो में सम्पति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, विनाक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं. आई-2/37ई/35091/85-86—अतः

मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा जाता है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
लाभ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार वृद्ध
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर सिकी स० फ्लट नं 34, पेलेस सी वाई यू
बान्ड्रा(प), बम्बई-50 में स्थित है और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क
थ, के अधीन सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय बम्बई में
रजिस्ट्री है। तारीख 27-6-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं।
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममता

फ्लट नं 34, जो पेलेस सी वाई यू, 48 पाली
रोड, बान्ड्रा(प), बम्बई 400050 में स्थित है।अनुसूची जसा की क्र सं आई-2/37ई/35091/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक
27-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बईअतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—तारीख : 10-2-1987
मोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध. ई. एन. एस.-----

(1) श्रीमती आभा सतीश चक्रवर्णी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अंधली सुरेश लाला।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० अर्द्ध-2/37ई/35088/85-86—अतः:

मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं० फ्लाट नं० 11, बान्द्रा सुनिता प्रीमा
बान्द्रा(प), बम्बई-50 में स्थित है। और इससे उपावद्ध
अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है तारीख 27-6-1986को प्रवृक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्ष संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके प्रवृक्ष संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृक्ष
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;
और/या(ख) एसे किसी आयी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाता चाहिए था, छिपाने में संविधा के
लिए;फ्लैट नं० 11, गरेज नं० 9, के साथ जो बान्द्रा
सुनिता प्रीमायसेस को० आप० मोसायटी लिमिटेड, 200/
डी, काने रोड, वेडस्टेड, बान्द्रा (प) बम्बई 400050
में स्थित है।अनुसूची जैसा की श्री० सी० शाह
धन सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 10-2-1987

मोहर :

प्रकृष्ट जाहै.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निवेश में अई-2/37ई/35071/85-86—अतः
मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० शाप नं० 9, होटल मेट्रो पेलेस के
नीचे, बांद्रा, बम्बई 50 में स्थित है। (और इसमें उपावस्था
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख,
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री
है तारीख 27-6-1986

को पर्वतित सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापर्वति सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य,
उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
वास्तविक रूप से कर्त्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के वायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में संविधा के नियाँ
आंदोलन के लिए।

(क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
संविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महमद कासम हाजी फखरुदीन, श्री महमद
फारुक हाजी फखरुदीन और श्री महमद
दस्माईल हाजी फखरुदीन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्ञरीनताज महमदली भीमानी
(अन्तरिती)

(3) अंतरक

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पर्वतित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में संबंध में कांडे भीजाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाय में समाप्त होती है, के भीतर पर्वतित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षमाय;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

बनुसूची

शाप नं० 9, जो होटल मेट्रोपेलेस के नीचे, कानून एंफ
हील रोड और वाटरफोल रोड, बांद्रा, बम्बई 400050
में स्थित है।

अनुसूची जैमा की क्र० सं० अई-2/37ई/35071/
85-86 और जो सक्षम प्राधि कारी बम्बई द्वारा [दिनांक
27-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

के सी शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रस्तुत आइ. टो. एन. पए. . . .

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाध्यकार (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निवेश सं० अई-2/37ई/35068/85-86—ग्रातः

मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, डी, लिवेणी सोसायटी बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है। और इससे उपावेद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-प, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है।

तारीख 27-6-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से ऐसे दद्यमान प्रतिफल के पन्थह प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण तं हृषि किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे गणित वे किसी करने वा उससे करने में सहित वे लिए हौदा

(ब) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य अधिनियमों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए वा छिपाने में सहित वे लिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धति :—

(1) श्रीमती जमनानाई पारसराम और श्री धरमदास गही।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स यूनिवर्सल पेट्रो-केमिकल्स लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जोइ भी बातें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. 101-डी, जो दी लिवेणी को० शाफ० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बत्तीसवा रोड, बान्द्रा बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र सं० अई-2/37ई/35068/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-2-87

माहूर :

प्रलय आई. टी. एन. एस.-----

(1) डॉ शशि शेखर एस० पालेकर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष के अधीन सूचना

(2) कुमारी मंजू मानंधर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निम्नलिखित प्राप्ति—
मुझे, के० सी० शाह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं 110/डी, मंजू महल, बांद्रा,
बम्बई-50 में स्थित है (ओर इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रचित है तारीख 27 जून, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्वह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में
आस्तकीय रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकार नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

फ्लैट नं 110/डी, जो पहली मंजिल, मंजू महल,
35 पाली हिल बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं प्राप्ति—2/37 ई०/35026/
85-86 ओर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक
27 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख : 10-2-1987
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.

(1) श्रीमती रेनू ए० श्रावणी ।

(अन्तरक)

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 प (1) के अधीन सूचना(2) श्री रेहमतूला मी चुनारा,
श्रीमती शिरीनबाई आर० चुनारा,
श्री अजीज आर० चुनारा आंर
श्री फिरोज आर० चुनारा ।

(अन्तरिती)

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं आई-2/37 ई०/35013/85-86—

अतः मुझे, के० सी० शांह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक हैआंर जिसकी गं० पलट नं० 4, काँति अपार्टमेंट, बांद्रा
बम्बई-50 में स्थित है (आंर इसमें उपावड़ अनुसूची में
ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), आंर जिसका कराराना आयात
अधिनियम, 269-क, ये केम्ब्रिन संभव प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27 जून, 1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम केरलस्थान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदेश
किसी बम्बई व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पाल
निवित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; बांर/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाना आहिए था "छपाने में
सुविधा के लिए;फ्लैट नं० 4, जो दमवीं मंजिन, ए विंग कान्ति अपार्ट-
मेंट, माउंट मार्ग रोड, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित
है ।अनुसूची जैसा कि ऋम मं० आई-2/37 ई०/
35013/85-86 आंर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा
दिनांक 27 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।के० सी शाह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) શ્રી ઈ એસ ડિમેલો ।

(अस्तित्वक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

(2) श्री वाई रामकृष्ण राव ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, संसाधन वायकड वायकड (गिरीश्वर)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, सिनाक 10 फरवरी 1987

निवेदण स.० आई०-२/३७ ईई०/३५०००५/८५-८६—प्रतः
मास्ते, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी में० फ्लैट न० 18, जीवन मत्यकाम, बाद्रा, बम्बई-५० में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में प्रौंर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, २६९ क ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कायलिय बम्बई में रजिस्टर्डी है तारीख २६ जन, १९४६

को पूर्वोत्तर सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ज्याधक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिद्धि उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप है कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यधिकारी अन्य व्यक्तिको बाहर अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें ठजने में सविधा के लिए; और/या

फ्लैट नं० 18, जो छठवी मंजिलो, जीवन सत्यकाम को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 57-डी डा० अम्बेडकर रोड, बांद्रा, वर्क्स-400050 मे॒ प्लित है।

अनुमती जैसा कि कम मं० अई०-2/37 ईद०/
35005/85-86 आंग जो सक्रम प्राप्ति कारी, बम्बई द्वारा
दिनांक 26 जन, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आविस्तयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उससे अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त दृवारा इष्टट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :—

तारीख : 10-2-1987

मोहर ३

प्रस्तुत वाहू, टी. पर. एव. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

बाल बरकात

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर भारत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश मं. आई-0/2/37 ईई/34819/85-86—भ्रत:
मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायी सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंगरेजियां सं० ८८८ नं० ६०१, जो जोर्जिना सोसाइटी बांद्रा में बम्बई-५० में स्थित है (अंगरेजियां इससे उपायद्र प्रमुखता में और पूर्ण रूप में अविभागित हैं), अंगरेजियां करार-नामा आयकर अधिनियम, 269 क, ख व के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 20 जून, 1986

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तररत की गई है और मूँह वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रूपरेखा से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की गयी नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से 'हर' किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दिए के दरयमान दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों का, जिन्हें भरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महा काया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में सुनिश्चित के लिए;

उत्तर: जा० उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरमें, भौ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अरीफ एस मुला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माया मोहन विज लाली और
श्री मोहन टी विजलाली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके प्रौद्योगिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय बाल बरकात है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के दरयमान में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रौद्योगिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के दरयमान में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी वन्य व्यक्ति द्वारा जाहोरस्ताभारी के भाव विविध में किए जा सकें।

लक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, व व्यायाम 20-ए में पर्याप्त गया है।

प्रमुखता

फ्लैट नं० ६०१, जो बीविंग, जो जोर्जिना को-ऑप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, शर्ली रान रोड, बांद्रा बम्बई 400050 में स्थित है।

प्रमुखता जैसा की क्र० सं० आई-2/37ईई/34819/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-६-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-2-87

मोहर:

प्रूप आई. टी. एन. एस. —————

(1) मेसर्स फेरेरा इटरप्रेयरेस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) डा० नन्दकिशोर अलाहाबादीया और डा० श्रीमती
संयोगीता एन अलाहाबादीया।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं अर्द्ध-2/37ई/34763/85-86—अतः
मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी म० के० फर्नैट नं 12, सेवीन, बांद्रा, बम्बई-
50 में स्थित है और जिसने करारामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 19-6-1986
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अतरिती (अतरितीयों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए त्रय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/एवं

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में फिरे जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फलैट नं 12, जो पहली मंजिल, सेवीन प्लाट नं ५४,
सेंट पान रोड, बांद्रा, बम्बई 400050 में स्थित है

अनुसूची जैसा की क्रम सं अर्द्ध-2/37ई/34763/
85-86 और जो भक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
19-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एम.-----

(1) बूँदेंड कन्स्ट्रक्शन को०।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) मनोहर एम बेहरानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

निर्वाचित, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां पूर्ण करता है।

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मुझे, को० सी० शाह

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

धारककर आई.पी.नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानकर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित भौं किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० फलैट नं० 41, एरियन, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है और उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 19-6-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोत्तमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ब) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वर्तने के अन्तरक के दायित्व में रुपी करने वा उससे वर्तने में सुविधा के लिए, अर्थ/या

अनुसूची

फलैट नं० 41, जो चौथी मंजिल एरियन, प्लाट नं० 158, पेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की श्री मं० आई-2/37ई/34762/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

को० सी० शाह
सक्षम प्राधि कारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख: 10-2-1987

मोहर:

इस्तम् थाई० टी. एच. एड. १९८८-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूलत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

व एई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निवेश सं० अई-2/37ई/34718/85-86—

अतः मुझे के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परन्तु 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वा०, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में फ्लैट नं० 61, कल्पीतम् प्रीमायसेस बान्ड्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में आंदर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के खो के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 13-6-1986

को पर्याप्त सम्भित के उचित बाजार भूल्य से कम के अवधारण प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्ष की नहीं है और मुझे वह विवरण करने का कारण है कि यथाप्रत्येक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की गयी नहीं किया गया है :—

(1) श्री नुहल अमिन युसुफ काजी।

(अन्तरक)

(2) श्री वेंसीमल तोलाराम बम्लानी और श्री चंद्र वेंसीमल बद्रवानी।

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्व स्त सम्पत्ति के अर्थ में विषय कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के दंतेभ वे कोइ भी धारों —

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकर व्यक्तियों द्वारा से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त हैं, वह अर्थ होणा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

नमस्त्री

फ्लैट नं० 61, जो छाई बीमंजिल, कल्पीतम् प्रीमायसेस को-प्राप्त हाऊर्सिंग सोमायटी लिमिटेड, मोकावा रोड, बान्ड्रा' बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋम सं० अई-2/37ई/34718/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधि कारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः —

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश मं. अई-2/37 ई/34699/85-86—अतः
मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 31, प्लाट नं. 54, बांद्रा
बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13 जून, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
II-506GI/86

- (1) श्री उत्तमचन्द्र के० बाढ़वानी
(अन्तरक)
(2) श्री नारायण दाम अमूमल शांगीयानी और
श्रीमती सीता नारायणदाम शांगीयानी ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ज्ञानेप्रयोग :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

बम्बई

फ्लैट नं. 31, जो सीसरी भविल, प्लाट नं. 54,
सेंट पौल रोड, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है ।
अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई-2/37ई/34699/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में रजिस्ट्री है
बम्बई द्वारा दिनांक 13 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया
गया है ।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रस्तुति आर्द्ध. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा)
269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) बचूभाई सोराबजी इंजीनियर

(अन्तरक)

(2) न्यू इंडिया ट्रेवल्स प्रायवेट लिं.

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर सम्पत्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निवेश मं० अर्द्ध-2/37ई/34439/85-86—ग्रन्त:

मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. भे अधिक है

और जिसकी मं० मेहता बिलिंग, सर्वे नं० 210, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है (ग्रोर इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 5-6-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सद पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त लिंगित में किए जा सकेंगे।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूख किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रदत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन का हिस्मा मेहता बिलिंग के साथ जो सर्वे नं० 210, हिस्सा नं० 8, डी पी एम 3, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है

अनुसूची जैसा की क्र० 1 अर्द्ध-1/37ई/34439/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुग्रहण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

श्रेष्ठ. बड़ौ. टी. ए. एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बोलब, सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० अई-2/37ई/34484/85-86—ग्रन्त.

मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० फचट नं०० जी-३, हिल-एन-सी-बान्द्र बम्बई 50 में स्थित है) और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और माझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्रीमती नसीम काजी कबीरझीन।

(अन्तरक)

(2) श्री गेकानन्द मनेकचन्द भरेजा।

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जारीकृत होना चाहिए।

दूसरा बम्बई के ६ ईं संघन्द तंत्र द्वारा भी बाल्पुर,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में ब्रकाश की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बहु भूमि समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिक दूधारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में ब्रकाश की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोइस्टाइरी वाले लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का भा० पर्याप्त है, वही वर्थ होगा, जो उक्त आकाद्य में दिया गया है।

मनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय सा किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भू, भवत अधिनियम की धारा 269-व की अपभावा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट न० जी-३, जो हिल-एन-सी अपार्टमेंट, पाली हिल, बान्द्रा बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं० सं० अई-2/37ई/34484 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
ग्रंजन रेंज-2, बम्बई

तारीख 10-2-1987
मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, वाहायक बाजार बाजार (प्रिवेट)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फूरवरी 1987

निवेश सं० आई-2/37ई/34553/85-86—अतः

मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आॅफिस नं० 401, माधवा, बांद्रा, बम्बई-51 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर प्राधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 6-6-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धिक वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मेसर्स जेफरन रोलीमर एलॉम।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कोस्टल सर्वे एण्ड कनसल्टन्सी सर्वीसीस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के दिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोइं भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भै किए जा सकेंगे।

प्रतिक्रिया:—इसमें प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के द्वारा 20-36 में वर्णित हैं, वही वर्ज द्वारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सम्पत्ति के बर्बन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कार्य करने वा उक्त से बचने वा सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

आॅफिस नं० 401, जो चौथी मंजिल, माधवा बिल्डिंग प्लाट सी-4, ई ब्लाक बांद्रा-कूली, कर्मण्यल काम्पलेक्स बांद्रा(पु), बम्बई 400051 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० आई-2/37ई/34553/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिक्षयों, अथवा :—

तारीख: 10-2-1987.
मोहर

प्रस्तुत व्यापक टी. एस. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई :

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं ० अर्द्ध-2/37ई/34596/85-86—अत

मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी न० फ्लैट न० ९, लान्सलोट हाउस, बांद्रा, बम्बई-५० में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है।

तारीख 12-6-1986

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित यास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बदने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन वा अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की नंग 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

(1) श्री शरद गोविन्द पाठक और कुमारी ज्योत्सना विजयसीगरपूरे।

(अन्तरक)

(2) अयाज अमिरली मिथा और अमिरली हबीब मिथा।

(अन्तरिती)

•

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकें।

स्टॉफरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० ९, जो पाचवी मिजिल, लान्सलोट हाउस, ८६, डॉ० पीटर डायल, रोड बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैमा की न० स० अर्द्ध-2/37ई/34596/85-86 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 10-2-1987
मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० आई-2/37ई/34609/85-86—अतः
मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप स्पेस न० 3, बिमजी पेलेस, बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 13-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल का पढ़हुं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभार्य (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कलाभारती डेवेलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीतू जगदीश लालवानी और श्रीमती जया प्रकाश लालवानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांहूँ भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यदितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षणी के पारं लिखित में किए जा सकेंगे।

सार्वोक्तरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 3, जो तल मंजिल, बिमजी पेलेस, 39 हिलरोड, बांद्रा बम्बई-400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2/37ई/34609/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई शारा दिनांक 13-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

के० भी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रकृत वाद, भौतिकीय अधिनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज - 2, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश में अई-2/37 ई/34610/85-86—अन्तः
मुद्रे, को० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में गाँपन० 2, खिमजी प्लेम, बांद्रा, बम्बई-
50 में स्थित है (और इसमें उपांचढ़ी अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसमें कारानामा आयकर अधि-
नियम, 269 व, व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय वर्गवई में रजिस्ट्री है तारीख 13 जून, 1986

को पर्याकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का
मन्त्रह प्रतिपत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) आउ-
न्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण मिछित
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया जा सकता है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर वर्जे के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तित्वों
को, जिसके भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिसूचना:

- (1) मैं० कला भारती डेवलपमेंट कारपोरेशन।
(अन्तरक)
(2) द्वारका प्रसाद अवनार राम लालवानी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवृत्त के लिए
कार्यवाहिणी शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक आदि में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गाँप स्पेस न० 2, जो तल मंजिल, खिमजी प्लेस,
39, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क० म अई-2/37ई/34610/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
13-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

क० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-2-1987

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.

(1) श्री ओ० पी० शर्मा

(अन्तरक)

आमदार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
धारा 269-व (1) के बचत सूचना

(2) श्रीमती अरुणदत्तकुमार गावर्ण।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(अन्तरिती)

वारकर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फर री, 1987

निदेश सं० अई-2/37ई/34649/85-86—अतः

मुझे के० मी शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वु एवं अमान्त्र प्राधीनकारी को इह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० पेंट हाउस, प्लाट नं 29, बांद्रा, बम्बई में स्थित है और इसमें उपावड़ ग्रनमूनी में पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका इरानामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधीनकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 13-6-1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लियमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के अन्दर प्रतिवृत्त से अधिक है और अन्तरक (बन्तरित) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा वाया यदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरित संस्थित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

जैक्स अंशतात्त्व के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्त्रेप है—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में छापत होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहूध किसी व्यक्ति द्वारा अधोग्रस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेट हाउस जो प्लॉट नं० 28, गोलफ, शीक स्कीम पाली हील दांडा, बांद्रा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० म० अई-2/37ई/34649/85-86 और जो मक्षम प्राधीनकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1986 को रजीस्टर्ड फा गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधीनकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

इतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरित में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख: 10-2-1987

मोहर:

प्रेसप्र आई.टी.एन.एस.-----

(1) कलाभारती डेवलोपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती चंपाबेन तेजपाल शाह।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

शार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं. अई-2/37ई/34611/85-86—अतः,

मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. शाप स्पेस नं. 1, खिमजी पेलेस,
बांद्रा, बम्बई 50 में स्थित है और इससे उपांड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख
13-6-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का
अंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अनुरम विविध
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के उपर्युक्त
में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए;
और/या(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा
के लिए;को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप स्पेस नं. 1, जो तल मंजिल, खिमजी
पेलेस, 39, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई 400050 में स्थित है
अनुसूची जैसा की क्र. सं. अई-2/37ई/34611/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
13-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बईअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-क की अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—506GT/86

तारीख : 10-2-87

मोहर :

प्रस्तुत आइ. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निवेश सं० श्री-2/37ई/34612/85-86—ग्रातः
मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप स्पेस नं० खिमजी पेलेस,
बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है और इससे उपावड्ह अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन
सकाम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख

13-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका०) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे उत्तरण के लिए हय गाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्छ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहाया के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर)
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कलाभारती ऐवल्पप्रेसेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) मनीलाल गाँवशी शाह और चंद्रकांत गाँशी शाह।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप स्पेस नं 4, तन मंजिल, खिमजी पेलेस,
39, हिल रोड, बान्द्रा बम्बई 400050 में स्थित है।
अनुसूची जैसा की क्र० सं० श्री-2/37ई/34612/
85-86 और जो यक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
13-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० श्री० शाह
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बम्बई

तारीख : 10-2-87

मोहर :

प्रकाश भाइंड द्वारा प्रकाशित

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत लाइब्रेरी

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० अर्द्ध-2/37 ईंड०/34613/85-86—अतः
मुझे, के० सी० शाह,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेकास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, बांद्रा भंडार प्रीमायसेस,
बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावदू अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारण भाग
आयकर अधिनियम, 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 13 जून, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वा अधिक
प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवेकास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उत्तमान प्रतिफल से, एसे उत्तमान प्रतिफल का
गहरा अंतरिक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्षी
(अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या कम्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
का० अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाना चाहिए था, जिसमें मैं सूचित
के लिए;

अतः अब, उपर लिखित व्यक्तियों की भारा 269-व के, अनुसूच
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान :—

(1) श्री मिलिद के० कूडलकर।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० के० वार्ता,
डा० के० आर० वार्ता और
डा० एम० के० देसाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

इन्ह लम्बित वा बचन के सम्बन्ध में काहे भी बातेप इ—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, वा भी
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रथम दबो और पहो वा, वा उक्त
अधिनियम के बधाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त बधाय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो बांद्रा भंडार प्रिमायसेम को० आपरेटिव
सोसायटी लिमिटेड, 193, गुरु नानक रोड, बांद्रा, बम्बई
400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अर्द्ध-2/37 ईंड०/
34613/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हाग
दिनांक 13 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी 10-2-87

मोहर :

प्राप्त आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

निवेश सं० आई०-2/37 ईई० 35098/85-86—अतः
मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 73, न्यू मिल्वर होम, बांद्रा,
बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 269 का ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27 जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/मा

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अनिवार्य द्वारा प्रकट नहीं किया जाना आविहए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० श्रूण के० बनर्जी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमेरा श्रीकबर श्रीबद्वलसी और
श्रीमती मुमताज अजीज पटेल।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में अपनि है)

(4) मै० न्यू सिल्वर होम को० आपरेटिव
हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहन्सनाकरी के पास
लिखित में चिए जा सकते।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 73, जो मातवी मंजिल, न्यू सिल्वर होम,
6 एक न्यू कांतावाड़ी रोड, बांद्रा, बम्बई-400050 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि ऋम मं० आई०-2/37 ईई०/35098/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27
जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृति (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987

(1) श्री एन० एन० भोजवानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एन० छत्रिया ।

(अन्तरिती)

(4) श्री नीबाना को० आपरेटिव हाउर्सिंग सोसाइटी
लिमिटेड ।(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

निर्देश सं० आई०-२/३७ ईई०/३४८२३/८५-८६—अतः

मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० छठ मंजिल, पर फ्लोट, नीबाना बांद्रा
बम्बई-५० में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करनामा आयकर
अधिनियम, 269 का ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 20 जून, 1986को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर इन के अतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रबंधी व्यक्तियों ७० र
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
षित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अन्तसूची

छठवीं मंजिल, पर फ्लैट, जो नीबाना बी बिल्डिंग,
पाली हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-४०००५० में स्थित है :अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-२/३७ ईई०/३४८२३/
८५-८६ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
20 जून, 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृति (निरीक्षण)
ग्रजन रेज-2, बम्बई

तारीख : 10-2-1987

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जेन रे ज, बगलौर

बगलौर दिनाक, 3 फरवरी, 1987

निदेश स० डी० आर०—1773/86-87 ए० स० क्य०/

बी,—यत् मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि सर्वेक्षण स० 681 (पुराना) स० 791,
101 (नया) कालापुर गाव (साताकूज) तिवाडी ता० उपजिला—
इल्हास, गोवा जिला मे॒ स्थित है (और इसपे उपावद्ध अनुसूची
मे॒ और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
स० 28, इन्फैन्ट्री रोड, बगलौर मे॒, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-10-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाचार्यत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उम्मेद बाजार मूल्य मे॒ अमूल्य अनियमित है।
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती
(न्यायालैंडिया) के दीर्घ ए भूतकाल मे॒ लिए तथा यथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
मे॒ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिकारी के बायकर अंतरण के बायकर के बायित्व मे॒
कमी करने वा उससे बचने मे॒ युविधा के लिए;

(ख) एसी किसी बाय वा किसी धन वा वन्य वास्तवियों
के बिना भारतीय बायकर अंतरण, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिकारी के धन
प्रयोजनार्थ बताई एवारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था। छिपाने मे॒ युविधा
के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसूचणा
मा॒, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) फादर फासिस्को अटोनियो ऐस्सि रेनाटो डी० रोगो
अलियास ऐस्सि रेनोटो डी० रोगो, सुपुत्र श्री अन्टो-
नियो अग्रस्टो डी० रोगो, एन० स० 111, फाटेइन्हास
पणजी, गोआ-403 001।
- (2) डा० श्रीमति मारिया द पियेदाद डो रोगो इ० सिल्वेरा,
अलियास डा० मारिया द पियेदाद डो रोगो, सुपुत्री
जाओ फिलिप डो० रीगो, अल्टो पोवोरिम, बोर्डेज,
गोआ—403 501।
- (3) कुमारी मारिया डी० लार्डस डो० रोगो, सुपुत्री डा०
जीओ फिलिप डो० रोगो, स० ई० 105, सेगुडो बैरो
साताकुज, इल्हास, गोआ।
- (4) डा० एडगर फासिस्को सिल्वेरा, सुपुत्र स्व० श्री
बास्सुएन सिल्वेरा, आल्टो पोवोरिम, बार्डेज, गोआ।
- (5) श्री अटोनिया डी० रीगो, सुपुत्र जोआ फिलिप
डा० रीगो, स० ई० 105, सगुडो बैरो, साता
कुज इल्हास गोआ।
- (6) कुमारी मैन्युएल मारिया डी० रीगो, सुपुत्री
डा० डीरीगो, जोआ फिलिप स० ई० 105, सगुडो
बैरी साता कुज, इल्हास गोआ।
- (7) श्री अरविन्द दिलिप डी० रीगो, सुपुत्र फनाडो
ओलावो जोखिम डो० रोगो अलियास फनाडो डो० रोगो
एच० स० 111, फाटेइन्हास, पणजी, गोआ।
- (8) श्री सुनील प्रवीण डी० रीगो, सुपुत्र फनाडो ओलावो,
जोखिम डो० रोगो, अलियास फनाडो डी० रीगो, एच०
स० 111, फाटेइन्हास, पणजी, गोआ।
- (9) कुमारी वहीदा तेरेसा डी० रीगो, सुपुत्री फनाडो ओलावो
जोखिम डो० रीगो, अलियास फनाडो डो० रीगो, एच०
स० 111, फाटेइन्हास, पणजी, गोआ।
- (10) श्री विवेक सुभाष डो० रीगो, सुपुत्र फनाडो ओलावो,
जोखिम डो० रीगो अलियास फनाडो डो० रीगो, एच०
स० 111, फाटेइन्हास, पणजी, गोआ।
- (11) श्री बेनार्ड चार्ल्स सल्डान्हा, सुपुत्र श्री गिलबर्ट चार्ल्स
सल्डान्हा मेनेजस, 10, डायमण्ड अपार्टमेंट्स, माउण्ट
मेरी रोड, बाद्रा, बम्बई।
- (12) श्री इवान विस्तोफर सल्डान्हा, सुपुत्र श्री गिलबर्ट
चार्ल्स, सल्डान्हा मेनेजस, 10, डायमण्ड अपार्टमेंट्स,
माउण्ट मेरी रोड, बाद्रा, बम्बई।
- (13) श्रीमति मारिया किसोमिया सल्डान्हा मेनेजस,
सुपुत्री श्री निल्वर्ट चार्ल्स सल्डान्हा मेनेजस, स० 5,
हिल निकेतन, माउण्ट, मेरी रोड, बाद्रा बम्बई।
- (14) श्री सेंट्रिक फ्रासिस मेनेजस, सुपुत्र श्री मारिया मेनेजस,
स० 5, हिल निकेतन, माउण्ट रोड, बाद्रा, बम्बई।
(अन्तरक)

(2) मेनस॑ एल्कीन कन्स्ट्रक्शन्स, वेल्हो विल्डिंग, पणजी,
गोआ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर उपरा की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों द्वारा फ़िर्सी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित हो किए जा दूँगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रथम छव्वी और पहां का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जाता है।

अनुसूची

दस्तावेज मं. 1334/86-87 दिनांक 27-10-1986

वह सभी सम्पत्ति जो “कानेम्बट्टा इ पार्टेदाहोटा करेस्पाडोट ओट आं मेस्सो इ ओटेइरो का कारम माडान्सेइरा आडेकाओ”

नाम से परिचित है, जो तकरीबन 88,440.00 एम० 2 मापता है और कालापुर ग्राम, (सांताकुज, तिस्वाडी तालुका इल्हास, उप-जिला, गोंप्रा जिले में स्थित है श्रीर जो भूमि सर्वेक्षण विभाग में सं. 69 (पुराना) सं. 79/1, 10/1, 121/1 (नया) अन्वर वर्णित है तथा भूमि पंजीकरण कार्यालय (कन्सर्वेटरिया डो रेजिस्टो प्रेवियाम) में पहले (1963 तक) नयी-पुस्तिका बी-1, के उल्टे पल्ले पर सं. 217 अन्वर पृष्ठ 109, में तथा अब नयी पुस्तिका बी-60 के उल्टे पन्ने पर सं. 22265 अन्वर पृष्ठ 59 में वर्णित है और क़ादार ऐरेस रेनाटो डो रीगो, नाम में द्रांत्सविषन बुक सं. सी० 40 में पृष्ठ 114 में, उल्टे पन्ने पर सं. 2711 के अन्वर पंजीकृत है तथा भूमि राजस्व कार्यालय (पेट्रिक्स) में सं. 326 के अन्वर पंजीकृत है।)। संस्पत्ति की सीमाएं इस प्रकार हैं—(भूमि पंजीकरण कार्यालय के अनुसार)

पूरब	: क्वेन्को की पहाड़ियां
पश्चिम	: एक पुराना सार्वजनिक मार्ग और एक आवारण दीवार जो कोडियाखो चेहटो को मोरी (सांग्रिया) से अलग करती है जहां उक्त पहाड़ी “काजरेम मांडा” तथा उक्त मोरी (सांग्रिया) के कई वृक्ष हैं।
उत्तर	: दूकिलया कामोटिम का श्रफोरमेंटो तथा
दक्षिण	: कम्युनिडाद की पहाड़ी (अब एक सार्वजनिक मार्ग बास्बोलिम प्लेटो का नया सार्वजनिक मार्ग।

नए सर्वेक्षण अभिलेखों के अनुसार सीमाएं हैं :—

पूरब	: कालापुर ग्राम के सर्वेक्षण में 78 108 व 120
पश्चिम	: पुराना सार्वजनिक मार्ग
उत्तर में	: एक मार्ग और सर्वे सं० 79/2 तथा कालापुर ग्राम का सर्वे सं० 122—बास्बोलिम प्लेटो का नया सार्वजनिक मार्ग।

“बी”

उक्त “ए” में पूर्ण वर्णित भूमि का वह सभी भाग जो करीब 19,000.00 एम०—2 मापता है और जो कजरेम मांडा भाग “ए” के नाम से माना जाता है और जिसकी सीमाएं हैं :—

पूरब	: वेंकेटेसा बानू सिनाय क्वेन्को की सम्पत्ति
पश्चिम	: पुराना सार्वजनिक मार्ग
उत्तर	: दूकिलया कामोटिम ए श्रफोरमेंटो तथा सम्पत्ति बाकी भाग जो करीब 69,400.00 एम०—2 मापता है और जो नीचे “मी” में वर्णित है और जो अब कजरेम मांडा भाग “बी” के नाम से पहचाना जाएगा।

“मी”

उक्त “ए” में वर्णित भूमि का वह सभी भाग जो करीब 694 00.00 एम—2 मापता है और जो अब “काजरेम मांडा भाग—“बी” के नाम से पहचाना जाएगा और जिसकी सीमाएं हैं :—

पूरब	: वेंकेटेसा बानू सिनाय क्वेन्को की सम्पत्ति।
पश्चिम	: एक पुराना सार्वजनिक मार्ग
उत्तर	: उसी सम्पत्ति का बाकी भाग जो करीब 19000.00 एम—2 मापता है और जो फादर ऐरेस रेनाटो डो रीगो की सम्पत्ति है और जो उक्त “बी” में वर्णित है और जो अब “काजरेम मांडा—भाग—ए” के नाम से पहचाना जाएगा और बास्बोलिम प्लेटो का नया सार्वजनिक मार्ग।
दक्षिण	

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकरी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख : 3-2-1987
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
New Delhi-110 001, the 16th December 1986

No. A-12025(ii)/1/85-Admn.III.—Consequent on his having been nominated to the Union Public Service Commission as Section Officer on the basis of Combined Limited Departmental Competitive Examination 1985 vide Department of Personnel & Training O.M. No. 5/8/86-CS(I) dated 28th Oct. 1986, the President is pleased to appoint Shri Amrit Lal (Rank-6) a permanent Assistant of this office to officiate as Section Officer of the CSS Cadre of Union Public Service Commission with effect from the 28th November, 1986 until further order :—

2. This appointment shall be subject to the decision of the court case pending before the Central Administrative Tribunal, New Delhi, Mahesh Kumar Vs. O.O.I. T. No. 420/85.

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRPF
New Delhi-110 003, the 26th February 1987

No. O.II-1483/80-Estt.I.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Dalip Singh relinquished the

charge of the post of Dy. S. P. 27Bn. CRPF in the afternoon of 31-12-1986.

No. O.II-1501/80-Estt.I.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Khajoor Singh relinquished the charge of the post of Dy. S.P., GC, Bantalab, CRPF in the afternoon of 31-1-1987.

No. O.II-1635/81-Estt.I.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Chail Bihani relinquished the charge of the post of Dy. S. P. 85 Bn. CRPF in the afternoon of 31-1-1987.

No. O.II-1455/79-Estt. I.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Nanak Singh relinquished the charge of the post of Dy. S. P. 1st Bn. CRPF in the afternoon of 31-12-1986.

No. O. II-1653/81-Estt. I.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Bhani Ram, Dy. S. P. relinquished the charge of the post of Dy. S. P. 3rd Bn. CRPF in the afternoon of 31-12-1986.

KISHAN LAL
Dy. Director (Estt.)

New Delhi-110003, the 18th December, 1986

No. P.VII. 5/84-Estt-I (Vol-III).—The President is pleased to appoint on promotion the following Inspectors of C.R.P.F. to the post of Dy.S.P./Company Commanders/Quarter Masters in CRPF on ad-hoc/regular basis.

2. They took over the charge of the post in the unit on dates indicated against their names :—

Sl. No.	Name of officer	Ad-hoc basis			Regular basis	
		Unit	Date of taking over charge	Unit	Date of taking over charge	
1. Sh. N.B. Bhonsle	.	112 Aux Bn	7-11-84	48 Bn	9-5-85	
2. Sh. B.K. Nambiar	.	114 Aux Bn	7-11-84	19 Bn	4-5-85 AN	
3. Sh. Mukh Ram Yadav	.	106 Aux Bn	6-11-84	29 Bn	16-9-85	
4. Sh. Sodi Ram	.	—	—	51 Bn	16-5-85	
5. Sh. Narain Singh	.	—	—	69 Bn	17-6-85	
6. Sh. Dhan Singh	.	111 Aux Bn	6-11-84	28 Bn	26-7-85	
7. Sh. Keshar Singh	.	112 Aux Bn	9-11-84	18 Bn	22-8-85	
8. Sh. Hari Narain Rai	.	108 Aux Bn	6-11-84	29 Bn	21-9-85 AN	
9. Sh. M. Devarajan	.	108 Aux Bn	6-11-84	42 Bn	1-4-86	
10. Sh. K.C. Yadav	.	115 Aux Bn	7-11-84	66 Dn	10-6-85	
11. Sh. S.S. Sharma	.	113 Aux Bn	6-11-84	39 Bn	7-6-85	
12. Sh. Chander Dhan Basoya	.	108 Aux Bn	6-11-84	4 Bn	28-3-86	
13. Sh. Surat Singh	.	103 Aux Bn	6-11-84	52 Bn	28-1-86	
14. Sh. Net Ram	.	101 Aux Bn	7-11-84	46 Bn	12-10-85	
15. Sh. B. Subhash Chander	.	115 Aux Bn	7-11-84	70 Bn	26-7-85	
16. Sh. S.B. Nair	.	113 Aux Bn	6-11-84	11 Bn	19-6-85	
17. Sh. Pradeep Kumar	.	104 Aux Bn	6-11-84	58 Bn	6-5-85	
18. Sh. P.S. Mohd. Yakub	.	104 Aux Bn	6-11-84 AN	Reverted as Insp. wef 25-3-86 (AN)		
19. Sh. Sumer Chand Saini	.	103 Aux Bn	6-11-84	3 Bn	15-5-85	
20. Sh. Parminder Singh	.	—	—	37 Bn	11-8-85	
21. Sh. Ramnath Singh	.	106 Aux Bn	10-11-84 AN	47 Bn	15-5-85 AN	
22. Sh. Satbir Singh	.	111 Aux Bn	6-11-84	4 Bn	26-7-85 AN	
23. Sh. Trilochan Singh	.	111 Aux Bn	6-11-84	86 Bn	18-7-85 AN	
24. Sh. S.K. Ghai	.	105 Aux Bn	6-11-84	73 Bn	29-5-85 AN	
25. Sh. S.P. Singh	.	103 Aux Bn	15-11-84	2 Bn	15-5-85	
26. Sh. Suraj Bhan	.	101 Aux Bn	13-11-84	6 Bn	17-1-85	
27. Sh. A.K. Singh	.	102 Aux Bn	7-12-84	60 Dn	13-9-85	
28. Sh. Pritam Singh	.	105 Aux Bn	24-11-84	1st Sig	15-6-85	
29. Sh. Sultan Singh	.	101 Aux Bn	7-11-84	2 Bn	6-7-85 AN	
30. Sh. D.D. Joshi	.	109 Aux Bn	4-12-84	Reverted as Insp. wef 15-4-86 AN		

The 20th February 1987

No. F.2/76/86-Estt.I.—The President is pleased to sanction proforma promotion to Shri A. Guha Roy, Commandant presently on deputation with the Ministry of Home Affairs to the rank of Addl. DIGP with effect from 23-10-1986 i.e. the date when his immediate junior officer, Shri P. K. Menon took over the charge of Addl. DIGP in the CRPF in the scale of Rs. 1800-2000 (pre-revised).

The 24th February 1987

No. O-II-1538/81-Estt.—Shri Daya Nand, Dy. S. P. 40th Bn. CRPF expired on 1-1-1987 (AN). He is accordingly struck off the strength from the forenoon of 2-1-1987.

The 26th February 1987

No. P.VII.1/85-Estt (CRPF).—The President is pleased to sanction Proforma Promotion to the following Inspectors of CRPF who are presently on deputation with S.S.B., to the rank of Deputy Superintendent of Police in the CRPF from the dates noted against their names :—

1. Shri Sada Nand Singh—15-4-1986
2. Shri Lallan Singh Yadav—30-4-1986

ASHOK RAJ MAHEEPATHI
Asstt. Director (Estt.)

**DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110003, the February 1987

No. F-16014(6)/1/85 Pers.I/343.—Consequent upon his repatriation to IB, Shri Rajeshwari Singh, relinquished the charge of Asstt. Commandant, CISF Unit, BII BIII AI w.e.f. 31-1-87 (AN).

The 20th February 1987

No. E-28017/10 '84-Pers.II/241.—Consequent on his retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation, Shri Nathuni Ram relinquished charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit Rourkela Street Plan, Rourkela, in the afternoon of 31st January, 1987.

The 23rd February 1987

No. F-16013(2)/5/87-Pers.I/20.—On appointment on deputation, Shri K. S. Jangpangi, IPS (Ker : 78) assumed charge of the post of Commandant, CISF Unit, HTPP, Hardwaon with effect from the afternoon of 11th February, 1987.

D. M. MISRA
Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA
New Delhi, the 25th February 1987

No. 10/6/86-Ad I.—The President is pleased to appoint Shri Mahendra Nath, an officer of Central Secretariat Services, to the post of Joint Registrar General India (scale of pay Rs. 2000-2250), in the office of the Registrar General India with effect from the forenoon of 24th February 1987, until further orders.

The headquarters of Shri Mahendra Nath will be at New Delhi.

The 26th February 1987

No. P/N(20)/Ad I.—On attaining the age of superannuation, Shri Prem Nariani, (Grade I Officer of CCS), holding the post of Deputy Director of Census Operations by transfer of deputation, in the Directorate of Census Operations, Maharashtra at Bombay, under this Organisation retired from Government service, with effect from the afternoon of the 31st January, 1987.

Dy. Director (Admn.)

The 27th February 1987

No. 10/30/81/Ad. I.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint by promotion Shri K. S. Thakur, Senior Geographer in the office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Shimla, to the post of Research Officer (Map) in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra Bombay, on a regular basis and in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5-2-1987, until further orders.

The headquarters of Shri Thakur will be at Bombay. He will be on probation for a period of two years.

V. S. VERMA
Registrar General, India

**INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES-I**

New Delhi, the 24th February 1987

No. Admn.I/O.O. No. 296.—The Director of Audit, Central Revenues-I, has ordered under 2nd proviso to the F.R. 30(I), the proforma promotion of Shri R. D. Gautam, a permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office, to the grade of Audit Officer in the time scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500, with effect from 20-2-1987 (F.N.) until further orders.

Sd/- Illigible
Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta-700 001, the 20th February 1987

No. Admn.I/C/470/3097-98.—The Director of Audit, Central, Calcutta has been pleased to appoint Shri Nani-gopal Kar, Assistant Audit Officer (Group—'D') to officiate as Audit Officer (Group—'B') in the scale of Rs. 3275-75-3200-EB-100-3500 from 8-1-1987 (F.N.) in the office of the Director of Audit, Central, Calcutta until further orders.

S. K. BAHRI
Dy. Director of Audit (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)
I : BIHAR :**

PATNA, the 13th February 1987

No. Admn. I(Audit)I/20-5 1482.—The Accountant General (Audit) I, Bihar, Patna has been pleased to promote Shri Mahendra Prasad Guria Asstt. Audit Officer to the post of Audit Officer (Group 'B') Gazetted in an officiating capacity from the date of taking over the charge i.e. from 3rd December 1986 (F.N.) in the pay scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500.

Sd./-Illigible
Dy. Accountant General (Admn.)

**MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi, the 20th February 1987

No. 12(446)/64-Adm (G).—The President is pleased to permit Shri N. K. Srikanthaiah, Deputy Director, Branch SIST Gulbarga under SISI Hubli to retire voluntarily from Govt. service with effect from the afternoon of 28-11-1986 under Rule 48(A) of the CCS (Pension) Rules 1972.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL & MINES
 (DEPARTMENT OF STEEL)
 IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 23rd February 1987

No. EI-12(61)/83(.).—Consequent on his relinquishment of charge, Shri D. K. Jha, Hindi Officer (ad-hoc) in the office of the Iron & Steel Controller Calcutta is hereby relieved on the afternoon of 4-2-1987.

S. K. SJNHA
 Dy. Iron & Steel Controller

KHAN VIBHAG
 GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 23rd February 1987

No. 1815C/A-19011(1-SS)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri Sabyasachi Shome to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20-1-87, until further orders.

No. 442D/A-32013(1-SAO)/82-19A.—The President is pleased to appoint the following Administrative Officers, Geological Survey of India, as Senior Administrative Officer on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in the same Department in an officiating capacity with effect from the afternoon of 30-12-86, until further orders.

1. Shri A. K. Chatteraj
2. Shri J. J. Chakraborty

No. 1145B/A-32013/1-Geo(Sr.)/82-19A.—The President is pleased to grant Shri V. K. Anand, Geologist (Junior), Geological Survey of India proforma promotion to the post of Geologist (Senior) in the same Department in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- with effect from 17-10-1981 under 'Next Below Rule'.

The 24th January 1987

No. 476D/A-19012(3-GH)/83-19B.—Shri Gobinda Halder, Chemist (Jr.) GST, has made over charge in GST with effect from the afternoon of 21-6-85 for joining the post of Asstt. Manager (Chem. Prob.) in the Indian Ordnance Factories Service, Ministry of Defence Kirkee. This supersedes the earlier notification No. 12196B/A-19012(3-GH)/83-19B dt. 20-12-85.

No. 1159B/A-19011(1-RSG)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri Raicendra Singh Garkhal to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-10-900-FB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16-12-86, until further orders.

No. 1181B/A-19012(4-SCS)/86-19B.—Shri S. C. Sharma, Sr. Tech. Asstt (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the GST by the Director General, GST on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FR 35-880-40-1000-EB-40-1200/- (Old scale) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2-9-1986 until further orders.

No. 1193B/A-19011(1-RC)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri Raman Chawla to the post of Geologist (Sr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 24-11-1986, until further orders.

No. 1213B/A-19011(1-ANS)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri A. Naga Shashidhar to the post of Geologist Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- an officiating capacity with effect from the afternoon of the 5-12-86, until further orders.

The 25th February 1987

No. 1245B/A-19011(4-AH)/19B.—Sri A. Hussain received the charge of the post of Drilling Engineer (Jr.) in the Geological Survey of India on reversion from deputation to the Government of Sultanate of Oman in the same capacity with effect from 2-6-86.

No. 1887C/A-19011(1-DD)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri D. Dhanaraju to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15-12-1986, until further orders.

No. 1902C/A-19011(1-CT)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri C. Thanavelu Asstt. Geologist, G.S.I. to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-FB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 14-11-1986, until further orders.

No. 1273B/A-19011(1-RJK)/19B.—Shri A. Jaya Kumar relinquished charge of the post of Geologist (Jr.) on 31-12-85 (AN) for joining the post of Deputy Manager/Senior Project Officer in the scale of pay of Rs. 750—1350/- in the office of the Chairman & Managing Director, Tamil Nadu Minerals Ltd., 31-Kamarajar Salai, "Twad House", Chepauk, Madras on deputation initially for a period of one year on the normal terms and conditions.

No. 1259B/A-19011(4-AH)/76/19B.—The President is pleased to appoint Shri A. Hussain, Drilling Engineer (Junior), Geological Survey of India, on promotion as Drilling Engineer (Senior) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2nd June, 1986 until further orders.

A. KUSHARI
 Director (Personnel)

Calcutta-16, the 25th February 1987

No. 1232B/A-32013(3-D.Mech)/80-19B.—The President is pleased to appoint Shri C. S. Vincent, MF(Sr.) of the Geological Survey of India on promotion as Director (Mech. Engineering) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-2000/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-1-87, until further orders.

N. K. MUKHERJEE
 Sr. Dy. Director General (Op.).
 Geological Survey of India

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY
 INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 24th February 1987

No. A.38019/II/83-E.I.—The undesignated Asstt. Meteorologists of India Meteorological Department retired from the Government service on the dates mentioned against their names, on attaining the age of superannuation :

S. No.	Name	Date of retirement
1.	Shri P.P. Narayanan . . .	30-1-1986
2.	Shri N. Mookerjee . . .	31-12-1986
3.	Shri N. Veeraghavan . . .	31-12-1986

ARJUN DEV
 Meteorologist (Gaz. Estt.)
 for Director General of Meteorology

New Delhi-3, the 23rd February 1987

No A 32013(Dir)/6/84-EI.—The President has been pleased to appoint the undermentioned Meteorologists Grade-I to officiate as Director in India Meteorological Department with effect from the dates indicated against their names and until further orders :—

S.I. No.	Name	Date from which offi- ciating as Director
1.	Shri M. Vaidyanathan	14-8-1986
2.	Shri Bhukan Lal	8-9-1986
3.	Shri K.C. Haldar	8-9-1986
4.	Shri M.C. Pant	29-9-1986
5.	Shri B.R. Yadav	12-1-1987

S. D. S. ABBI
Dy. Director General of Meteorology
(Administration & Stores)

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 17th February 1987

No 1/2 86-S II—in supersession of this Directorate's Notification No 2/5 68-S II Vol II dated 25-2-86 and in pursuance of Ministry of Information & Broadcasting's Order No A-40017/1/85-Vig (IV) dated 1-12-86 and 30-12-86 Shri P. D. Achari, Administrative Officer is reinstated in Government service and posted at All India Radio, Madurai w.e.f 2-1-87 by the Director General, All India Radio, New Delhi vide Directorate's Order No. 1-7-86-S-II dated 2-1-87.

2 Shri P. D Achari has assumed the charge of the post of Administrative Officer, All India Radio, Madurai, w.e.f. 22-1-87.

3. In accordance with Clause (jj)(i) of rule 56 of the Fundamental Rules, the President has decided that the period between the date of retirement and reinstatement of Shri P. D Achari shall be treated as a period spent on duty for all purposes including pay and allowances.

The 23rd February 1987

No. 15 4 72-Vig S II.—Shri Charanjit Singh, Extension Officer, All India Radio, Jalandhar was prematurely retired from Government Service under clause (j)(i) of Rule 56 of the Fundamental Rule vide DG : AIR Notification No. 15 4 72-Vig S II dated 21-2-86.

2. Shri Singh submitted a representation against the order of his premature retirement.

3. After considering his representation with reference to relevant records and after taking into consideration all facts and circumstances of the case the President has decided that Shri Singh should be reinstated in Government Service

4. In pursuance of the aforesaid decision Director General, All India Radio has reinstated Shri Charanjit Singh as Extension Officer and posted him at AIR, Jalandhar vide Order No 15 4 72-Vig S II dated 17-12-86 Shri Charanjit Singh resumed the charge of Extension Officer at Jalandhar w.e.f 21-12-86 (F.N.). The period between the date of retirement and the date of reinstatement of Shri Singh shall be treated as a period spent on duty for all purposes.

ASHUTOSH KURI
Dy. Director of Administration
for Director General

(MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF NEWSPAPERS FOR INDIA

New Delhi-110066, the 7th January 1987

No. A-19011 2/84-Admn.—In continuation of this office Notification of even number dated 21st March, 1986, the period of deputation of Shri M. K. Goswami, Accounts Officer of the Office of the Controller General of Defence Accounts, presently working as Circulation Officer in the Office of the Registrar of Newspapers for India, New Delhi is hereby extended upto 31st May, 1987 under existing terms and conditions.

The 20th February 1987

No A-19011/4/85-Admn.—In continuation of this office Notification No A-19011 4/85 dated 2/6-85, the period of deputation of Shri B. L. Bhattacharya Pay & Accounts Officer of Ministry of Labour New Delhi, is hereby extended for a period of one year w.e.f 12-6-86 to 11-6-87 under existing terms & conditions as Circulation Officer in the Office of Registrar of Newspapers for India New Delhi.

KIRPA SAGAR
Registrar of Newspapers for India

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th February 1987

No A 12025/1/84-Admn-I.—The President is pleased to appoint Dr. Swarn Kumar Kashyap to the post of Staff Surgeon (Deputy) under C.G.H.S. in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 15th January, 1987, and until further orders.

P. K. GHAI
Dy. Dr. Admn (C&B)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 6th February 1987

No PA/26(1)/87-R-II/312.—Consequent on his permanent absorption with effect from January 1, 1987, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri P. Jayaprasad, a permanent Section Officer—SO(A) AO/1944 or Controller General of Defence Accounts (CDA, URS, Madras) on deputation with this Research Centre as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 (revised) in a substantive capacity against a supernumerary post in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from January 1, 1987.

The 23rd February 1987

No. PA/73(2)/87-R-IV.H/134.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Jyoti Gopan Menon as Resident Medical Officer (Locum) in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of February 2, 1987 to the afternoon of March 3, 1987.

C. G. SUKUMARAN
Dy. Establishment Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th February 1987

No. A-38013/1/86-EA.—Shri N. K. G. Rao, Aerodrome Officer on deputation to National Airports Authority and posted to the Director of Aerodromes Madras, retired from Government Services on 31-10-86 on attaining the age of superannuation.

P. S. RADHAKRISHNA
Dy. Dir of Admn.

DIRECTORATE OF O&M SERVICES
(CUSTOMS & CENTRAL EXCISE)

New Delhi-110 008, the 24th February 1987

Ref. No. 532/3/79-OMS.—Shri Roshan Lal Sharma, Assistant of the office of Directorate General of Inspection, Customs and Central Excise and of late working as Technical Assistant in this Directorate has assumed the charge of the post of Addl. Asstt. Director in the Directorate of O&M Services, Customs & Central Excise with effect from the afternoon of 11-2-1987.

B. C. RASTOGI
Director

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 28th January 1987

No. 5/3/83-ECI.—On the basis of the results of Combined Engineering Services Examination held in 1984, the President is pleased to appoint the following persons on probation against temporary posts of Assistant Executive Engineers (Civil/Elect.) under the Central Engineering Services and Central Electrical & Mechanical Engineering Service, Group 'A' in the Central P.W.D. with effect from the dates mentioned against their names :—

Sl. No	Name	Date of appointment
S/Shri	Civil	
1.	Jatan Swaroop Sharma	3-7-86 (FN)
2.	Shashi Kant	18-6-86 (FN)
3.	Ajay Kumar Aggarwal	17-7-86 (FN)
4.	Bharat B. Makkar	26-6-86 (FN)
5.	Anant Kumar	5-6-86 (FN)
6.	Davendra Kumar Garg	26-6-86 (FN)
7.	Ravindra S. Rawal (SC)	10-6-86 (FN)
8.	Khem Chand Singh (SC) Electrical	11-8-86 (FN)
1.	Satya Pal Shakarwal (SC)	27-6-86 (AN)

USHA NIGAM
Dy. Dir (Admn.-III)

New Delhi, the 27th February 1987

No. 1,237/69 EC-IX.—Shri Jagdish Mehra, Technical Officer of this Department retires from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 28-2-1987.

PRITHVI PAL SINGH
Dy. Dir. of Admn.

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF THE COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
of M/s. Doorandesh Private Limited*

New Delhi, the 12th February 1987

No 14826/1902.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereby of name of the M/s. Doorandesh Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

SOORAJ KAPOOR
Registrar of Companies
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
in the matter of M/s. Swami Saranam Estates P. Ltd.*

Cochin-622 011, the 25th February 1987

No. 2669/Liq/560(3)/1166/87.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof of the name of M/s. Swami Saranam Estates P. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
in the matter of M/s. Ajay Steel Pvt. Ltd Trichur*

Cochin-622 011, the 25th February 1987

No. 2051/Liq/560(3)/1159/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof of the name of M/s. Ajay Steel Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and
in the matter of M/s. Cochin Polyclinic & Hospital P. Ltd.*

Cochin-622 011, the 25th February 1987

No. 3162/Liq/560(3)/1161/87.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof of the name of M/s. Cochin Polyclinic & Hospital P. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies
Kerala

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th February 1987

Ref. No. G.I.R. No. S-413/Acq.—Whereas, I,
SMT. SAROJNI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land situated at Udaipur Khas, Teh. Pargana & Distt.
Bareilly
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer/Registrar/Sub-
Registrar at Bareilly on June, 1986
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Avind Kumar Sharma & Others
2. Smt Manoj Sharma,
3. Indra Sharma.
4. Neeru Sharma
5. Pradip Sharma, Advocate, Khud Mukhtar-e-Amm
6. Smt. Manju Kaushik
7. Smt. Kalpana Sharma.
(Transferor)
- (2) Shri Radha Krishna Sekhri Ayas Samiti Ltd.,
Bareilly.
(Transferee)
- (3) Sellers.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 9434 24 sq. mtrs. or 11,279 q. yards
situated at Udaipur Khas, Teh. Parg. & Distt. Bareilly (as
mentioned in 37G Form).

SMT. SAROJNI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
57, Ram Tirth Marg, Lucknow.

Date : 5/2/1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORI -560 001

Bangalore, the 3rd February 1987

Ref. No. DR.1773/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land survey No. 681 (old), Nos. 79/1, 107/1 & 121/1
(New), situated at Catagur village (Santa Cruz), Tiswadi
Taluka, Sub-District Ilhas, District of Goa,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered with the competent authority under Section
269AB, in his office at 28, Infantry, Road, Bangalore-
560001 on 27/10/1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Fr Francisco Antônio Ares Renato Do Rego alias Aires Renato Do Rego,
S/o late Sri Antonio Augusto do Rego,
H No 111, Fountainhas, Panaji, Goa-403001,
- 2 Lt Mrs Maria Da Piedade Do Rego E
Silveira, Lt Maia Da Piedade Do Rego
D/o Lt Joao Filipe do Rego,
Airo Forvo un, Ilhas, Goa 403501
- 3 Lt Edgard Francisco Silveira,
S/o late Sri Bossuet Silveira,
Airo Forvo un, Ilhas, Goa-403501
- 4 Miss Maria de Louides do Rego,
D/o Lt Joao Filipe do Rego,
No L 105, Segundo Bairro,
Santa-Cruz, Ilhas, Goa-403005.
- 5 Shri Antônio Augusto Do Rego,
S/o Lt Joao Filipe Do Rego,
No E-105, Segundo Bairro,
Santa-Cruz, Ilhas, Goa-403005.
- 6 Miss Manuela Maria Do Rego,
D/o Dr Joao Filipe Do Rego,
No E 105 Segundo Bairro,
Santa-Cruz, Ilhas, Goa 403005
- 7 Shri Arvind Dilip Do Rego,
S/o Fernando Olavo Joaquim do Rego,
S/o Fernando Olavo Joaquim do Rego,
alias Fernando do Rego
H No 111, Lontainhas,
Panaji, Goa 403001.
- 8 Shri Sunil Pravin Do Rego,
S/o Leinando Olavo Joaquim do Rego,
alias Fernando do Rego,
H No 111, Fontainhas,
Panaji, Goa-403001.
- 9 Miss Waheeda Teresa do Rego,
S/o Fernando Olavo Joaquim do Rego,
alias Fernando do Rego,
H No 111, Fontunhas,
Panaji, Goa-403001.
- 10 Shri Vivek Subhash Do Rego,
S/o Fernando Olavo Joaquim do Rego,
alias Fernando do Rego,
H No. 111, Fontainhas,
Panaji, Goa-403001.
- 11 Shri Bernard Charles Saldanha,
S/o Shri Gilbert Charles Saldanha Menezes
10, Diamond Apartments, Mount Mary Road,
Bandra, Bombay
- 12 Shri Ivan Christopher Saldanha,
S/o Shri Gilbert Charles Saldanha Menezes,
10, Diamond Apartments Mount Mary Road,
Bandra, Bombay
- 13 Mrs Maria Philomena Saldanha Menezes,
D/o Shri Gilbert Charles Saldanha Menezes,
No 5, Hill Niketan, Mount Mary Road
Bandra, Bombay
- 14 Shri Cedric Franci, Menezes,
S/o Shri Mario Menezes, 5,
Hill Niketan, Mount Mary Road,
Bandra, Bombay.

(Transferor/s)

(2) M/s. Alcon Constructions,
Veihoo Building, Panjim, Goa

(Transferee/s)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1334/86-87 dated 27-10-1986)

A'

All that property known as GONEMBATIA E PARTE DA HORA CORRESPONDENTE AO MESMO E OLEIRO CAZREM MANDA-TERCEIRA ADICAO, admeasuring approximately 88,440.00 m² situated in the village of Calapur (Santa Cruz), Taluka Tiswadi, Sub-District Itas, District of Goa, described in the land survey Department under No 681 (old), corresponding to Nos 79/1, 107/1 & 121/1 (new) described in the Land Registration Office (Conservatoria do Registro Predial), Itas, formerly (upto 1963) under No. 217 @ page 109, overleaf of Book B-1 new and at present also described under No. 22265 @ folio 59, overleaf, or Book B-60 new and registered in the name of Fr. Aires Renato do Rego in the Book of Transmission No C-40 @ page 114, overleaf, under No 27117 and registered in the Land Revenue Office (Matriz) under No. 326. The property is bounded as per Land Registration Office—

East . by the hillocks of Quencro;

West by an old public road and a compound wall which separates Codiacho Cheunto from the drain (sangria) where there exist some trees belonging to the said hillock Cazrem Manda', as well as the said drain (sangria);

Noith . by the Aforamento of Tuclea Camotim and

South : by the hillock of the Comunidade (new a public road—Bambolim Plateau).

The boundaries as per New Survey records are—

East by survey Nos. 78, 108 & 120 of Calapur village.

West : by an old public road,

North . by a road and by survey No. 79/2 and

South . by survey No 122 of Calapui village—new public road of the Bambolim Plateau

'B'

All that part of the land fully described in 'A' above, which part admeasures approximately 19,000.00 m² now to be known as 'CAZREM MANDA PART-A' and is bounded as—

East by the property of Venctexa Banu Sinay Quencro;

West : by an old public road;

North by the Aforamento of Tuclea Camotim and

South by the remaining part of the property admeasuring about 69,400.00 m² which is described in C herebelow and now to be known as 'CAZREM MANDA PART-B

'C'

All that part of the land fully described in 'A' above, which admeasures approximately 69,400.00 m² now to be known as 'CAZREM MANDA PART-B' and is bounded as—

East by the property of Venctexa Banu Sinay Quencro,

West by an old public road,

North . by the remaining part of the same property admeasuring about 19,000.00 m² and belonging to Fr. Aires Renato do Rego and which is described in B ,above and now to be known as 'CAZRFM MANDA PART-A' and

Sough by a new public road of the Bambolim Plateau.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-2-1987.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq/PPN/114/86-87.—Whereas, I,
MANIK CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs 100,000/- and bearing No
No T-5/A situated at Industrial Area, Panipat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Panipat under Registration No 2459 date 15/7/1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) M/s Pinar Sarmix & General Ind., Panipat,
through Sh. Mondhwa
S/o Sh. Basant Lal,
Smt. Asha Bajweja,
w/o Sh. Iajpat Rai Bawaja,
Smt. Dharam Devi
w/o Sh. Narayan Dass, Panipat

(Transferor)

(2) M/s Hansa Agency (P) Ltd.,
through Sh. Subhdarshan Kumar Suri,
Director 1/o 15A Basti Nau,
Jalandhar City (Punjab)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective person,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Property No T-5/A situated at Industrial Area, Panipat
and as more mentioned in the sale deed registered as Sr No
2459 dated 15-7-1986 with the Sub Registrar, Panipat.

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 2/2/1987.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. S. J. S. Cylinders Pvt. Ltd.
G-39 Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Thackeys Foods & Beverages
Pvt. Ltd. 116/118, 1st Marine Street,
Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 3rd February 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made by writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq/37EE/25/424/86-87.—Whereas, I, MANIK CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land 3 acres with boundary wall on plot No. 7C situated at Maruti Industrial Complex, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 37EE/25/424/86-87/2525 dated 11-11-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 acres (plot No. 7C with boundary wall) Maruti Industrial Complex Gurgaon and as more mentioned in the agreement dated 24-9-1986.

MANIK CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Dated 3-2-87
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th February 1987

Ref. No. CHD/9/86-87.—Whereas, I,
M. N. A. CHAUDHARY,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 250, built on plot No. 1-P, Street K, Sector 11-A situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on June 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Pritam Kumari,
Wd/o Late Sh. Bhagat Ram Batra,
R/o House No. 250, Sector 11-A,
Chandigarh.

(2) Shri Harchandran Singh H.U.F. through
Shri Harchandran Singh
S/o Sh. Saran Singh, Karta,
R/o 1071, Sector 43-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

House No. 250 built on plot No. 1-P, Street-K, Sector 11-A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 448 of June, 1986 of the Registering Authority Chandigarh).

M. N. A. CHAUDHARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 9/2/1987.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—506 GI/86

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Dr. Sarup Chand Vi,
S/o Sh. Bansri Ram,
r/o House No. 1532, Sector 18D, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Hardev Singh Ramana,
S/o Late Sh. Gurnam Singh Ramana,
R/o Village & P.O. Shekhpura, Distt. Bhatinda,
Punjab.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 6th February 1987

Ref. No. CHD/20/86-87.—Whereas, I, M. N. A. CHAUDHARY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "aid Act") have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 1532, built on plot No. 80, Street 'E', Sector 18D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1532, built on plot No. 80, Street 'E', Sector 18D, Chandigarh (The property as mentioned in sale deed No. 694 of August 1986 of Registering authority Chandigarh).

M. N. A. CHAUDHARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Central Revenue Building, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6/2/1987.
Seal:

FORM ITNS

- (1) Sh. Kawaljit Singh, s/o Sh. Raja Singh,
Resident of SCO No. 1, Sector 7C, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Sh. Joginder Singh Sayan, s/o Sh. Ganda Singh,
c/o Air Marshal Shivdev Singh,
R/o House No. 1806, Sector 34, Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 5th February 1987

Ref. No. CHD/12/86-87.—Whereas, I, M. N. A. CHAUDHARY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 197, built on plot No. 62, street 'B', Sector 11-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 197, built on plot No. 62, Street 'B' Sector 11-A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 491 of June, 1986 of the Registering Authority Chandigarh).

M. N. A. CHAUDHARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-2-1987
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 4th February 1987

Ref. No. M.D.10/86-87.—Whereas, I,
G. C. SHRIVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 9 situated at Devnagar Meerut
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration
No. 16674-75 date 26-6-86
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Pushpa Luthra w/o Shri Brijlal Luthra,
R/o Mission Compound, Meerut.
(Transferor)
- (2) Shri Krishan Lal Gupta, Balwant Rai Gupta
S/o Raja Ram Gupta, Shri Indersen Gupta,
S/o Shri Balwant Rai,
R/o No. 22-C Dev Nagar, Meerut.
(Transferee)
- (3) —do—
(Persons in occupation of the property)
- (4) —do—
(Persons whom the undersigned
knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 9, Mission Compound, Meerut.

G. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK
KANPUR-208012

Kanpur 208012, the 4th February 1987

Re. No. M.D. 18/86 87—Whereas, I,
G. C. SHRIVASATVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No
Ward No 2 situated at Municipal Board Uttar Kashi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Uttarkashi
No 600 1 on 27-7-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not truly stated in the said instrument of transfer
with the object of.—

- (1) Shri Indubhai Bhailal Bhai Amoo,
(H U F) Race Course Circle, Baroda-390007
(Transferee)
- (2) Smt Kamala Devi Charity Trust
24, R N Mukherjee Road Calcutta 700001
(Transferor)
- (3) ---do---
(Persons in occupation of the property)
- (4) ---do---
(Persons whom the undersigned
knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double Storey house Ward No 2 Municipal Board,
Uttar Kashi

G. C. SHRIVASATVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 4-2-1987

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208012

Kanpur, the 4th February 1987

Ref. No. M. D. 20/86-87.—Whereas I,

G. C. SHIRVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
153D situated at Rajpur Road, Dehradun
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Mansuri
under registration No. 69/86 on 3-6-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer
with the object of :—

- (1) Herbertpur Christian Hospital,
Association a Society registered 25-A
Bundall's Road, Madras.
(Transferor)
- (2) Vidya Mandir Society.
(Transferee)
- (3) —do—
(Persons in occupation of the property)
- (4) —do—
(Persons whom the undersigned)
knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 153-D Rajpur Road, Dehradun.

G. C. SHIRVASTVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 4-2-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. TANIN PARK
KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 4th February 1987

Ref. No. M. 1115/86-87.—Whereas, I,
G. C. SHIRVASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing
B 191 Fase II situated at Nagla Charandass Noida, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad No. on 4-6-86
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) New Okhla Industrial Development Authority,
Distt. Ghaziabad (U.P.).
(Transferor)
- (2) Atash Leasing Industries Ltd.,
608/609, Raheja Chambers, Free Press Road,
Nariman Point, Mumbai-400021.
(Transferee)
- (3) —do—
(Persons in occupation of the property)
- (4) —do—
(Persons whom the undersigned)
knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. B. 191 Fase II Nagla Charandass Noida (U.P.).

G. C. SHIRVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1987
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri K. T. Cherrukutty and others,
Kunpath House,
Kizhakkumpattukara,
Trichur, Kerala State
(Transferor)
- (2) Sri M. Mohamed Kasim and
M. Hasan Ali,
No. 42, Anderson St., Madras-600 001.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 4th February 1987

Ref. No 1/June/86.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, Anderson Street, George Town Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet Doc. No 220/86 on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land and Building at Door No 6 Anderson Street, George Town, Madras.
(Doc No 220/86)

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1987
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras-17, the 5th February 1987

Ref. No. 4/June/86.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 33, SIPCOT Industrial Complex, Ranipet, North Arcot Dist situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Walaja Nagar Doc. No. 2099/86 on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair section 269AB of the said Act in the Office of the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that market value of the aforesaid property and I have reason to the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) The Tamilnadu Industrial Investment Corporation Ltd.,
27, Whites Road, P. B. No. 410,
Madras-600 014.
(Transferor)
- (2) M/s. Aruna Sugars Limited,
No. 145, Sterling Road,
Madras-600 034.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at Plot No. 33, SIPCOT Industrial Complex, Ranipet, North Arcot Dist.
(Doc. No. 2099/86).

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 017

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
15—506 GI/86

Seal :
Date : 5-2-1987

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-I,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17**

Madras-17, the 4th February 1987

Ref. No. 8 June/86.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 224, Linghi Chetty Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 2101/86) on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri M. E. Hussain Abdul Cader and 2 Others,
No. 3, Post Office Street,
Madras-600 001.

(Transferor)

(2) Minor J. Sithi Mahabooba,
Minor J. Hizana Binto Junaid,
Represented by their Grand mother and Guardian
Smt. E. S. S. Sithi Hathija Beevi,
No. 69, Sembudoss Street,
Madras-600 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land and Building at Door No. 224, Linghi Chetty Street, Madras-1.
(Doc. No. 2101/86).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 017

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1987

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17

Madras 17, the 4th February 1987

Ref. No. 9/Junc. 86.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 22, Briethapet, Road, Vepery, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 630/86) on June, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Dr. K. U. Gururaj Rao,
S/o Late Dr. K. U. Ramakrishna Rao,
Represented by his Power Agent :
Sri K. K. Murali Rao,
S/o Sri K. Krishna Rao,
No. 3, George Avenue, Alwarpet,
Madras-600 018.

(Transferor)

(2) Sri Dega Narasimha Reddy and
Smt. K. R. Sakuntalamma,
No. 3, Madha Church Road,
Santhome, Madras-600 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 22, Briethapet Road, Vepery, Madras.
(Doc. No. 630/86).

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 017

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-2-1987
Seal :

FORMS ITNS

(1) Official Liquidator, High Court, Cal.

(Transferor)

(2) Cal. Motor Dealers Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II,
 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
 CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th February 1987

Ref. No. AC-76, R-II, Cal, 86-87.—Whereas, I,
 I. K. GAYEN,
 being the Competent Authority under Section 269AB of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
 able property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Mouja Gangarampur, P. S. Behala,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and registered with the Competent
 Authority u/s. 269AB of the said Act read with rule
 48DD(4) of
 Income-tax Rules, 1962 under Registration No. 7975 dated
 5-6-86
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective per-
 sons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Land : 11B, 7K. Ich. 16sft. situated at Mouja Gangaram-
 pur, P. S. Behala.

More particularly described in deed no. 7975 of 1986
 registered by the R. A. Cal. on 5-6-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
 Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—

Date : 13-2-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sunila Lal &
Smt. Divya Lal

(Transferor)

(2) M/s. International Exporters

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th February 1987

Ref. No. C.A. 4,86-87/Sl.-1267 I.A.C./Acq. R-I/Cul.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. 7 situated at Camac Street, Calcutta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 4 dated 6-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

138.5235 Sq. Mts. approx. on 3rd floor, Block No. 3 of 7, Camac Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range I, Calcutta vide Serial No. C.A. 4 dated 6-6-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section, namely :—

Date : 13-2-1987

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s B Hira & Co

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajadhiraj Industries Ltd

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16 the 13th February 1987

Ref No C A 18/86-87/SI-1268 I A C /Acq R I[Cal] —
 Whereas, I, I K GAYEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 moveable property having a fair market value exceeding
 Rs 1,00,000/- and bearing

No 71, situated at Park Street, Calcutta-16
 (and more fully described in the schedule below) has been
 transferred and registered with the Competent Authority
 u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of
 Income-tax Rules 1962 under registration No C A 18
 dated 25-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of the
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the pub-
 lication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer,
 and/or

All that Space No 6C on the 6th floor of the building
 known as Park Plaza at 71, Park Street, Calcutta-16
 covering a built up area of 1851 Sq ft Registered before
 the Competent Authority, I A C, Acquisition Range I,
 Calcutta vide Serial No C A 18 dated 25 6 86

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957),

I K GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range I,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
 Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely —

Date 13-2-1987
 Seal

FORM ITNS—

- (1) Amit Financing Corporation
 (Transferor)
 (2) Techno Electric & Engineering Co. Ltd.
 (Transferee)

*NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
 54, RAFI AHMED KEDAI ROAD
 CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th February 1987

Ref. No. C.A. 14/86-87/SI. 1269 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—
 Whereas, I, I. K. GAYEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 71, situated at Park Street, Calcutta
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with Rule 48D(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 14 dated 20-6-86
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Flat No. 3F at 71 Park Street, Calcutta-71. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 14 dated 20-6-86.

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 54, Rafi Ahmed Kedai Road
 Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Amitabh Khemani

(Transferor)

(2) Mr. Kapoor Chand Gangwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
54, RAFI AHMED KEDAI ROAD
CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th February 1987

Ref. No. C.A. 2/86-87/Sl. 1270 I.A.C./Acq.R-1/Cal.—
Whereas, I, I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 71, situated at Park Street Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with Rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No.

C.A. 2 dated 6-6-86
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that Space No. 5F on Fifth floor measuring about 1976 Sq. ft. and parking space for two cars in basement of 71, Park Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 2 dated 6-6-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kedai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) B. V. M. Estates Private Limited

(Transferor)

(2) 1. M. P. Mansinghka (HUF) Mansinghka Sona &
2. Rajendra Mansinghka

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
54, RAFI AHMED KEDAI ROAD
CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th February 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. C.A. 13/86-87/SI. 1271 I.A.C./Acq. R.I/Cal.—
Whereas, I, I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 71, situated at Park Street Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with Rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 13 dated 20-6-86
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that the office space No. 4D on the fourth floor of the building known as Park Plaza at premises No. 71 Park Street, Calcutta measuring about 1,803 sq. ft. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. CA. 13 dated 20-6-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kedai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—506 GI/86

Date : 13-2-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Katia Steel Rolling Works

(Transferor)

(2) Modi Rubber Limited

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
54, RAFI AHMED KEDAI ROAD
CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th February 1987

Ref. No. C.A. 16/86-87/SI. 1272 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—
 Whereas, I, I. K. GAYEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 119, situated at Park Street, Calcutta
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and registered with the Competent
 Authority u/s 269AB of the said Act read with Rule 48DD
 (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No.
 C.A. 16 dated 23-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer as
 agreed to between the parties has not been truly stated in the
 said Instrument of Transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

Office block on 4th floor of premises No. 119, Park Street,
 Calcutta together with Car Parking space for two Cars in
 Ground floor of the said building alongwith fixtures and
 fittings. Registered before the Competent Authority, I.A.C.,
 Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. CA. 16 dated
 23-6-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 54, Rafi Ahmed Kedai Road
 Calcutta-16

Now, therefore, In pursuance of section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 13-2-1987
 Seal :

FORM IINS—

(1) Mst. Saidun Nessa Haque
 (2) Aftab Construction Pvt. Limited
 (Transferor)
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I
 54, RAFI AHMED KEDAI ROAD
 CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th February 1987

Ref. No. TR-238/86-87/Sl. 1273 I.A.C./Acqn. R-1 Cal.—
 Whereas, I, I. K. GAYEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 8 situated at Rowdon Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with Rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 1-8432 dated 19-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that land measuring 23K—7CH—20 Sq. ft. together with partly one and partly two storied building thereon situated and being Premises No. 8, Rowdon Street, Calcutta. Registered before R.A., Cal., vide Deed No. I-8432 dated 19-6-86.

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 54, Rafi Ahmed Kedai Road
 Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1987
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Zebun Nessa Haque

(Transferor)

(2) Aftab Construction Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
54, RAFI AHMED KEDAI ROAD
CALCUTTA

Calcutta-16, the 13th February 1987

Ref. No. TR-239/86-87/SI. 1274 I.A.C./Acq. R-1/Cal.—
 Whereas, I, I. K. GAYEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, have a fair market value exceeding
 exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
 No. 8A situated at Rowdon Street, Calcutta
 (and more fully described in the Schedule annexed hereunto),
 has been transferred and registered with the Competent
 Authority u/s 269AB of the said Act read with Rule 48DD
 (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No.
 I-8431 dated 19-6-86
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and
 that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

40% undivided share in the property at 8A, Rowdon Street, Calcutta. Area 4K—4Ch—land with building thereon. Registered before R.A. Cal., vide Deed No. I-8431 dated 19-6-86.

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 54, Rafi Ahmed Kedai Road
 Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1987
 Seal :

FORMS ITNS

(1) Mehrun Nessa Haque,

(Transferor)

(2) Aftab Construction Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 13th February 1987

Ref. No. TR-240/86-87/SI. I.A.C./Acq. R-I/Cal.—
Whereas, I, I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 8A situated at R. A. Cal.,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at R. A. Cal.,
under registration No. I-8421 on 19-6-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

THE SCHEDULE

60% undivided share in the property at 8A, Rowdon
Street, Calcutta. Area 4K-4Ch land with building thereon.
Registered before R.A., Cal., vide Deed No. I-8421 dated
19-6-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-2-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Sita Devi Tibrawalla.

(Transferor)

(2) Sahayog Projects Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 13th February 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. TR-242/86-87/SI. 1276 I.A.C./Acqn. R-I|Cal.—
Whereas, I, I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 47A situated at Zakaria Street, & contiguous portion of 4A, Sayed Sally Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Cal., under registration No. I-8401 on 18-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that five storeyed building together with land measuring 11K-12Ch being premises No. 47A, Zakaria Street, and contiguous portion of Premises No. 4A, Sayed Sally Street, Calcutta. Registered before R.A., Cal., vide Deed No. I-8401 dated 18-8-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sk. Kabir Hussain Ahmed
 (Transferor)
 (2) Prakriti Project Private Limited.
 Sk. Mohammed Hussain Ahmed.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
 CALCUTTA-16

Calcutta, the 13th February 1987

Ref. No. 2430/Acq. R III/Cal/86-87.—

Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4, 5, 7, 8, 9, 12, 12/1, 12/2, 12/3, 16, 16A, 16/11 to 16/16, 17, 17A & 18 Jamir Lane & 1/A 16 & 17 Cornfield Road, Cal., (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Cal., under Registration No. 37EE/Acq. R-III/119 dated 16-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Total land 13 Bighas at 4, 5, 7, 8, 9, 12, 12/1, 12/2, 12/3, 16, 16/1, 16A, 16/11 to 16/16, 17, 17A, & 18, Jamir Lane & 1/A, 16 & 17, Cornfield Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq. R-III/129 dated 16-6-86.

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road
 Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-2-1987
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/6-86/3152 —Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing G-6, 98, Hemkunt Towers, Nehru Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at New Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Purna Wines,
5/7 Grant Building,
Arthui Bandev Road Colaba,
Bombay.

(Transferee)

(2) 1. Shri V. P. Saluja
2. Master Rahul Mehta
3. Miss Radhika Mehta
R/o Saluja Niwas,
Civil Lines,
Moradabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

G-6, 98, Hemkunt Tower, Nehru Place, New Delhi. Area 1025 Sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. (Mrs.) Kaushalya Naik,
16, Munirka Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) J. Mitra Foundation,
1411, Chiranjiv Tower,
43, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-86/3153.—Whereas, I,
S. C. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1408, 14th Floor, 43,
situated Nehru Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority at
New Delhi on June 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immove-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1408, 14th Floor, 43, Nehru Place, New Delhi.
Approx. area 677 Sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
17—506 GI/86

Date : 27-1-1987
Seal .

FORM ITNSNOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. Jagmohan Singh,
E-516, Greater Kailash-II,
New Delhi-110048.

(Transferor)

(2) Metro Tyres Pvt. Ltd.
27-B, Focal Point, Ludhiana (Ph).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1987

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/6-86/3161.—Whereas, I,
S. C. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Devika Tower, 6, Nehru Place, Flat No. 519
situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
been transferred and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at
New Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

325 Sq. ft. in Devika Tower, No. 6, Nehru Place, New
Delhi. Flat No. 518.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-1-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) S. Gulvinder Singh,
E-516, Greater Kailash-II,
New Delhi-110048.

(Transferor)

(2) Metro Tyres Pvt. Ltd.,
27-B, Foca IPoint,
Ludhiana, (Pb).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE
ACQUISITION RANGE-I
4/14-A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1987

Rc. No. IAC/Acq-1/37EF/6-86/3162.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 519 in Devika Tower, situated at No. 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I.T. Act 1961 at IAC Acq. Range-1, New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

325 Sq. ft. in Devika Tower, No. 6, Nehru Place, New Delhi, Flat No. 519.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 27-1-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Miss Amarjit Kaur,
E-516, Greater Kailash-II,
New Delhi-110048.

(Transferor)

(2) Metro Tyres Pvt. Ltd.,
27-B, Foca IP Point,
Ludhiana, (Pb).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE
ACQUISITION RANGE-I
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 27th January 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-86/3163.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 517 Devika Tower situated at No. 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I.T. Act 1961 at IAC Acq. Range-I, New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

560 Sq. ft. in Devika Tower, No. 6, Nehru Place, New Delhi. Flat No. 517.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-1-1987
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE
ACQUISITION RANGE-VI
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-86/3166.—Whereas, I,
S. C. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Space No. 19 on 9th floor in Block No. E
situated at Nehru Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the 269AB of I.T. Act 1961
at IAC Acq. Range-I, New Delhi in June 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefore by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/S. Nehru Place, Hotels Ltd.,
Eros Cinema Building,
Jangpura Extension,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Saidari Lall Agarwal,
S/o Shri Hari Chand Agarwal,
Smt. Sushma Lall
W/o Shri Saidari Lall Agarwal &
Shri Ajay Lall,
A-93, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 19 on 9th floor in Block E of Hotel-cum-
Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi. Area 640
Sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Lt Col Sardul Singh, S/o
S. Nanak Singh, R/o
F-46, Bali Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kaushalya, W/o
Late Shri Bir Lal Sethi, R/o
5/6, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

AGGARWAL HOUSE
ACQUISITION RANGE-VI
4, 14-A, ASAFAI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/Acq VI SR-I/6-86/653.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No F-46 Bali Nagar, Area of Vill. Bassai Darapur situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range-VI, Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

House on Plot No. F/46, measuring 200 sq. yds. situated at Bali Nagar, Area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE
ACQUISITION RANGE-VI
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ-V/37EE/6-86/73-H.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. G-9, Ground Floor approx. area 160 sq. ft. Vardhman Centre, Plot No. 3, Local Shopping Centre, Shalimar Bagh (Poorvi) BH Block, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range-II, Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Vardhman Properties,
K-16A, Kailash Colony,
New Delhi-48.

(Transferor) (s)

(2) Shri Suresh Chand Jain
7/36, Ansari Road,
Darya Ganj, Delhi.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. G-9 Ground Floor approx. area 160 sq. ft.
Vardhman Centre, Plot No. 3, Local Shopping Centre,
Shalimar Bagh (Poorvi) BH Block, Delhi.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Vardhman Properties,
K-16A, Kailash Colony,
New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand Jain
7/36, Ansari Road,
Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE
ACQUISITION RANGE-I
4/14 A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

Bombay, the 1st February 1987

Ref. No. IAC/ACQ-VI/37EF/6-86/73-I.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 7, Ground Floor, Vardhman Centre, Plot No. 3, Local Shopping Centre, Shalimar Bagh (Poorvi) BH Block, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range-II, Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 7, Ground Floor approx. area 160 sq. ft.
Vardhman Centre, Plot No. 3, Local Shopping Centre,
Shalimar Bagh (Poorvi) BH Block, Delhi.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE VI
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/37EE/6-86/73-J.—Whereas I,
T. K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. G-5, Ground Floor approx. area 225 sq. ft.
Vardhman Centre, Plot No. 3 Local Shopping Centre
Shalimar Bagh (Poorvi) BH Block, Delhi situated at New
Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered u/s 269 AB of the said
Act in the office of the

I.A.C. Acquisition Range II Delhi on June 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

"Unit No. G-5, Ground Floor, approx. area 225 sq. ft.
Vardhman Centre, Plot No. 3 Local Shopping Centre,
Shalimar Bagh (Poorvi) BH Block, Delhi".

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range VI
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
18—506 GI/86

Date : 12-2-1987
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Vardhman Properties,
K-16A, Kailash Colony, New Delhi-48.
(Transferor)
- (2) Baby Chintu Jain & Master Sachin Jain,
7/9A, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE VI
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/37EE/6-86/73-K.—Whereas I,
T. K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act,) have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. G-4, Ground Floor, approx. area 275 sq. ft.
Vardhman Centre, Plot No. 3, Local Shopping Centre
Shalimar Bagh (Pooryi) BH Block
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Income-tax
Act, 1961 in the office of the I.A.C. Acquisition Range-II
Delhi on June 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Unit No. G-4, Ground Floor, approx. area 275 sq. ft.
Vardhman Centre, Plot No. 3 Local Shopping Centre,
Shalimar Bagh (Pooryi) BH Block, Delhi".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range VI
Delhi/New Delhi

Date : 12-2-1987

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) M/s. Vardhman Properties,
K-16A, Kailash Colony, New Delhi-48.
(Transferor)
- (2) Smt. Sudershma Jain,
7/9A, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE VI
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

"Unit No. 105, First Floor Approx. area 295 sq. ft.
Vardhman Centre, Plot No. 3 Local Shopping Centre,
Shalimar Bagh (Poorvi) BH Block, Delhi".

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range VI
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1987

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE VI
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/37EE/6-86/73-M.—Whereas I,
T. K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Unit No. 106, First Floor Approx. area 295 sq. ft.
Vardhman Centre, Plot No. 3, Local Shopping Centre
Shalimar Bagh (Poorvi) BH Block, Delhi situated at New
Delhi/Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the
I.A.C. Acquisition Range II Delhi on June 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the aforesaid property, and I have reason
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
and that the consideration for such transfer as agreed to be
to believe that the fair market value of the property as
more than fifteen per cent of such apparent consideration
between the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Vardhman Properties,
K-16A, Kailash Colony, New Delhi-48.
(Transferor)
- (2) Smt. Sudershna Jain,
7/9A, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.
(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Unit No. 106, First Floor approx. area 295 sq. ft.
Vardhman Centre, Plot No. 3 Local Shopping Centre,
Shalimar Bagh (Poorvi) BH Block, Delhi".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range VI
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-2-1987
Seal:

FORM ITNS

(1) Smt. Pramila Keshavrao Datey

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar Banerji &
Smt. Usha Arun Kumar Banerji

(Transferee)

(3) Smt. Dr. Pramila Keshavrao Datey

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No AR-IA/37EE/11714/85-86.—Whereas, I, J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14, 4th Floor, Windsor House, 138, M. K. Marg, Bombay-20 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 4th Floor, Windsor House, 138, M. K. MARG, Bombay-20.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10423/85-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987

Seal .

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/11698/85-86.—Whereas, I,
J. MALLICK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Premises being Flat No. 11, 3rd Floor, Ground Floor, Windsor House Co. Op. Hsg. Socy., Ltd., 138, M. Karve Road, Opp. Oval Play ground, Bombay-20 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 2-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Dr. Mrs. Pramila Keshavrao Datey (Transferor)
(2) Mrs. Geera Ashok Bhogilal Patel (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Premises being Flat No. 11, 3rd Floor, Ground Floor, Windsor House Co-Operative Housing Society Ltd., 138, M. Karve Road, Opp. Oval Play ground, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10421/85-86 on 2-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/11785/85-86.—Whereas, I,
J. MALLICK,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 77, Ground Floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Marg situated at Bombay-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the sale is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (1) M/s Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd.
(Transferor)
- (2) M/s Parchk Estate & Properties P. Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 77, Ground Floor, Ashoka Shopping Centre, L. T. Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/10449/85-86 on 3-6-1986.

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Hanuman Vitamin Foods Pvt. Ltd.
 (Transferor)
 (2) Smt. Manorma Hanumandas Agrawal & Others.
 (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY**

Bombay, the 10th February 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR-IA/37EE/11768/85-86.—Whereas, I, J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Premises at Colaba Division Backbay Reclamation Scheme, Plot No. 211, C.S. No. 1957 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the sale is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises at Colaba Division Backbay Reclamation Scheme, Plot No. 211, C.S. No. 1957, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/10434/85-86 on 3-6-1986.

J. MALLICK
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
 Seal :

FORM ITNS

- (1) Mr. Ramesh Gokaldas Thakker and
Mrs. Hema Ramesh Thakker (Transferor)
(2) Mrs. Surekha Vasant Kedar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/11818/85-86.—Whereas, I,
J. MALLICK,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 153/B, 15th Floor, Sea Lord Bldg., Cuffe Parade, situated at Bombay-400 005 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 153/B, 15th Floor, Sea Lord Bldg., Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10460/85-86 on 16-6-1986.

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—506 GT/86

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. G. C. Notwani & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/14751/85-86.—Whereas, I,
J. MALLICK,
being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 8th Floor, 'Monica', Fazal Road, Shobani Road, Junction Colaba situated at Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s Apollo Construction.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, 8th Floor, 'Monica', Fazal Road, Shobani Road, Junction, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10428/85-86 on 3-6-1986.

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sharan Purshottamal Khanna. (Transferor)
 (2) M/s Simplex Metallurgical P. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/10459/85-86.—Whereas, I,
J. MALLICK,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Premises No. 93, 9th Floor, Bajaj Bhavan, Bearing Nos. 296 to 300 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the sale is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 93, 9th Floor, Bajaj Bhavan, Bearing Nos. 269 to 300, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10459/85-86 on 16-6-1986.

J. MALLICK
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
 Seal :

FORM ITNS(1) M/s Marshall Products Brokers Co. Pvt. Ltd.
(Transferor)(2) Smt. Savcena R. Agarwal,
Smt. Neelam V. Agarwal,
Smt. Santosh R. Agarwal and
Smt. Vanita L. Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1A, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/7902/85-86.—Whereas, 1,
J. MALLICK,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Parade, Bombay-400 005, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 83-A, Jolly Maker Apartments-I, Tower A Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10470-A dated 16-6-1986.

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1A, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Overseas Manpower Corporation. (Transferor)
 (2) M/s Mazda Leasing Ltd. (Transferee)
 (3) Overseas Manpower Corporation. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/371-E/11689, 85-86.—Whereas, I, J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 410 4th Floor, Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-400 021 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 410, 4th Floor, Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10419/85-86 on 2-6-1986.
2/6/1986.

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Skyways.

(Transferor)

(2) Indo-Saudi Services (Travels) Pvt. Ltd.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/11725/85-86.—Whereas, I,
J. MALLICK,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Premises No. 13, Ground Floor, Raheja Centre, Plot No. 214, Block III, Backbay Reclamation, Bombay-400 023, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Premises No. 13, Ground Floor, Bldg. 'Raheja Centre' Plot No. 214, Block III, Backbay Reclamation, Bombay-400 023.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10452/85-86 on 3-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987

Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Smt. Bhanumati Bhagwandas Bhatia & others.
 (Transferor)
 (2) Narandas Purushottam Asher.
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-IA,
 BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/11763/85-86.—Whereas, I,
J. MALLICK,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 moveable property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Flat No. 144 Basant, Navrang Basant, Coop. Hsg. Society
 Ltd., 101, Cuffe Parade, Bombay-400 005, situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the same is registered under section
 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
 Competent Authority
 at Bombay on 3-6-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of this said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 144 Basant, Navrang Basant Coop. Hsg. Society
 Ltd., 101, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10432/85-86 on
 3-6-1986.

J. MALLICK
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IA,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 10-2-1987
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ranjiv Omnath Talwar.

(Transferor)

(2) M s Tapin Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/11834/85-86.—Whereas, I, J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Premises No. 307, 31d Floor, Dalmal Tower Premises Coop. Hsg. Society Ltd., Nariman Point, Bombay-21, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office Premises No. 307, 31d Floor, Dalmal Tower Premises Coop. Hsg. Society Ltd., Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10466/85-86 on 16-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Mr. Narayan Janardhan Nair &
Mrs. Ratnam Janardhan Nair.

(Transferor)

(2) Mr. Prataprai Mandlal Kothari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA,
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/11830/85-86 —Whereas, I, J. MALLICK, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Hemprabha, 68 Netaji Subhash Marg, Bombay-400 020 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16/6/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1962 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Hemprabha, 68 Netaji Subhash Marg, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10463/85-86 on 16/6/1986.

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Ass'tt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
20—506 GI/86

Dated : 10-2-1987.
Seal

FORM LTNS.

- (1) Puri Construction (Bombay) Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) Pstrkdh Rdysyr & Ptoptyird P. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-IA,
 BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/11796/85-86 —Whereas, I,
J. MALLICK,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value
 exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
 Shop No. 78, Ground Floor, Ashok Shopping Centre, L. T.
 Marg, Bombay-1,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269 ABef the Income-tax Act, 1961, in the Office of
 the Competent Authority
 at Bombay on 3/6/1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

 (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XA of the said
 Act, shall have the same meaning to given
 in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent
 L.T. Marg, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10450/85-86 on
 3/6/1986,

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

J. MALLICK
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IA,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Dated : 10-2-1987
 Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Metharam Chhatomal Mulchandani,
(Transferor)
(2) Gee Tee Trading & Investments Pvt. Ltd.
M/s Mideast Mercantile Pvt. Ltd.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY**

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/11863/85-86.—Whereas, I,
J. MALLICK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 15, 4th Floor, Jasville Co-op. Premises Society Ltd.,
9, New Marine Lines, Bombay-400 020,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 16-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULEFlat No. 15, 4th Floor, Jasville Co-op. Premises Socy.
Ltd., 9, New Marine Lines, Bombay-400 020.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10474/85-86
dated 16-6-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Date : 10-2-1987
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORMS ITNS

(1) Mrs. Zehra A. Panchal and Mrs. Rukaiya
P. Panchal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Indian Hotels Company Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR-IA/37EE/11866/85-86.—Whereas, I,
J. MALICK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 602, President House, 83/85 Nathala Parekh Marg,
Colaba, Bombay-5, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 16-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
Instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;Flat No. 602, President House, 83/85 Nathala Parekh
Marg, Colaba, Bombay-400 005.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10476/85-86
dated 16-6-1986.(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);J. MALICK
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) N. Jivanlal & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Seaking Caterers Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/11760/85-86.—Whereas, I,
J. MALLICK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Building with land situated at Elphiston Estate,
S. No. 105/1187 Carart Division, Freer Road, Opp. Fire
Brigade
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 3-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Building with land situated at Elphiston Estate S. No.
105B/1187 Crapart Division, Freer Road, Opp. Fire Beigade.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10429/85-86
dated 3-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

J. MALLICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
consideration for such transfer as agreed to between the
persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Swami Gobind Anandji. (Transferor)
 (2) Krishan D. Rajani.
 Kamlesh S. Shah (Transferee)
 (3) Krishan D. Rajani and M/s. Get Slim.
 (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37E/11825/85-86.—Whereas, I,
 L. MALLICK,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the
 immovable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Flat No. 27, Gr. floor, Govind Mahal, 86-B, Marine Drive,
 Bombay-2
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the same is registered under
 section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
 the Competent Authority at
 Bombay on 16-6-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of .

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27, Gr. floor, Govind Mahal, 86-B, Marine Drive, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10462/86-87, on 16-6-1986.

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. MALLICK
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IA, Bombay

Therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Assan Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s L.K.P. Merchant Financing Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IA
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR-IA/37EE/11724/85-86.—Whereas, I,
J. MALICK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Unit No. 203, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-400 021, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Unit No. 203, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay 400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10478-A on 16-6-1986.

J. MALICK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Anjali Alis Laju S. Lala,
Master Vikas S. Lala and
Kum. Ayesha S. Lala.

(Transferor)

(2) Mr. Jamna Bhojaraj Bhatia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR.II/37EE/35186/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12-A, 7th floor, Noormahal, Bandra (W), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 12-A, on the 7th floor of Noormahal Co-operative Housing Society Ltd., at Turner Road, Bandra (West), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/35186/85-86 on 27-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987

Seal :

FORM ITNS

- (1) Mr. Tolaram L. Gwalani.
(Transferor)
- (2) Mrs. Padmaja M. Salvi
& Mr. Madhukar S. Salvi.
(Transferee)
- (3) Transferor.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR.II/37EE/35091/86-87.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 34, Fulace Sea View, Bandra (W), Bombay-50
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the Competent
Authority at Bombay on 27-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 'Palace Sea View' at 48, Pali Hill Road,
Bandra, Bombay (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/35091/85-86 on
27-6-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, BIOMBAY

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of said this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

2—506 GI/86

Date: 10-2-1987
Scal ;

FORM ITNS

(1) Smt. Abha Satish Chaturvedi.

(Transferor)

(2) Smt. Anjali Suresh Lala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No AR II/37EE/35088/85-86.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs 1,00,000/- and bearing
 Flat No 11 along with Garage No. 9, Sunita Premises
 Co-op Society Ltd., Bandra (W), Bombay-50
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the said Act in the office of the Competent
 Authority at Bombay on 27-6-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of
 the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transfer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

Flat No. 11 alongwith Garage No. 9 in Bandra Sunita
 Premises Co. operative Society Ltd. 200/D Kane Road,
 Bandstand, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/35088/85-86 on
 27-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date: 10-2-1987
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR.II/37EE/35071/85-86.—Whereas, I,
 K. C. SHAH,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value
 exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
 Shop No. 9, Corner of Hill Road and Waterfiled Road,
 Bandra Bombay-50.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the said Act in the office of the Competent
 Authority at Bombay on 27-6-1986
 for apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration and
 that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Mohammed Kassam Haji Fakhruddin,
 Sh. Mohammed Farooq Haji Fakhruddin,
 Sh. Mohammed Ismail Haji Fakhruddin.
 (Transferor)
 (2) Smt. Zarintaj Mohomedali Bhimani.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Below Hotel Matro Palace, Corner of Hill
 Road and Waterfiled Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/35071/85-86 on
 27-6-1986.

K. C. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act to the following
 persons, namely :—

Date: 10-2-1987
 Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mrs. Jamnabai Parasram & Mr. Dharamdas Gehi
(Transferor)
- (2) M/s Universal Petro Chemicals Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR.II/37EE/35068/85-86.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101 'D' Block-The Triveni Co-operative Hsg. Society Ltd., Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 101-D, Block-The Triveni Co op. Housing Society Ltd., 32nd Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/35068/85-86 on 27-6-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs Celine Gomes.

(Transferor)

(2) Mr. Steven Pinto.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICIAL OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR.II/37E/35030/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 28-B Rebello House, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 28-B, Rebello House, Mangalorean Garden Homes Co-op. Housing Society Ltd., 132 Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37E/35030/85-86 on 27-6-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Shashishekhar S. Palekar.

(Transferor)

(2) Miss Manju Manandhar.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

No. AR II/37EE/35026/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 110/D, Manju Mahal, Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 110/D, Manju Mahal, 1st floor, 35 Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR II/37EE/35026/85-86 on 27-6-1986

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Renu A. Ashrani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Rehemtulla C. Chunara
Smt. Shirinbai R. Chunara
Shri Aziz R. Chunara
Shri Firoz R. Chunara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATES,
BOMBAY-38Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-38, the 10th February 1987

No. AR.II/37EE/35013/85-86.—Whereas, I,
K. O. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 4, Kanti Apartments, Bandra (W), Bombay-50
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority at Bombay on 27-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 4, 10th floor, A-Wing, Kanti Apartments Co.op.
Housing Society Ltd., Bandra (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/35013/85-86 on
27-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-2-1987

Seal :

FORM ITNS

- (1) Mr. E. S. Demello. (Transferor)
 (2) Mr. Y. Ramakrishna Rao. (Transferee)
 (3) Nil.
 (4) Jeevan Satyakam Co.op. Housing Society Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALIARD ESTATES,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

No. AR.II/37EE/35005/85-86.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, 6th floor, Jeevan Satyam Co op. Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 6th floor, Jeevan Satyakam Co.op. Housing Society Ltd., 57-D, Dr. Ambedkar Rd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EF/35005/85-86 on 26-6-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM FINS

(1) Mr. Arif S. Mulla.

(Transferor)

(2) Mrs. Maya Mohan Bijlani &
Mr. Mohan T. Bijlani.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALIARD ESTATES,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

No. AR.II/37EE/34819/85-86.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 601 Georgina Co-op. Housing Society Ltd. Bandra,
Bombay-50
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 A/B of the said Act in the Office of the Competent
Authority at

Bombay on 20-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601 Wing 'B', 6th floor Georgina Co-operative
Housing Society Ltd., at Shirly Rajan Road, Bandra,
Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34819/85-86 on
20-6-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
~~money or other assets which have not been or~~
~~which ought to be disclosed by the transferor for~~
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bomby

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
afored property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
person, namely :—
22—506 GI/86

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) M/s Ferreira Enterprises. (Transferor)
 (2) Dr Nandkishore Allahabadi & Dr. (Mrs.) Sanyogita N. Allahabadi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATES,
BOMBAY-38**

Bombay-38, the 10th February 1987

No. AR II/37EF/34763/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing

Flat No. 12, Seville, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 19-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 12, 1st floor Seville, Plot No 54, St. Paul's Rd, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34763/85-86 on 19-6-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987

Seal :

FORM ITNS

(1) Woodland Construction Co.

(Transferor)

(2) Manohar M. Behrani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATES,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

No. AR.II/37EE/34762/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 41, Ariane, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 41, 4th floor, 'Ariane' Plot No. 158, Perry Rd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34762/85-86 on 19-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bandra

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Noorool Amin Yoosuf Kazee.

(Transferor)

(2) Shri Vensimal Tolaram Balwani &
Shri Chandru Vensimal Balwani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATES,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

No. A R-II/37EE/34718/85-86.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
 being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 61, Kalpitam Premises Co-op. Housing Society Ltd., Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 61, 5th floor, Kalpitam Premises Co-operative Housing Society Ltd., 16th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/34718/85-86 on 13-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM DING

- (1) Mr. Uttamchand K. Wadhani,
(Transferor)
(2) Mr. Naraindas Asumal Jhangiani &
Mrs. Seeta Naraindas Jhangiani,
(Transferee)
(3) Transferee.
(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38**

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34699/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 31, 3rd floor, Plot No. 54, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, Plot No. 54, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37-EE/34699/85-86 on 13-6-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bachubai Sorabji Engineer.

(Transferor)

(2) M/s. New India Travels Private Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34439/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land S. No. 210, Hissa No. 8, TPS.III Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece of parcel of land together with the building known as Mehta Building standing thereon bearing S. No. 210 Hissa No. 8, TPS. No. III, Bandra Division, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34439/85-86 on 13-6-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987

Seal :

FORM ITNS

- (1) Mrs. Naseem Kazi Kabiruddin. (Transferor)
 (2) Mr. Jethanand Manekchand Arenja. (Transferee)
 (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34484/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G-3, Hill-N-Sea Apartment, Pali Hill, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Flat No. G-3, Hill-N-Sea Apartment, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34484/85-86 on 13-6-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :—

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jefsen Polymer Alloys.

(Transferor)

(2) M/s. Coastal Survey & Consultancy Services.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BAILLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34553/85-86.—Whereas, I,
 K. C. SHAH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Office No. 401, Block of Bandra-Kurla Commercial Complex
 Bandra (E), Bombay-51
 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
 Authority at Bombay on 6-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Office No. 401 on the 4th floor of Madhava, Plot C-4,
 'E' Block of Bandra-Kurla Commercial Complex Bandra (E),
 Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34553/85-86 on
 13-6-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987
 Seal:

FORM ITNS

(1) Mr. Sharad Govind Pathak and
Miss Jyotsna Vijay Singarpure.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Amirali Mitha, &
Mrs. Amirali Habib Mitha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34596/85-86.—Whereas, I
K. C. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding

₹ 1,00,000/- and bearing
Flat No. 9, 5th floor of Lancelot House, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No 9 on the 5th floor of Lancelot House, at 86 Dr. Peter Dias Road, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/377/34596/85-86 on 13-6-1986

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

23—506 OT/86

Date : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Kalabharati Development Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Neetu Jagdish Lalwani &
Smt. Jaya Prakash Lalwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34609/85-86.—Whereas, I,
K. C SHAH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop Space No. 3, Khimji Palace, Hill Road, Bandra Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop space No. 3, Khimji Palace, Ground floor, 39 Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/34609/85-86 on 13-6-1986

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-2-1987

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Kalabharati Development Corporation
 (Transferor)
 (2) Dwarkadas Awatram Lalwani
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,
 CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
 BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref No. AR.II/37EE/34610/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop Space No. 2, Khimji Palace, Hill Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop Space No. 2, Khimji Palace, Ground floor, 39 Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34610/85-86 on 13-6-1986.

K. C. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II,
 Controller Building, Ballard Estate,
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 24—506 GI/86

Dated : 10-2-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri O. P. Sharma.

(Transferor)

(2) Smt. Aruna Dattakumar Sawant

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34649/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Pent House, to be constructed on plot No. 28, Golf Link Scheme, Palli Hill, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pent House top floor of building to be constructed on Plot No. 28 Golf Link Scheme situated at Palli Hill (Danda), Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34649/85-86 on 13-6-1986.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Controller Building, Ballard Estate,
Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

Dated : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Kalabharati Development Corporation
(Transferor)
(2) Mrs. Champaben Tejpal Shah
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34611/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop Space No. 1, Khimji Palace, Ground floor, 39 Hill Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop Space No. 1, Khimji Palace, Ground floor, 39 Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34622/85-86 on 13-6-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Controller Building, Ballard Estate,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-2-1987
Seal :

FORM IINS

(1) Kalabharati Development Corporation

(Transferor)

(2) Manilal Ganshi Shah &
Chandrakant Ganshi Shah

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

KWT

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34612/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop Space No. 4, Khimji Palace, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop Space No. 4, Khimji Palace, Ground floor, 39 Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34612/85-86 on 13-6-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Controller Building, Ballard Estate,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-2-1987
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34613/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, Bandra Mandar Premises Co-op. Society Ltd. Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Milind K. Kudalkar

(Transferor)

(2) Shri A. K. Warty,
Dr. K. R. Warty &
Dr. M. K. Desai

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Bandra Mandar Premises Co-op. Society Ltd., 193 Guru Nanak Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34613/85-86 on 13-6-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Controller Building, Ballard Estate,
Bombay

Dated : 10-2-1987

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/35098/85-86.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 73, New Silver Home, 7th floor, Bandra, Bombay-
50 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority at Bombay on 27-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Arun K. Banerji

(Transferor)

(2) Mrs. Sumaira Akbar Abdulali
Mrs. Mumtaz Aziz Patel

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

(4) New Silver Home, Society.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 73, 7th floor, 'New Silver Home' 6F New
Kantwadi Road, Bandra, Bombay-50.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/35098/85-86 on
27-6-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Controller Building, Ballard Estate,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Dated : 10-2-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) N. N. Bhojwani
(Transferor)
(2) Shri A. N. Chhabria
(Transferee)
(4) Nibbana Co-op. Housing Society Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,

CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34823/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on 6th floor, Nibbana Annexe, Pali Hill Bandra, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6th floor facing south in building known as 'Nibbana Annexe' situated on plot bearing S. No. 257, Hissa No. 4 of Danda Pali Hill Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34823/85-86 on 20-6-1986.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Contractor Building, Ballard Estate,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-2-1987

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Natraj Corporation

(Transferor)

(2) Mr. Sadhuram J. Chhabria

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
BOMBAY-38

Bombay-38, the 10th February 1987

Ref. No. AR.II/37EE/34738/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 51, Kshitiij, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Kshitiij, at Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34738/85-86 on 19-6-1986.

Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Contractor Building, Ballard Estate,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-2-1987
Seal :